# उत्पत्ति

## संसार क उत्पत्ति

### पहिला दिन उजियारा

1 सुरु मँ परमेस्सर अकास अउ भुइँया क रचेस। 2भुइँया
सुनसान रही; अउ भुइयाँ प कछू भी नाहीं रहा। समुद्दर
प अँधियारा छावा रहा, अउ परमेस्सर क आतिमा पानी प
मँड़रात रहा। 3तब परमेस्सर कहेस, "उजियारा होइ" अउ
उजियारा होइ गवा। 4परमेस्सर उजियारा क लखेस अउ उ
जानि गवा कि इ नीक बाटइ। तबहिं उ उजियारा का
अँधयारा से अलग कई दिहेस। 5परमेस्सर उजियारा क नाउँ
"दिन" अउ अँधियारा क नाउँ "रात" दिहेस।

साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ पहिला दिन रहा।

### दूसर दिन-अकास

6तब्बइ परमेस्सर कहेस, "पानी क एक ढेर क दूसर ढेर
स अलगावइ बरे वायुमण्डल* होइ जाइ।" 7ऍह बरे
परमेस्सर वायुमण्डल क बनएस अउ पानी क अलग
किहेस। कछू पानी वायुमण्डल क ऊपर रहा अउ कछू
वायुमण्डल क नीचे। 8परमेस्सर वायुमण्डल क "अकास"
कहेस। तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ दूसर दिन रहा।

### तीसर दिन-झुरान भुइँया अउ पेड़-पौधा

9अउर तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया क पानी एक ठउरे
प बटुर जाइ जेहसे झुरान भुइँया देखाइ देइ" अउ अइसा ही
भवा। 10परमेस्सर झुरान भुइँया क नाउँ "धरती" धरेस अउ
जउन पानी बटुरा रहा, ओका "समुद्दर" क नाउँ दिहेस।
परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

11तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया, घास अउ पौधा जउन
अन्न पइदा करत हीं अउर फलन क बिरवा उगावइ। फलन
क बिरवा जेकरे फलन क भीतर बिया होइ अइसा फल
पइदा करइँ अउ हर एक ठु पौधा आपन जाति क बिया
बनावइ। इ पौधन क भुइयाँ प निकरइ द्या।" अउ अइसा ही
भवा। 12भुइयाँ घास अउ पौधा पइदा किहस जउन अनाज
पइदा करत हीं अउ अइसा बिरवा अउ पौधा उगाएस जेनके
फलन क भीतर बिया होत हीं। हर एक ठु पौधा आपन
आपन जाति क मुताबिक बिया पइदा किहस अउ परमेस्सर
लखेस कि इ नीक अहइ। 13तब साँझ भइ अउ भिन्सार
भवा। इ तीसर दिन रहा।

### चउथा दिन-सूरज, चाँद अउ तारा

14तब परमेस्सर कहेस, "अकास मँ जोतियन होइ द्या। इ
जोतियन दिन क रात स अलगाइ देइ। इ जोतियन खास
त्यौहार क दिनन क अवइ अउर दिन अउ रात होइ ऍकरे
बरे मँ एक चीन्हा होब्या। 15इ जोतियन भुइयाँ प प्रकास देइ
बरे अकासे मँ ठहारि जाइँ।" अउर अइसा ही भवा।

16तब परमेस्सर दुइ बड़की जोतियन बनएस। परमेस्सर
ओहमाँ स बड़की जोति क दिन प राज करइ बरे बनएस
अउ छोटकी जोति क राति प राज करइ खातिर बनएस।
परमेस्सर तारा भी बनएस। 17परमेस्सर इ जोतियन क अकासे
मँ ऍह बरे धरेस कि पृथ्वी पइ चमकइ। 18परमेस्सर इ
जोतियन क अकासे मँ ऍह बरे धरेस कि उ दिन अउ राति
प राज करइ। इ सबइ जोतियन उजियारा क अँधियारा स
अलगाइ दिहन अउ परमेस्सर इ लखेस कि इ नीक बा।

19तब साँझ भइ अउ भिन्सार भवा। इ चउथा दिन रहा।

### पँचवा दिन-मछरियन अउ पंछिन

20तबहीं परमेस्सर कहेस, "पानी बहोत सारी जीब जन्तूअन
स भरि जाइ अउ पंछी भुइयाँ क ऊपर वायु मँ बिचरइँ।"
21ऍह बरे परमेस्सर समुद्दर मँ बड़वार बड़वार जलजन्तु
बनएस। परमेस्सर ओन सबहिं परानियन क बनएस जउन
समुद्दर मँ बिचरत हीं। साग्र मँ किसिम किसिम क
जलजन्तु बाटेन। परमेस्सर इ सबन क रचना किहेस।
परमेस्सर हर तरह क पंछी भी बनएस जउन अकासे मँ उड़त
हीं। परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

22परमेस्सर इ जनावरन क आसीर्बाद दिहेस, अउ कहेस,
"जा अउ बहोत स बच्चन क पइदा करा अउ सागरे क
आपन सन्तानन स भरि द्या।" उ पंछी क भी कहेस कि
आपन सन्तानन क कइ गुना बढ़ावा।

23तब साँझ भइ अउ भोर भवा। इ पँचवा दिन रहा।

### छठाँ दिन-भुइँया क जीव जन्तु अउ मनई

24तब परमेस्सर कहेस, "भुइँया हर जाति क जीव जन्तु
पइदा करइ। बहोत स अलग अलग जाति क जनावर होइँ।
हर जाति क बड़का जनावर अउ नान्ह नान्ह रेंगइवाला
जनावर होइँ अउ इ जनावर आपन जाति क मुताबिक अउर
जनावर बनावइँ" अउ इहइ सब भवा।

25तउ, परमेस्सर हर जाति क जनावर बनएस। उ जंगली
जनावर, पालतू जनावर, अउ सबहिं नान्ह नान्ह रेंगइवाला
जीउ बनाएस अउर परमेस्सर लखेस कि इ नीक अहइ।

26तब परमेस्सर कहेस, "अब मनई क आपन सरुप अउर
आपन जइसा बनाएँ मनई हमरी तरह होइ। उ सागर क सब
मछरियन प अकासे क पंछियन प राज करी। उ भुइँया क

---

**वायुमण्डल** हिब्रू भाखा मँ एकर अरथ अहइ "फइलाव" या
"मण्डल।"

सब बड़वार जनावरन अउ सब नान्ह रेंगइवालन जीउ प राज करी।"

27ऍह बरे परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनएस। परमेस्सर मनई क आपन ही सरुप मँ सिरजेस। परमेस्सर ओनकइ नर अउ नारी बनाएस। 28परमेस्सर ओनका असीसेस। परमेस्सर ओनसे कहेस, "बहोत सारे संतानन पइदा करा, नसलन क बढ़ावा अउर भुइँया क भरि दया। भुइँया पइ कब्जा कर ल्या। अउ ओह प राज करा। सागर क मछरियन प अउ अकासे क पंछिन प राज करा। भुइँया क हर जीउ-जन्तु प राज करा।"

29परमेस्सर कहेस, "लखा, मइँ तू पचन क सब किसिम क बिआदार बृच्छ पौधा अउ सारा फलदार बृच्छ दिहेउँ ह। इ सबइ अन्न अउ फल तोहार भोजन होइ। 30मइँ हर एक ठु हरिअर पेड़ पौधा गोरु बरे देत अहउँ। इ सबइ हरिअर बृच्छ पौधा ओनकइ चारा होइ। भुइँया क हर एक ठु जनावर, अकासे क हर एक पंछी अउ भुइँया प रेंगइवाला सब जीउ जन्तु इ चारा क खइहीं।" इ सबइ बातन भइँन।

31परमेस्सर अपने जरिये हर एक ठु चीज लखेस जेका उ बनाएस रहा। अउ उ निहारेस कि हर चीज बहोतइ नीक बाटइ। साँझ भइ अउ भोर भवा। इ छठवाँ दिन रहा।

## सतवाँ दिन-आराम

2 इ तरह धरती, अकास अउ ओकर हर एक चीज क रचब पूर होइ गवा। 2परमेस्सर आपन कीन्ह जात काम क पूरा कइ लिहेस। ऍह बरे सतएँ दिन परमेस्सर अपने काम मँ अराम किहेस। 3परमेस्सर सतएँ दिन क असीसेस अउ ओका पवित्र दिन बनइ दिहेस। परमेस्सर उ दिना क पवित्र दिन ऍह बरे बनएस कि संसार क बनवत समइ जउन उ काम करत रहा उ सबहिं कामे स उ दिन उ अराम किहेस।

## मनई जाति क सुरुआत

4इ धरती अउ अकास क इतिहास अहइ। इ कथा उ चिजियन क अहइ, जउन परमेस्सर क जरिये धरती अउ अकास बनवत टेम प भइन। 5तब धरती प कउनो बृच्छ पौधा नाहीं रहा। अउ खेतन मँ कछू भी नाहीं उगत रहा। काहेकि यहोवा तब तलक धरती प बरखा नाहीं पठए रहा अउ बृच्छ पौधन क देखइ भालइ वाला कउनो मनई भी नाहीं रहा। 6मुला कुहिरा भुइँया स उठत रहा अउ पानी समूचइ धरती क सींचत रहा।

7तब यहोवा परमेस्सर भुइँया स धूरि उठाएस अउ मनई क बनएस। यहोवा मनई क नाके मँ जिन्नगी क साँस फूँकेस अउ मनई एक ठु जिअत परानी बन गवा। 8फुन यहोवा परमेस्सर पूरब मँ अदन नाउँ क ठउरे मँ एक बाग लगाएस। यहोवा परमेस्सर आपन बनावा भवा मनई क इहइ बगिया मँ राखेस। 9यहोवा परमेस्सर हर एक सुन्नर बृच्छ अउ खइया बरे सबहिं किसिम क नीक बृच्छ क उ बगिया मँ उगाएस। बगिया क बीचउ बीच यहोवा परमेस्सर जिन्नगी क बृच्छ क धरेस अउ उ बृच्छ क भी राखेस जउन अच्छाई अउ बुराई क जानकारी देत रहा।

10अदन स होइके एक ठु नदी बहत रही अउ उ बाग क सींचत रही। उ हुवाँ स अगवा जाइके चार ठु नान्ह नान्ह धारा मँ बदल गइ रही। 11पहिली नदी क नाउँ पीसोन रहा। इ नदी हवीला पहँटा क चारिहुँ कइँती बहत रही। 12(उ पहँटा मँ सोना अहइ अउ उ सोना नीक बाटइ। मोती अउर गोमेदक रतन उ पहँटा मँ अहइँ।) 13दूसरी नदी क नाउँ गीहोन अहइ जउन इथोपिया देस क चारो तरफ बहत ह। 14तीसरी नदी क नाउँ दजला बा। इ नदी अस्सूर क पूरब मँ बहत ह। चउथी नदी फरात अहइ।

15यहोवा परमेस्सर मनई क अदन क बाग मँ रखेस। मनई क काम पेड़-पौधा लगाउब अउ बगिया क रखवारी करब रहा। 16यहोवा परमेस्सर मनई क हुकुम दिहेस। यहोवा परमेस्सर कहेस, "तू बगिया क कउनो भी बृच्छ स फल खाइ सकत ह। 17मुला तू नीक अउ खोट क गियान देइवाला बृच्छ क फल नाहीं चख सकत ह। अगर तू उ बृच्छ क फल खाइ लेब्या तउ तू मरि जाब्या।"

## पहिली मेहरारु

18तब यहोवा परमेस्सर कहेस, "मनई क अकेले रहब नीक नाही। मइँ ओकरे तरह एक मनई ओका मदद बरे बनउब।"

19यहोवा परमेस्सर धरती क हर एक जनावर अउ अकासे क हर पंछी क भुइँया क माटी स बनएस। यहोवा परमेस्सर इ सबहिं जीउन क मनई क समन्वा लइ आवा अउ मनई हर एक क नाउँ राखेस। 20मनई पालतू गोरु, अकासे क सब पंछिन अउ जंगल क सबहिं जनावर क नाउँ रखेस। मनई ढेर क जनावर अउ पंछिन क लखेस। मुला मनई कउनो अइसा मदद करइया नाहीं पाइ सका जउन ओकरे जोग्ग होइ। 21ऍह बरे यहोवा परमेस्सर मनई क गहरी नींदे मँ सुवाइ दिहेस अउ जब उ सोवत रहा; यहोवा परमेस्सर मनई क तन स एक पसुली निकारि लिहस। तब यहोवा मनई क चाम क बन्द कइ दिहस जहाँ स उ पसुली निकारे रहा। 22यहोवा परमेस्सर मनई क पसुली स मेहरारु क बनएस। तब यहोवा परमेस्सर मेहरारु क मनई क लगे लिआवा। 23अउर मनई कहेस,

"आखिर मँ! हमरे तरह एक मनई। ऍकर हाड़ मोरे हाड़ मँ स आवा ऍकर तन मोरे तन स आवा। काहेकि इ मनई स निकारी गइ, ऍह बरे मइँ ऍका मेहरारु कहब।"

24इहइ कारण स मनई आपन महतारी-बाप क तजिके आपन मेहरारु क संग रही अउ उ दुइनउँ एक तन होइ जइहीं। 25मनई अउ ओकर मेहरारु बगिया मँ नंगा रहेन; मुला उ पचे लजात नाहीं रहेन।

## पाप क सुरु होब

3 यहोवा परमेस्सर जउन जंगली जनावरन क बनएस ओहमाँ स सरप सबन त जिआदा होसियार अउर धोखेबाज रहा। उ मेहरारु क धोखा देइ चाहत रहा। सरप मेहरारु स कहेस, "हे मेसरारु! का फुरइ परमेस्सर तोहसे कहेस ह कि तू बगिया क कउनो फल जिन चख्या?"

2मेहरारु सरप स कहेस, "नाहीं परमेस्सर इ नाहीं कहेस।
हम बगिया क पेड़े स फल खाइ सकित ह। 3मुला एक ठु
बृच्छ बाटइ जेकर फल हम पचे नाहीं खाइ सकित। परमेस्सर
हम पचन स कहेस ह, 'तोहका उ बृच्छ क फल नाहीं खाइ
चाही जउन बगिया क बीच मँ बाटइ। तोहका उ बृच्छ क
छुअइ तलक नाहीं चाहीं नाहीं तउ मरि जाब्या।"'
4मुला सरप मेहरारु स कहेस, "तू मरिब्या नाहीं।
5परमेस्सर जानत ह कि तू पचे उ बृच्छ स फल खाब्या तउ
नीक अउ बुरा क बारे मँ जानि लेब्या। अउर तब तू उहइ
होब्या जइसे परमेस्सर अहइ।"
6फुन मेहरारु निहारेस कि बृच्छ सुन्नर बाटइ। उ लखेस
कि फल खाइ बरे नीक बाटइ अउ उ बृच्छ ओका बुद्धिमती
बनाइ। तउ बृच्छ स कछू फल तोड़ेस अउ खाएस भी। तब
उ अपने भतार क कछू फल खाइ बरे दिहस जउन ओकरे
संग रहा।
7तब ओनकइ अखियाँ खुलि गएन। दुइनउँ जानेन कि उ
पचे नंगा बाटेन। उ दुइनउँ क लज्जा अनुभव भवा। तउ उ
पचे अंजीरे क पत्ता लिहेन अउ ओका सिएन अउ आपन
नंगापन क ढाँपि लिहेन।
8तब मनसेधू अउ मेहरारु साँझ क ठंडी बयार मँ यहोवा
परमेस्सर क आवइ क अवाज बगिया मँ अनकेन। उ पचे
बगिया मँ बृच्छन क बीच लुकाइ गएना। 9यहोवा परमेस्सर
गोहराइके मनई स पूछेस, "तू कहाँ बाट्या?"
10मनई जवाब दिहेस, "मइँ तोहरे टहरइ क अवाज
बगिया मँ सुनेउँ अउ मइँ डेराइ गएउँ काहेकि मइ नंगा
रहेउँ। ऍह बरे मइँ लुकाइ गएउँ।"
11यहोवा परमेस्सर मनई स पूछेस, "तोहका कउन बताएस
ह कि तू नंग धड़ंग अहा? तू कउने वजह स सरमाइ गया
ह? का तू उ बिसेख बृच्छ क फल चख्या ह जेका मइँ
तोहका न खाइ बरे हुकुम दिहेउँ ह?"
12तब मनई कहेस, "तू जउन मेहरारु मोरे बरे बनया ह उ
उहइ बृच्छ स मोका फला दिहस ह, अउर मइँ ओका
खाएउँ ह।"
13फुन यहोवा परमेस्सर मेहरारु स कहेस, "इ तू का
किह्या ह?" मेहरारु कहेस, "सरप मोका बगदाइ दिहस। उ
मोका मूरख बनाएस अउर मइँ फल चखि लिहेउँ।"
14तब यहोवा परमेस्सर कीरा स कहेस,
"तू इ बहोतइ बुरा किहा। ऍह बरे तोहार बुरा ही होइ।
दूसर जनावर क बनिस्बत तोहार बहोतइ बुरा होइ। तू आपन
पेट क सहारा रेगंइ बरे बेबस होब्या। अउर तू धूरि फाँकइ
क बेबस होब्या जिन्नगी क सब दिन मँ।
15मइँ तोहका अउ मेहरारु क एक दूसरे क दुस्मन
बनाउब। तोहार गदेलन अउ ऍकर बच्चा आपस मँ दुस्मन
होइहीं। तू ऍनकइ गदेलन क गोड़े मँ डसब्या अउ उ तोहार
मूँड़ कुचल देइहीं।"
16तब यहोवा परमेस्सर मेहरारु स कहेस,
"मइँ तोहका गाभिन होइ क हालत मँ बहोतइ दुखी
करब। अउर जब तू लरिका पइदा करिबिउ, तोहका बहोत
जियादा पीरा होइ। तू आपन भतार क बहोतइ चहिबिउ, मुला
उ तोह प प्रभुताई करी।"
17तब यहोवा परमेस्सर मनई स कहेस,
"मइँ हुकुम दिहेउँ रहे कि तू विसेख बृच्छ क फल जिन
खाया। मुला तू आपन मेहरारु क बात सुन्या अउर उ बृच्छ
क फल खाया ह। ऍह बरे मइँ तोहरे कारण इ भुइँया क
सराप देत हउँ आपन जिन्नगी क पूरे टेमँ तलक उ भोजन
बरे जउन धरती देत ह तोहका कठिन मेहनत करइ क पड़ी।
18मुला धरती तोहरे बरे काँटन अउर खर-पतवार पइदा
करी। अउर तू ओन पौधन क खाब्या जउन खेत मँ उगत
ह।
19तू आपन खइया बरे कठोर मेहनत करब्या। तू तब
तलक मेहनत करब्या जब तलक माथा प पसीना न आवइ।
तू तब तलक कठोर मेहनत करब्या जब तलक तोहार मउत
न आइ जाइ। उ टेमँ तू दूसरी दाईं माटी बन जाब्या। जब
मइँ तोहका बनए रह्यों, तबहिं तोहका माटी स बनए रह्यों
अउर जब तू मरिब्या तब तू उहइ माटी मँ फुन मिलि
जाब्या।"
20आदम आपन मेहरारु क नाउँ हव्वा राखेस, काहेकि
सब मनइयन क उ आदि महतारी रही।
21यहोवा परमेस्सर मनई अउ ओकरे मेहरारु बरे जनावर
क चाम स पोसाक बनाएस। तब यहोवा इ सबइ पोसाक
ओनका दिहस।
22यहोवा परमेस्सर कहेस, "लखा, मनई हमरे जइसा होइ
गवा अहइ। मनई अच्छाई अउ बुराई जानत ह अउर अब
मनई जिन्नगी क बृच्छ स भी फल लइ सकत ह। अगर
मनई उ फले क खाई तउ सदा ही जिअत रही।"
23तब यहोवा परमेस्सर मनई क अदन क बगिया तजइ
बरे बेबस किहस। जउने माटी स आदम बना रहा उ भुइँया
प आदम क कठोर मेहनत करइ क पड़ी। 24परमेस्सर आदम
क बाग स बाहेर खदेर दिहस। तब परमेस्सर करूब
सरगदूतन क बगिया क फाटक क रखवारी बरे राखेस। उ
एक आगी क तरवार भी राखेस। इ तरवार जिन्नगी क
बृच्छ क राह क रखवारी करत भइ चारिहुँ कइँती चमकत
रही।

### पहिला परिवार

4 आदम अउ ओकर मेहरारु हव्वा क बीच मँ तने क
रिस्ता भवा अउ हव्वा एक ठु बच्चा जन्मेस। बच्चा
क नाउँ काबील रखा गवा। हव्वा कहेस, "यहोवा क मदद
स मइँ एक मनई पाएउँ ह।"
2ऍकरे पाछे हव्वा एक ठु दूसर बच्चा क जन्मेस। इ
लरिका काबील क भाई हाबिल रहा। हाबिल गड़रिया बना।
काबील किसान बना।

### पहिला कतल

3-4फसिल क टेमँ काबील एक ठु भेंट यहोवा क लगे
लइ आवा। जउन अनाज काबील आपन जमीन मँ उपजावत
रहा, ओहमाँ स तनिक अन्न उ लइ आवा। मुला हाबिल
आपन जनावरन क झुण्ड मँ स कछू जनावर लावा। हाबिल
आपन सबन त नीक भेड़ी क सबन त बढ़िया हींसा लइ
आवा। यहोवा हाबिल अउ ओकरी भेंट क अंगीकार

किहस। 5मुला यहोवा काबील अउ ओकरे जरिये लाइ गइ भेंट क अंगीकार नाहीं किहस। ओकर चेहरा उदास होइ गवा। 6यहोवा काबील स पूछेस, "तू काहे कोहान अहा? तोहार चेहरा काहे बहोत उदास भवा देखात बाटइ? 7अगर तू नीक काम करिब्या तउ तू मोरी निगाह मँ ठीक रहब्या। तब मइँ तोहका अपनाउब। मुला अगर तू उ काम नाहीं करिब्या जउन कि नीक अहइ तउ पाप तोहार दरवाजे पइ घात मँ रहब्या। इ तोहका तबाह करइ चाहत ह। मुला तोहका ऍका आपन बस मँ रखइ चाही।"

8काबील आपन भाई हाबिल स कहेस, "आवा हम मैदान मँ चली।" ऍह बरे काबील अउ हाबिल मैदान मँ गएन। तब काबील आपन भाई प हमला कइ दिहस अउ ओका मारि डाएस।

9पाछे यहोवा काबील स पूछेस, "तोहार भाई हाबिल कहाँ बा?"

काबील जवाब दिहेस, "मोका नाहीं मालूम। का इ मोर काम अहइ कि मइँ आपन भाई क चउकसी अउ देखभाल करउँ?"

10तब्बइ यहोवा कहेस, "तू इ का किहा? तोहरे भाई क रकत जमीन स बोलत अहइ कि का होइ ग अहइ? 11तू आपन भाई क कतल किहा ह, भुइँया तोहरे हाथे स ओकर रकत लेइ बरे खुल गइ अहइ। ऍह बरे तोहका अगिया नाही अहइ कि तू धरती स कउनो लाभ उठावा। 12बीता जमाना मँ तू फसल लगाया अउ उ अच्छी जामी। मुला अब तू बढ़िया फसल बोउब्या अउ जमीन तोहार अच्छी फसल होइ मँ मदद न करी। तोहका भुइँया प घर न मिली। तू जगह-जगह भटकत रहब्या।"

13तब काबील कहेस, "इ सजा ऍतनी जियादा अहइ कि मइँ सह नाहीं सकत हउँ। 14लखा, तू आज मोका धरती स तजि दिहस मइँ न तउ तोका देख पाउब अउर न ही तोर निकट रह पाउब। मोर घर नाहीं बा। मोका जगह-जगह भटकइ प बेबस कीन्ह जाई। अउर जदि कउनो मनई मोका पाइ तउ उ मोका मारि डाइ।"

15तब यहोवा काबील स कहेस, "मइँ इ नाहीं होइ देब। जदि कउनो तोहका मारी तउ मइँ उ मनई क बहोत कठोर सजा देब।" तब यहोवा काबील प एक चीन्हा बनाएस। इ चीन्हा उ बतावत रहा कि काबील क कउनो न मारइ।

### काबील क परिवार

16तब काबील यहोवा क तजि क चला गवा। काबील नोद देस मँ रहइ लाग।

17काबील आपन मेहारु क संग तने क रिस्ता किहस। उ गाभिन होइ गइ। उ हनोक नाउँ क बच्चा जन्म दिहस। काबील एक सहर बसाएस, अउर ओकर नाउँ आपन पूत क नाउं प हनोक ही राखेस। 18हनोक स ईराद पइदा भवा, ईराद स महूयाएल पइदा भवा, महूयाएल स मतूसाएल पइदा भवा अउर मतूसाएल स लेमेक पइदा भवा।

19लेमेक दुइ मेहारु स बियाह किहस। एक मेहारु क नाउँ आदा अउ दूसर क नाउँ सिल्ला रहा। 20आदा याबल क जन्मेस। याबाल ओन मनइयन क बाप रहा जउन तम्बू मँ रहत रहेन अउ गोरु क पाल पोस क आपन गुजर बसर करत रहेन। 21आदा क दूसर पूत यूबाल भी रहा। यूबाल, याबाल क भाई रहा। यूबाल ओन मनइयन क बाप रहा जउन बीणा अउ बाँसुरी बजावत रहेन। 22सिल्ला तूबलकैन क जन्म दिहस। तूबलकैन ओन मनइयन क बाप रहा जउन काँसा अउ लोहा क पेसा करत रहेन। तूबलकैन क बहिन क नाउँ नामा रहा। 23लेमेक आपन मेहररुअन स कहेस:

"ऐ आदा अउ सिल्ला मोरउ बात सुना। लेमेक क मेहररुओ! जउन बतियन मइँ कहत हउँ, सुना। एक मनई मोका चोट पहुँचाएस, मइँ ओका मारि डालेउँ। एक जवान मोका चोट पहुँचाएस ऍह बरे मइँ ओका मारि डाएउँ।

24जदि काबील क कतल करइ क सजा सात गुना अहइ तउ लेमक क कतल क सजा सतहत्तर गुना होब्या!"

### आदम अउ हव्वा क नवा पूत पइदा भवा

25आदम अउ हव्वा क संग पुन तने क रिस्ता भवा अउ हव्वा एक ठु अउर बच्चा क जन्म दिहेस। उ पचे इ लरिका क नाउँ सेत राखेन। हव्वा कहेस, "परमेस्सर मोका एक अउर पूत दिहेस ह। काबील हाबिल क मारि डाएस मुला सेत अब मोरे लगे अहइ।" 26सेत क भी एक पूत रहा। एकर नाउँ एनोस रहा। उ टेमँ लोगन यहोवा क आराधना करई लागेन।*

### आदम क परिवारे क इतिहास

5 इ अध्याय मँ आदम क परिवार क बंसज क बारे मँ अहइ। परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस। 2परमेस्सर ओनका नर अउर मादा बनाएस। जउन दिन ओनका बनाएस उहइ दिन उ ओनका असीसेस अउर ओनका नाउँ "आदम" राखेस।

3जब आदम एक सौ तीस बरिस क होइ गवा तब उ एक अउर बचवा क बाप भवा। इ पूत ठीक आदम क तरह देखाइ देत रहा। अदम आपन पूत क नाउँ सेत राखेस। 4सेत क जन्म क पाछे आदम आठ सौ बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ आदम क दूसर बेटवन अउ बिटियन भइन। 5इ तरह आदम पूरा नौ सौ तीस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

6जब सेत एक सौ पाँच बरिस क होइ गवा तब ओका एनोस नाउँ क पूत पइदा भवा। 7एनोस क जन्म क पाछे सेत आठ सौ सात बरिस जिअत रहा। इहइ सेत क दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 8इ तरह सेत पूरा नौ सौ बारह बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

9एनोस जब नब्बे बरिस क भवा, ओका केनान नाउँ क पूत पइदा भवा। 10केनान क जन्म क पाछे एनोस आठ सौ पन्द्रह बरिस जिअत रहा। इ दिनन एकर दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 11इ तरह एनोस पूरा नौ सौ पाँच बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

12जब केनान सत्तर बरिस क भवा, ओका महललेल नाउँ क पूत पइदा भवा। 13महललेल क जन्म क पाछे केनान आठ सौ चालीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन केनान

---

**उ टेमँ ... लागेन** इ सब्द क अरथ अहइ यहोवा क गोहरावइ लागेन।

क दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 14इ तरह केनान पूरा नौ सौ दस बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

15जब महललेल पैसंठ बरिस क भवा, ओका येरेद नाउँ क पूत पइदा भवा। 16येरेद क जन्म क पाछे महललेल आठ सौ तीस बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 17इ तरह महललेल पूरा आठ सौ पंचान्नबे बरिस जिअत रहा। तब उ मरा।

18जब येरेद एक सौ बासठ बरिस क भवा तउ ओका हनोक नाउँ क पूत पइदा भवा। 19हनोक क जनम क पाछे येरेद आठ सौ बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओका दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 20इ तरह येरेद पूरा नौ सौ बासठ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

21जब हनोक पैंसठ बरिस क भवा, ओका मतूसेलह नाउँ क पूत पइदा भवा। 22मतूसेलह क जन्म क पाछे हनोक परमेस्सर क संग तीन सौ बरिस रहा। इ दिनन ओकर दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 23इ तरह हनोक पूरा तीन सौ पैसंठ बरिस जिअत रहा। 24एक दिना हनोक परमेस्सर क संग चलत* रहा अउ अछन्न होइ गवा काहेकि परमेस्सर उठाइ लिहस।

25जब मतूसेलह एक सौ सत्तासी बरिस क भवा, ओका लेमेक नाउँ क पूत पइदा भवा। 26लेमेक क जन्म क पाछे मतूसेलह सात सौ बयासी बरिस जिअत रहा। इ दिना ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 27इ तरह मतूसेलह पूरा नौ सौ ओनहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

28जब लेमेक एक सौ ब्यासी बरिस क भवा, उ एक ठु पूत क बाप बना। 29लेमेक आपन पूत क नाउँ नूह धरेस। लेमेक कहेस, "हम किसान लोग कठोर मेहनत करित ह काहेकि परमेस्सर भुइँया क सरापे अहइ। मुला नूह हम पचन क अराम देब।"

30नूह क जन्म क पाछे, लेमेक पाँच सौ पंचान्नबे बरिस जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन पइदा भइन। 31इ तरह लेमेक पूरा सात सौ सतहत्तर बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

32जब नूह पाँच सौ बरिस क भवा, ओकरे सेम, हाम अउर येपत नाउँ क पूत पइदा भएन।

### लोग पापी होइ गएन

6 भुइँया प मनइयन क गनती बाढ़इ लाग। इ मनइयन क बिटियन पइदा भइन। 2अब परमेस्सर क पूतन लखेन कि मनई क बिटियन सुन्नर अहइँ। ऍह बरे परमेस्सर क पूतन आपन आपन इच्छा क मुताबिक जेसे चाहेन ओसे बियाह किहेन।

3तब यहोवा कहेस, "लोग सिरिफ मानव अहइ। मइँ हमेसा आपन आतिमा क इ सबन स दुःखी न होइ देब। मइँ ओनका एक सौ बीस बरिस क जिन्नगी देब।"

4ओन दिनन अउर ओकर पाछे भी हुआँ नेफिलिम लोग* उ धरती मँ रहत रहेन। जब परमेस्सर क पूतन मनइयन क बिटियन सादी किहेन तउ ओन स बच्चे पैदा भएन। उ पचे मसहूर लोग रहेन। उ पचे पुराने जमाने स बहादुर रहेन।

5यहोवा लखेस कि भुइँया प मनई बहोत जिआदा पापी अहइँ। यहोवा लखेस कि मनई लग्गातार बुरी बात ही सोचत ह।

6यहोवा क इ बात क दुःख भवा कि मइँ भुइँया प मनई क काहे बनाएउँ? यहोवा इ बात स बहोत दुःखी भवा। 7ऍह बरे यहोवा कहेस, "मइँ आपन बनई भइ भुइँया क सब मनइयन क खतम कइ देब। मइँ हर एक मनई, जनावर अउ भुइँया प रेंगइवाला हर एक जीउ जन्तु क नास करब। मइँ अकासे क चिरइयन क भी खतम कइ देब। काहे? काहेकि मइँ इ बात स दुःखी अहउँ कि मइँ इ सबहिं चीजन क बनएउँ।"

8मुला भुइँया प यहोवा क खुस करइ वाला एक मनई रहा-नूह।

### नूह अउ जल क प्रलय

9इ नूह क जिन्नगी क कहानी बाटइ। उ आपन समइ मँ एक बहोत ही अच्छा मनइ रहा। अउर उ हमेसा परमेस्सर क अनुसरण किहेस। 10नूह क तीन पूत रहेन, सेम, हाम अउ येपेत।

11-12परमेस्सर धरती प निगाह दउड़ाएस अउ उ निहारेस कि भुइँया क मनइयन बर्बाद कइ दिहे अहइँ। हर एक ठउरे प मारकाट फइला रहा। मनई पपियाइ ग रहेन अउ क्रूर होइ ग रहेन, अउर उ पचे धरती प आपन जिन्नगी बर्बाद कइ दिहे रहेन।

13ऍह बरे परमेस्सर नूह स कहेस, "सब मनइयन धरती क किरोध अउ हिंसा स पाट दिहे अहइँ। इ खातिर मइँ सबहिं जिअत प्राणियन क नास कइ देब। मइँ ओनका भुइँया स हटाइ देब। 14गोपेर क काठ बइपरा अउ आपन खातिर एक ठु जहाज बनावा। जहाज मँ कमरन बनावा अउ जहाज क राल स भीतरे अउ बाहेर लीपि द्या।

15"जउन जहाज मइँ बनावइ चाहत हउँ ओकर नाप जोख तीन सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, तीस हाथ ऊँच अहइ। 16जहाज बरे छत स करीब एक हाथ खाले खिरकी बनावा। जहाज क बगल मँ फाटक बनावा। जहाजे मँ तीन मंजिल बनावा। ऊपर क मंजिल, बिचकउ मंजिल अउ तरखाले क मंजिल।

17"तू पचन क जउन बतावइ चाहत हउँ ओका धियान स सुना। मइँ धरती प बड़वार भारी पानी क बाढ़ लिआउब। अकासे क नीचे सबहिं जीउन क नास करब। धरती क सब जीउ मरि जइहीं। 18मुला मइँ तू सबन क बचाउब। तब मइँ तोहसे एक खास करार करब। तू, तोहार पूतन, तोहार मेहरारु अउ तोहार पतोहुअन सबहिं जहाज मँ सवार होइहीं। 19संग मँ तोहका जिअत प्राणी क जोड़ा भी लइ आवइ क

---

**हनोक** चलत सब्द क अरथ अहइ "हनोक परमेस्सर क संग संग चलत रहा।"

**नेफिलिम लोग** नेफिलिम लोग उ दिना उहइ देस मँ रहत रहेन। इ सबइ एकरे पाछे भी हुआँ रहत रहेन जब परमेस्सर क पूत लोग मनई क बिटियन स बियाह किहेन अउ इ मेहररुअन लरिकन क जन्म दिहना। इ लरिकन मसहूर भएन। इ सबइ पुराना जमाना स बहादुर रहेन।

होइ। हर एक प्राणी क नर अउ मादा जोड़ा जहाजे मँ लिआवा। आपन संग ओनका जिअत राखा। 20धरती क हर किसिम क चिरइयन क जोड़ा भी हेरा। धरती क हर किसिम क जनावरन क जोड़ा हेरा। धरती प रेंगइवाला हर एक जीउ क जोड़ा क भी हेरा। धरती प हर किसिम क जनावरन क नर अउ मादा तोहरे संग होइहीं। जहाजे प ओनका जिअत राखा। 21धरती प सब किसिम क भोजन भी लइ जहाजे प लइ आवा। इ भोजन तोहरे बरे अउ जनावरन बरे होइ।"

22नूह इ सब कछू किहस। नूह परमेस्सर क सब हुकुम क मान लिहस।

### जल प्रलय सुरु होत ह

7 तब यहोवा नूह स कहेस, "मइँ लखेउँ ह कि इ समइ क बुरे मनइयन मँ तू ही एक नीक मनई अहा। ऍह बरे तू आपन परिवार क बटोरा अउ तू पचे सबहिं जहाजे मँ चला जा। 2हर एक सुद्ध जनावर क सात जोड़ा, (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) संग मँ लइ ल्या अउ धरती क ऊपर दूसर असुद्ध जनावरन मँ स एक एक जोड़ा नर अउ मादा लिआवा। इ सबहिं जनावरन क आपन संग जहाजे मँ लइ आवा। 3हवा मँ उड़इवाला सब पंछिन क सात ठु जोड़ा (सात ठु नर अउ सात ठु मादा) लिआवा। एहसे इ सबइ जनावरन भुइँया प जिअत रइहीं, जब कि दूसर जनावरन मिटि जइहीं। 4अब स सतएँ दिन मइँ भुइँया प बहोतइ भारी बर्खा पठउब। इ बर्खा चालीस दिन अउ चालीस रात रही। पृथ्वी क सबहिं जिअइवाले प्राणी मर बिलाइ जइहीं। मोर बनई सब चिजियन नस्ट होइ जइहीं।" 5नूह ओन सबहिं बतियन क मानेस जउन यहोवा हुकुम दिहे रहा। 6बर्खा आवइ क टेँम नूह छः सौ बरिस क रहा। 7नूह अउ ओकर परिवार बाढ़ क पानी स बचइ बरे जहाजे मँ चला गवा। नूह क मेहरारु, ओकर पूतन अउ ओनकइ मेहररुअन ओकरे संग रहिन। 8पृथ्वी क सब सुध्द जनावरन अउ असुध्द जनावरन, पंछियन अउ भुइँया प रेंगइवाला सब जीउ। नूह क संग जहाजे मँ चढ़ेन। 9इ सबइ जनावरन क नर अउ मादा जोड़ा परमेस्सर क हुकुम स जहाजे मँ चढ़ेन। 10सात दिना पाछे बाढ़ सुरु भइ। धरती प बर्खा होइ लाग।

11-13दूसर महीना क सतरहें दिन, जब नूह छःसौ बरिस क रहा, धरती क नीचे क सब सोता फूट पड़ेन अउ धरती स पानी बहब सुरु होइ गवा। उहइ दिन धरती प भारी बर्खा होइ लाग। अइसा लाग माना कि अकासे क खिड़की खुल गइ होइ। चालीस दिन अउ चालीस रात तलक बर्खा धरती प होत रही।" ठीक उहइ दिन नूह, ओकर मेहरारु, ओकर पूत, सेम, हाम अउ येपेत अउर ओकर मेहररुअन जहाजे प चढ़ेन। 14उ पचे अउ धरती प हर किसिम किसिम क जनावर जहाजे मँ रहेन। हर तरह क गोरु, धरती प रेंगइवाले हर किसिम क जीउ अउ हर तरह क पंछी जहाजे मँ रहेन। 15इ सबइ जनावरन नूह क संग जहाजे मँ रहेन हर जाति क जिअत जनावरन क इ सबइ जोड़ा रहेन। 16परमेस्सर क हुकुम क मुताबिक सबहिं जनावरन जहाजे मँ चढ़ेन। ओकरे भीतर जाए क पाछे यहोवा दरवाजा बन्द कइ दिहस।

17चालीस दिना तलक भुइँया प पानी क प्रलय होत रहा। पानी बाढ़ब सुरु भवा अउ उ जहाजे क धरती स ऊपर उठाइ दिहस। 18पानी बाढ़त रहा अउ जहाज धरती स बहोतई ऊपर तैरत रहा। 19पानी ऍतना ऊँच उठा कि ऊँचा त ऊँचा पहाड़ भी पानी मँ बूड़ गएन। 20पानी पहाड़े क ऊपर बहत रहा। पानी सब स ऊँच पहाड़े स पन्द्रह हाथ ऊँच रहा।

21-22धरती क सब जीउ मारा गएन। हर एक मेहरारु अउर मनई मरि गएन। सबहिं पंछी अउ सबहिं तरह क जनावर मर गएन। सबहिं तरह क जनावरन अउर रेंगइवालन जनावरन मरि गएन। धरती क हर एक जीउ, सांस लेइवालन परानी मरि गएन। 23इ तरह परमेस्सर धरती क सब जिअत हर एक मनई, हर एक जनावर, हर एक रेगंइवाला जीउ अउ हर एक पंछी क नास कइ दिहस। इ सबइ धरती स खतम होइ गएन। सिरिफ नूह, ओकरे संग जहाजे मँ चढ़े मनइयन अउ जनावरन क जिन्नगी बची रही। 24अउर पानी एक सौ पचास दिना तलक भुइँया क बोरे रहा।

### पानी क प्रलय खतम होत ह

8 मुला परमेस्सर नूह क नाहीं बिसरा। परमेस्सर नूह अउ जहाजे मँ ओकरे संग रहइवालन सब पसुअन अउ जनावरन क सुमिरे रहा। परमेस्सर धरती प हावा चलाएस अउ सारा पानी घटइ होइ लाग। 2अकासे स बर्खा थमि गइ अउ धरती क नीचे स पानी बहब रुकि गवा। 3धरती क बोरइवाला पानी लगातार घटत चला गवा। एक सौ पचास दिन पाछे पानी ऍतना उतरि गवा कि जहाज फुनि स धरती प उतरा। 4जहाज अरारात क पहाड़न मँ स एक प आइके टिक गवा। इ सतएँ महीना क सत्रहवाँ दिन रहा। 5पानी उतरत गवा अउ दसवें महीना क पहिला दिन पहाड़न क चोटी पानी क ऊपर देखॉए देइ लाग।

6जहाजे मँ बनी खिड़की क नूह चालीस दिन पाछे खोलेस। 7नूह एक कौआ क बाहेर उड़ाएस। कौआ उड़िके तब तलक फिरतइ रहा जब तलक धरती पूरी तरह झुराइ न गइ। 8नूह एक ठु फ़ाक्ता भी बाहेर पठएस। उ इ जानइ चाहत रहा कि पानी धरती प घटि गवा या नाहीं।

9फ़ाक्ता क कहूँ बइठइ क ठउर नाहीं मिला काहेकि अबहुँ तलक पानी धरती प फइला रहा। ऍह बरे उ नूह क निअरे जहाजे प पुनि लौटि आवा। नूह आपन हाथ फइलाइके फ़ाक्ता क जहाजे प वापस भितरे लइ लिहेस।

10सात दिन पाछे नूह फुनि फ़ाक्ता क पठएस। 11उ दिन दुपहर क पाछे फ़ाक्ता नूह क लगे आवा। फ़ाक्ता क मुँह मँ एक ठु ताजी जइतून क पाती रही। इ चीन्हा नूह क इ बतावइ बरे रहा कि अब धरती प झुरान भुइँया अहइ। 12नूह सात दिन पाछे फुन फ़ाक्ता क पठएस। मुला इ टेम फ़ाक्ता लौटा ही नाहीं।

13ओकरे पाछे नूह जहाजे क दरवाजा खोलेस। नूह लखेस अउ पाएस कि भुइँया झुरान बा। इ नूह क छः सौ एक बरिस क पहिले महीना क पहिला दिन रहा। 14दूसर महीना क सत्ताइसवाँ दिन तलक भुइँया पूरी तरह झुराइ गइ।

15तब परमेस्सर नूह स कहेस, 16"जहाज क तजा। तू, तोहार पत्नी तोहार पूत लोग अउ ओनकइ मेहररुअन सब अब बाहेर आवा। 17हर एक जिअत प्राणी, सब पंछी, जनावरन अउ भुइँया प रेगंवालन सबहिं क जहाज स बाहेर लिआवा। इ सबइ जनावरन बहोत स जनावरन पइदा करिहीं अउ भुइँया क भरि देइहीं।"

18ऍह बरे नूह आपन पूतन, आपन मेहरारु, आपन पूतन क मेहरारुअन क संग जहाज स बाहेर आवा। 19सबहिं जनावरन, सब रेगंइवाला जीउ अउ सब पंछी जहाज क तजि दिहेन। सब जनावर जहाज स नर अउ मादा क जोड़ा क संग बाहेर आएन।

20तब नूह यहोवा बरे एक वेदी बनाएस। उ कछू सुध्द पंछियन अउ कछू सुध्द जनावरन क लिहेस अउ ओनका वेदी प परमेस्सर क भेंट क रुप मँ बारेस।

21यहोवा इ सब बलिदानन क सुगन्धि पाइके खुस भवा। यहोवा मन-ही-मन कहेस, "मइँ फिन कबहुँ मनई क कारण भुइँया क न सरापब। मनई छोटी उम्र स ही बुरी बात सोचइ लागत ह। ऍह बरे जइसा मइँ अबहिं किहेउँ ह। इ तरह अब मइँ कबहुँ सब प्राणियन क सजा न देब। 22जब तलक इ भुइँया रही तब तलक यह पइ फसल पइदा करइ अउ फसल काटइ क समइ हमेसा रही। भुइँया प गरमी अउ जाड़ा अउ दिन अउ रात हमेसा होत रइहीं।"

## नई सुरुआत

9 परमेस्सर नूह अउ ओकर पूतन क असीसेस अउ ओनसे कहेस, "बहोत स बच्चा पइदा करा अउ आपन लोगन स भुइँया भरि द्या। 2भुइँया क सब जनावरन तोहरे डरे स थरथरइहीं अउ अकासे क हर एक पंछी तोहसे डरिहीं। भुइँया प रेंगइवाला हर एक जीउ अउ समुद्दर क हर एक मछरी तू मनइयन क अदब करी अउ तू पचन स डेराइ। तू इ सबहिं क ऊपर हुकुम चलउब्या। 3बीते भए समइ मँ तू पचन क मइँ हर एक ठु पेड़-पौधा खाइ बरे दिहेउँ रहेउँ। अब हर एक जनावर भी तोहार भोजन होइ। मइँ भुइँया क हर चीज तू पचन क देत हउँ-अब इ सबइ तोहार अहइँ। 4किन्तु मइँ तू पचन क एक हुकुम देत अहउँ कि तू कउनो जनावरन क तब तलक न खाया जब तलक ओहमा ओनका रकत बाटइ। 5मइँ तोहरी जिन्नगी क बदले तोहार रकत माँगब कहइ क अरथ अहइ मँइ उ जानवरे क जिन्नगी माँगब जउन कउनो मनई क मारी। अउर मँइ उ मनई क जिन्नी माँगब जउन दूसरे मनई क मारी।

6"परमेस्सर मनई क आपन सरुप मँ बनाएस ह। ऍह बरे जउन कउनो मनई क खून बहाइ, ओकर खून मनई क जरिये बहावा जाइ।

7"नूह तोहका अउ तोहरे पूतन क ढेर लरिका होइँ अउ धरती क मनइयन स भाँठि द्या।"

8तब परमेस्सर नूह अउ ओकरे पूतन स कहेस, 9"अब मइँ तोहका अउ तोहरे सन्ताने क बचन देत हउँ। 10मइँ इ बचन तोहरे संग जहाजे स बाहेर आवइवालन सबहिं पंछिन, सब गोरुअन अउ सब जनावरन क देत हउँ। मइँ धरती पइ रहइवालन सबहिं वस्तुअन क बचन देत हउँ। 11मइँ तोहका बचन देत हउँ, "पानी क बाढ़ स धरती क सब जिन्नगी बर्बाद होइ गइ मुला अब इ कबहुँ न होइ। अब बाढ़ फिन कबहुँ धरती क जिन्नगी क बर्बाद न करी।"

12अउर परमेस्सर कहेस, "इ सिद्ध करइ बरे मइँ तोहका इ बचन दिहेउँ ह कि मइँ तोहका कछू देब। इ सबूत बताइ कि मइँ तोहसे अउ भुइँया क सबहिं जिअत प्राणियन स एक ठु करार किहेउँ ह। इ करार भविस्स मँ सदा बनी रही जेकर सबूत इ अहइ। 13कि मइँ बदरन मँ इन्द्र धनुख बनाएउँ ह। इन्द्र धनुख मोरे अउ भुइँया क बीच करार क सबूत अहइ। 14जब मइँ भुइँया क ऊपर बदरे क लिआउब तउ तू बादरन मँ इन्द्र धनुख देखब्या। 15जब मइँ इ इन्द्र धनुख क निहारब तबहि मइँ तोहरे, भुइँया क सबहिं जिअत प्राणियन अउ आपन बीच भई करार क सुमिरब। इ करार इ बात क बाटइ कि बाढ़ फुन कबहुँ भुइँया क प्राणियन क नास न करी। 16जब मइँ धियान स बादरन मँ इन्द्र धनुख क निहारब तब मइँ सदा बनी रहइवाली करार क सुमिरब। मइँ आपन अउ भुइँया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क सुमिरब।"

17इ तरह यहोवा नूह स कहेस, "उ इन्द्र धनुख मोरे अउ भुइँया क सब जिअत प्राणियन क बीच भइ करार क सबूत बाटइ।"

## समस्या फुन सुरु होत हीं

18नूह क पूत लोग ओकरे संग जहाज स बाहेर आएन। ओनकइ नाउं सेम, हाम अउ येपेत रहेन। (हाम तउ कनान क बाप रहा।) 19इ तीनउ नूह क पूतन रहेन अउ संसारे क सबहि मनई इ तीनउ स पइदा रहेन।

20नूह किसान बना। अंगूर क बगिया लगाएस। 21नूह अंगूर क दाखरस बनाएस अउ पिएस। उ दाखरस पीके मस्त होइ गवा अउ तम्बू मँ लोटि गवा। उ कउनो ओढ़ना नाहीं पहिरे रहा। 22कनान क बाप हाम अपने बाप क नंगा देखेस। उ तम्बू स बाहेर आपन भइयन क बताएस। 23तबहिं सेम अउ येपेत एक ठु ओढ़ना लिहस। उ दुइनउँ ओढ़ना क पीठ प डाइके उलटे मुहँ तम्बू मँ गएन। उ पचे आपना बाप उ नंगापन क ढाँक दिहस जबकि उ समइ ओकर मुहँ क रुख तम्बू क समन्वा रहा। इ तरह उ पचे आपन बाप क नंगापन नाहीं लखेन।

24पाछे नूह सोइके उठा। (उ दाखरस क नसा क कारण सोअत रहा।) तब ओका पता लाग कि ओकर सब त नान्ह पूत हाम ओकरे संग का किहे रहा।

25ऍह बरे नूह सराप दिहेस,

"इ सराप कनान बरे होइ कि उ आपन भइयन क दास होइ।"

26नूह इ भी कहेस,

"सेम क परमेस्सर यहोवा धन्न होइ! कनान सेम क दास होइ।

27परमेस्सर येपेत क जिआदा भुइँया देइ। परमेस्सर सेम क तम्बू मँ रहइ अउर कनान ओकर दास बनइ।"

28बाढ़ क पाछे नूह साढ़े तीन सौ बरिस जिअत रहा। 29नूह पूरा साढ़े नौ सौ बरिस जिअत रहा, तब उ मरा।

### रास्ट्र बाढ़इ अउ फइल जाइ

10 नूह क पूत सेम। हाम अउ येपेत रहेन। बाढ़ क
पाछे इ तीनउँ बहोत स पूतन क बाप भएन। हिआँ
सेम, हाम अउ येपेत स पइदा होइवालन पूतन क सूची दीन्ह
जात अहइः

### येपेत क संतानन

2येपेत क पूत रहेनः गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल,
मेसेक अउ तीरास।

3गोमेर क पूत रहेनः असकनज, रीपत अउ तोगर्मा

4यावान क पूत रहेनः एलीसा, तर्सीस, कित्ती अउ दोदानी।

5भूमध्य सागर क चारिहुँ कइँती तटे प जउन मनई रहइ
लागेन उ पचे येपेत क संतान ही रहेन। हर एक पूत क
आपन अलग प्रदेस रहा। सब परिवार बाढ़ेन अउ अलग
अलग रास्ट्र बन गएन। हर एक रास्ट्र क आपन आपन
भाखा रही।

### हाम क संतानन

6हाम क पूत रहेनः कूस, मिस्र, फूत अउ कनान। 7कूस
क पूत रहेनः सबा, हवीला, सबता, रामा, सबूतका। रामा क
पूत रहेनः सबा अउ ददान। 8कूस क एक पूत निम्रोद नाउं
क भी रहा। निम्रोद भुइँया प बहोत बरिआर मनई भवा रहा।
9यहोवा क समन्वा निम्रोद, एक बड़का सिकरी रहा। ऍह बरे
लोग दूसर मनइयन क बराबरी निम्रोद स करत हीं अउर
कहत हीं, "इ मनई, यहोवा क समन्वा बड़का सिकारी निम्रोद
क तरह अहइ।"

10निम्रोद क राज्ज सिनार देस मँ बाबुल, एरेख, कलना
अउ अक्कद प्रदेस स सुरु भवा। 11निम्रोद अस्सूर मँ भी
गवा। हुवाँ उ नीनवे, रहोबोतीर, कालह अउ 12रेसेन नाउँ क
नगरन क बसाएस। (रेसेन, नीनवे अउ बड़का सहर कालह,
क बीच क सहर बाटइ।)

13मिस्रप (मिस्र) - लूद, अनाम, लहाब, नप्तूह, 14पत्रूस,
कसलूह अउ कप्तोर देसन क लोगन क बाप रहा।
(पलिस्ती लोग कसलूह लोगन स आए रहेन।) 15कनान
सीदोन क बाप रहा। सिदोन कनान क पहिला पूत रहा।
कनान, हित क भी बाप रहा। हित, हित्ती लोगन क बाप
रहा। 16अउर कनान, यबूसी, एमोरी, गिर्गासी, 17हिव्वी,
अर्की, सीनी, 18अर्वदी, समारी, हमाती लोगन क भी बाप
रहा। कनान क परिवार संसार क अलग अलग हींसा मँ
फइला रहेन,

19कनान लोगन क भुइँया उत्तर मँ सीदोन स दक्खिन मँ
गरार तलक, पच्छिम मँ अज्जा स पूरब मँ सदोम अउ
अमोरा तलक, अदमा अउ सबोयीम स लासा तलक रहा।

20इ सबइ लोग हाम क संतानन रहेन। उ पचे
परिवारन, भाखान, देसन अउर रास्ट्रन क अनुसार व्यवस्थित
रहेन।

### सेम क संतानन

21सेम येपेत क बड़का भाई रहा। सेम क एक संतानन
एबेर हिब्रू लोगन क बाप रहा।

22सेम क पूत एलाम, अस्सूर, अर्पखद, लूद अउ अराम
रहेन।

23अराम क पूत ऊस, हूल, गेतेर अउ मस रहेन।

24अर्पखद सेलह क बाप रहा। सेलह एबेर क बाप रहा।
25एबेर क दुइ पूत रहेन। एक पूत क नाउँ पेलेग रहा।
ओका इ नाउँ ऍह बरे दीन्ह गवा काहेकि जिन्नगी क टेम मँ
धरती क बटवारा भवा। दूसर भाई क नाउँ योक्तान रहा।

26योक्तान अल्मोदाद, सेलेप, हसर्मावेत, येरह, 27यदोरवाम,
ऊजाल, दिक्ला, 28ओबाल, अबीमाएल, सबा, 29ओपीर
हवीला अउ योबाब क बाप रहा। इ सबहिं लोग योक्तान क
संतान भएन। 30इ सबइ लोग मेसा अउ पुर्बिहा पहाड़ी प्रदेस
क बीच क भुइँया मँ रहत रहेन। मेसा सपारा प्रदेस कइँती
रहा।

31उ लोग सेम क परिवारे स रहेन। उ सबइ परिवार,
परिवार क आधार पइ, भाखा क आधार पइ, देस क
आधार पइ अउर रास्ट्र क आधार पइ बँटा भवा रहा।

32नूह क पूतन स चलइ वाला परिवारन क इ सूची
अहइ। उ पचे आपन आपन रास्ट्र मँ बँटा भवा रहत रहेन।
बाढ़ क पाछे सारी भुइँया प फइलइवाला लोग भी एनही
परिवारे स निकरि आएन।

### संसार बाँटि गवा

11 बाढ़ क पाछे संसार एक ही भाखा बोलत रहा। सब
लोग एक ही सब्द-भण्डार बइपरत रहेन। 2लोग
पूरब कइँती स बढ़ेन। ओनका सिनार देस मँ एक मइदान
मिला। लोग हुवाँ बसइ गएन। 3लोग कहेन, "हम पचन क
ईंटा बनउब अउ ओका पजावा मँ तपावइ चाही, ताकि उ
सबइ पक्की होइ जाईं।" ऍह बरे मनइयन आपन घर बनावइ
बरे पाथरन क जगह ईंटा क बइपरेन। अउ मनइयन चूना क
गारा क जगह राल क प्रयोग किहेन।

4लोग कहेन, "हम पचे आपन खातिर एक ठु सहर बनाई
अउ हम सबइ एक बहोत ऊँच इमारत बनाउब जउन अकासे
क छुइ। हम पचे नामी होइ जाब। अगर हम पचे अइसा
करब तउ पूरी धरती प बिखरेब नाहीं। हम पचे एक ही
ठउर प एक संग रहब।"

5यहोवा सहर अउ बहोत ऊँच इमारत क लखइ बरे
तरखाले आवा। यहोवा मनइयन क इ सब बनावत लखेस।
6यहोवा कहेस, "इ सबइ लोग एक भाखा बोलत हीं अउर
मइँ निहारत हउँ कि उ पचे इ काम खतम करइ बरे एकउटा
अहइँ। इ तउ, इ सबइ जउन कछू कइ सकत हीं ओकर,
सिरिफ सुरुआत अंहइ। हाली ही उ पचे सब कछू करइ
जोग्ग होइ जइहीं जउन इ पचे करइ चइहीं। 7ऍह बरे आवा
हम तरखाले चली अउ एनकइ भाखा क गड्डमड्ड कइ
देइ। तब उ पचे एक दूसर क बात न बूझि पइहीं।"

8यहोवा मनइयन क समूचइ धरती प फइलाइ दिहस।
ऍहसे मनइयन सहर क बनाउब पूरा नाहीं किहन। 9इहइ उ
ठउर रहा जहाँ यहोवा समूचइ संसार क भाखा क गड्डमड्ड
कइ दिहस। ऍह बरे इ ठउर क नाउँ बाबुल धरा गवा। इ
तरह यहोवा उ जगहिया स मनइयन क पृथ्वी क सब देसन
मँ फइलाएस।

### सेम क परिवार क कहानी

10इ सेम क परिवारे क कहानी बाटइ। बाढ़ क दुइ बरिस
पाछे जब सेम सौ बरिस क रहा ओकर पूत अर्पखद क
जनम भवा। 11ओकरे पाछे सेम पाँच सौ बरिस जिअत रहा।
ओकरे दूसर पूत अउ बिटियन रहीं।
12जब अर्पखद पैंतीस बरिस क रहा ओकर पूत सेलह क
जनम भवा। 13सेलह क पइदा होइ क पाछे अर्पखद चार सौ
तीन बरिस जिअत रहा। इ दिन ओकर दूसर पूतन अउ
बिटियन पइदा भइन।
14सेलह क तीस बरिस होइ क पाछे ओकर पूत एबेर क
जन्म भवा। 15एबेर क जन्म क पाछे सेलह चार सौ तीन
बरिस जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे पूतन अउ बिटियन
पइदा भएन।
16एबेर क चौंतीस बरिस क होइ क पाछे ओकरे पूत
पेलेग क जन्म भवा। 17पेलेग क जन्मे क पाछे एबेर चार
सौ तीस बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर
पूतन अउ बिटियन पइदा भइन।
18जब पेलेग तीस बरिस क भवा, ओकर पूत 'रु' क
जन्म भवा। 19'रु' क जन्म क पाछे पेलेग दुइ सौ नौ बरिस
अउर जिअत रहा। उ दिनन मँ ओकरे दूसर बिटियन अउ
बेटवन क जन्म भवा।
20जब रु बत्तीस बरिस क भवा, ओकरे पूत सरुग क
जन्म भवा। 21सरुग क जन्मे क पाछे रु दुइ सौ सात बरिस
अउर जिअत रहा। इ दिनन ओकरे दूसर बेटवन अउ बिटियन
पइदा भएन।
22जब सरुग तीस बरिस क भवा, ओकरे पूत नाहोर क
जन्म भवा। 23नाहोर क जन्म क पाछे सरुग दुइ सौ बरिस
अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर पूतन अउ
बिटियन क जन्म भवा।
24जब नाहोर उनतीस बरिस क भवा, ओकर पूत तेरह क
जन्म भवा। 25तेरह क जन्म क पाछे नाहोर एक सौ उन्नीस
बरिस अउर जिअत रहा। इ दिनन मँ ओकरे दूसर बिटियन
अउ बेटवन क जन्म भवा।
26तेरह जब सत्तर बरिस क भवा, ओकरे पूत अब्राम,
नाहोर अउ हारान क जन्म भवा।

### तेरह क परिवार क कहानी

27इ तेरह क परिवार क कहानी अहइ। तेरह अब्राम,
नाहोर अउ हारान क बाप रहा। हारान लूत क बाप रहा।
28हारान आपन जन्मभूमि कसदियन क उर सहर मँ मरा। जब
हारान मरा तब ओकर पिता तेरह जिअत रहा। 29अब्राम अउ
नाहोर दुइनउँ आपन आपन बियाह किहन। अब्राम क मेहरारु
सारै रही। नाहोर क मेहरारु मिल्का रही। मिल्का हारान क
बिटिया रही। हारान मिल्का अउ यिस्का क बाप रहा। 30सारै
क कउनो बच्चा नाहीं रहा काहेकि उ कउनो बच्चा क जन्म
देइ जोग्ग नाहीं रही। 31तेरह आपन परिवार क संग लिहेस
अउ कसदियन क उर सहर क तजि दिहस। उ पचे कनान
क जात्रा करइ क मन मँ ठान लिहन। तेरह आपन पूत
अब्राम, आपन पोता लूत (हारान क पूत), आपन पतोहू
(अब्राम क मेहरारु) सारै क संग लिहस। उ पचे हारान
तलक जात्रा किहन अउ हुआँ ठहराउब तय किहन। 32तेरह
दुइ सौ पाँच बरिस जिअत रहा। तब उ हारान मँ मरि गवा।

### परमेस्सर अब्राम क बोलावत ह

12 यहोवा अब्राम स कहेस, "आपन देस अउ आपन
लोग्न क तजि द्या। आपन बाप क परिवारे क
तजि द्या अउर उस देस जा जेका मइँ तोहका देखाउब।
2मइँ तोहका आसीर्बाद देब। मइँ तू पचन स एक महान
रास्ट्र बनाउब। मइँ तू सबन क नाउँ मसहूर करब। लोग
तोहरे नाउँ क प्रयोग दूसर लोग्न क आसीर्बाद देइ बरे
करइहीं।
3मइँ उ पचन क असीसब, जउन तोहका असीसिहीं। मुला
मइँ ओनका सराप देब जउन तोहका सराप दिहेस। मइँ धरती
प सब मनइयन क असीसइ बरे तोहका बइपरब।"

### अब्राम कनान जात ह

4तउ अब्राम यहोवा क हुकुम मानेस। उ हारान क तजि
दिहस अउ लूत ओकरे संग गवा। इ समइ अब्राम पचहत्तर
बरिस क रहा। 5अब्राम जब हारान तजेस तउ उ अकेल्ला
नाहीं रहा। अब्राम आपन मेहरारु सारै, भतीजा लूत अउ हारान
मँ ओनकइ संग जउन कछू रहा, सबक संग लइ आवा।
अब्राम क जउन सब दास लोग मिला रहेन, उ सबइ भी
ओकरे संग गएन। अब्राम अउ ओकर दल छारान क तजि
दिहेस अउ कनान देस तलक जात्रा किहेस। 6अब्राम कनान
देस मँ सकेम क सहर अउ मोरे क बड़का बृच्छ तलक
जात्रा किहस। उ समइ कनानी लोग हुआँ रहत रहेन।
7यहोवा अब्राम क समन्वा परग्ट भवा। यहोवा कहेस,
"मइँ इ देस तोहरे संतानन क देब।"
यहोवा अब्राम क समन्वा जउने जग्ह प परग्ट भवा उ
जग्ह प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस।
8तब अब्राम उ जग्ह क तजि दिहेस अउ बेतेल क पूरब
पहाड़े प जात्रा किहस। अब्राम हुवाँ आपन तम्बू गाड़ेस। बेतेल
सहर पच्छिम मँ रहा। आइ सहर पूरब मँ रहा। उ जग्ह
अब्राम यहोवा बरे दूसर वेदी बनाएस अउ अब्राम हुवाँ यहोवा
क उपासना किहेस। 9एकरे पाछे अब्राम फुन जात्रा किहस।
उ नेग्व कइँती जात्रा किहस।

### मिस्र मँ अब्राम

10इ दिनन भुइँया बहोतइ झुरान रही अउ कउनो खाइ क
चीज नाहीं जमत रही। ऍह बरे अब्राम जिअत रहइ बरे मिस्र
चला गवा। 11अब्राम लखेस कि ओकर मेहरारु सारै बहोत
सुन्नर रही। ऍह बरे मिस्र मँ आवइ क पहिले अब्राम सारै स
कहेस, "मइँ जानत हउँ कि तू बहोतइ सुन्नर अहा। 12जब
मिस्र क लोग तोहका निहरिहीं तउ उ पचे कहिहीं, 'इ
मेहरारु एकर पत्नी अहइ।' तब उ सबइ मोका मारि डइहीं
काहेकि तोहका बइठाइ लेइहीं। 13इ खातिर तू मनइयन स
कह्या कि तू मोर बहिन अहा। तब उ पचे मोका नाहीं
मरिहीं। उ पचे मोहे प दया करिहीं काहेकि उ पचे बूझि
लेइहीं कि मइँ तोहार भाई अहउँ। इ तरह तू मोर जिन्नगी
बचउबिउ।"

14इ तरह अब्राम मिस्र मँ पहोंचा। मिस्र क लोग लखेन, सारै बहोत सुन्नर मेहरारु अहइ। 15कछू मिस्र क अफसर लोग ओका लखेन। उ पचे फिरौन स कहेन कि उ बहोतइ सुन्नर मेहरारु अहइ। उ सबइ अफसरन सारै क फिरौन क घर लइ गएन। 16फिरौन अब्राम क ऊपर दया किहेस काहेकि उ पचे बूझ गएन कि उ सारै क भइया बाटइ। फ़िरौन अब्राम क भेड़ी, गोरु अउ गदहन क दिहस। अब्राम ऊँटन क संग मनसेधु अउ मेहरारु नउकरन पाएस।

17फिरौन अब्राम क मेहरारु क रखि लिहस। एहसे यहोवा फिरौन अउ ओकरे घरे क मनइयन मँ खराब बेरामी सँचराइ दिहस। 18तउ फिरौन अब्राम क बोलाएस। फिरौन कहेस, "तू मोरे संग बड़ा खोट किहा ह। तू इ नाहीं बताया कि सारै तोहार पत्नी अहइ। काहे? 19तू कह्या, 'इ मोर बहिन अहइ।' तू अइसा काहे कह्या? मइँ ऍका ऍह बरे राखा कि इ मोर मेहरारु होइ। मुला अब मइँ तोहार मेहरारु क तोहका लउटावत अहउँ। ऍका ल्या अउ जा।"

20तब फिरौन आपन मनइयन क हुकुम दिहस कि उ पचे अब्राम क मिस्र क बाहेर पहोंचाइ देंइ। इ तरह अब्राम अउ ओकर मेहरारु उ जगह तजेन अउर उ पचे सब चिजियन क संग लइ गएन जउन ओनकइ रही।

### अब्राम कनान लउटा

13 अब्राम मिस्र तजि दिहस। अब्राम आपन मेहरारु अउ आपन सबहिं सामान क संग नेगव स होइ के जात्रा किहस। लूत भी ओकरे संग रहा। 2इ टेम अब्राम बहोतइ धनी रहा। ओकरे संग ढेरिके जनावर, बहोत सी चाँदी अउ ढेर क सोना रहा।

3अब्राम चारिहुँ कइँती जात्रा करत रहा। उ नेगेव क तजेस अउ बेतेल वापस गवा। उ बेतेल अउर आइ क बीच क जगह मँ पहोंचेस। इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम अउ ओकर परिवार पहिले तम्बू लगाइके ठहरा रहा। 4इ उहइ ठउर रहा जहाँ अब्राम एक वेदी बनाए रहा। ऍह बरे अब्राम इहाँ यहोवा क आराधना किहस।

### अब्राम अउ लूत अलग भएन

5इ टेम लूत भी अब्राम क संग जात्रा करत रहा। लूत क लगे ढेरिके जनावर अउ तम्बू रहेन। 6अब्राम अउ लूत क लगे ऍतना जिआदा जनावर रहेन कि भुइँया एक लागे ओनका चारा नाहीं दइ सकत रही। 7अब्राम अउ लूत क गड़ेरिया या आपुस मँ तखड़ावइ-बखड़ावइ लागेन। (उ दिनन मँ कनानी लोग अउ परिज्जी लोग भी इहइ पहँटा मँ रहत रहेन।)

8अब्राम लूत स कहेस, "हमरे अउ तोहरे बीच कउनो तखड़ा बखड़ा न होइ चाही। हमार अउर तोहार गड़ेरियन क बीच मँ झगड़ा नहीं होइ चाही। हम पचे सबहिं भाई अही। 9हम पचन क अलग होइ जाइ चाही। तू जउन चाहा ठउर चुन ल्या। अगर तू बाईं कइँती जाब्या तउ मइँ दाहिन कइँती जाब। अगर तू दाहिन कइँती जाब्या तउ मइँ बाईं कइँती जाब।"

10लूत द्रिस्टी दउड़ाएस अउ यरदन क घाटी क निहारेस। लूत निहारेस कि हुवाँ बहोत पानी अहइ। (इ बात उ टेम क बाटइ जब यहोवा सदोम अउ अमोरा क नास नाहीं किहे रहा। उ टेम यरदन क घाटी सोअर तलक यहोवा क बगिया क नाईं पूरे राह क संग संग फइली रही। इ भुइँया मिस्र देस क भुइँया क नाईं नीक रही।) 11ऍह बरे लूत यरदन क घाटी मँ रहब अंगीकार किहस। इ तरह दुइनउँ मनई अलग अलग होइ गएन अउ लूत पूरब कइँती जात्रा सुरु किहेस।

12अब्राम कनान प्रदेस मँ रहा अउ लूत घाटी क सहरन मँ रहा। लूत सदोम क दक्खिन मँ बढ़ा अउ रुकि गवा। 13सदोम क मनई बहोत पापी रहेन। उ पचे सदा यहोवा बरे खिलाफ पाप करत रहेन।

14जब लूत चला गवा तब यहोवा अब्राम स कहेस, "आपन चारिहुँ कइँती निहारा, उत्तर, दक्खिन, पूरब अउ पच्छिम कइँती लखा। 15इ सारी भुइँया, जेका तू लखत अहा, मइँ तोहका अउ तोहरे पाछे जउन तोहार लोग रइहीं ओनका देत अहउँ। इ प्रदेस सदा तोहार अहइ। 16मइँ तोहरे लोगन क धरती क धूल क कण क नाईं अनगिनत बनउब। अगर कउनो धरती क कण क गन सकइ तउ उ तोहरे मनइयन क भी गन सकी। 17ऍह बरे आवा। आपन धरती प चला। मइँ एका अब तोहका देत अहउँ।"

18इ तरह अब्राम आपन तम्बू हटाएस। उ मम्रे क बड़का बृच्छ क लगे रहइ लाग। इ हेब्रोन सहर क निचके रहा। उ ठउरे प अब्राम एक वेदी यहोवा क आराधना बरे बनाएस।

### लूत धरा गवा

14 अम्रापेल सिनार क राजा रहा। अर्योक एल्लासार क राजा रहा। कदोर्लाओमेर एलाम क राजा रहा। तिदाल गोयीम क राजा रहा। 2इ सबहिं राजा लोगन मँ सदोम क राजा बेरा, अमोरा क राजा बिर्सा, अद्मा क राजा सिनाब, सबोयीम क राजा सेमेबेर अउ बेला। (बेला सोअर भी कहा जात रहा।) क राजा क संग एक जुद्ध भवा।

3सिद्दीम क घाटी मँ इ सबहिं राजा आपन आपन फउज स मिलेन। (सिद्दीम क घाटी आजुकल नून क समुद्दर अहइ।) 4इ सबइ राजा लोग कदोर्लाओमेर क सेवा बारह बरिस तलक किहन। मुला तेरहवाँ बरिस उ सबइ ओकरे खिलाफ होइ गएन। 5ऍह बरे चौदहवें बरिस मँ राजा कदोर्लाओमेर दूसर राजा लोगन क संग ओनसे लड़इ आवा। कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क राजा लोग रपाई लोगन क असतरोत्कनम मँ हराएन। उ पचे हाम मँ जूजि लोगन क भी हराएन। उ पचे एमि लोगन क। उ सबइ एमि लोगन क साबेकिर्यातैम मँ हराएन। 6अउर उ पचे होरीत लोगन क सेईर क पहाड़ी पहँटा स हराइके एल्पारान कइँती खदेरेन। (एल्पारान मरुभूमि क निचके बाटइ।) 7तब राजा कदोर्लाओमेर पाछे कइँती घूमा अउ एन्मिसपात क गवा। इ कादेस कहा जात ह। अउर सबहिं अमालेकी लोगन क हराएस। उ एमोरी लोगन क भी हराएस। इ पचे हससोन्तामार मँ रहत हीं।

8उ समइ सदोम क राजा, अमोरा क राजा, अदमा क राजा, सबोयीम क राजा, अउ बेला क राजा, (बेला सोअर ही अहइ।) सबहिं एक संग मिलिके आपन दुस्मनन स लड़इ

बरे गएन। 9उ पचे एलाम क राजा कदोर्लाओमेर, गोयीम क राजा तिदाल, सिनार क राजा अम्रापेल, अउर एल्लासार क राजा अर्योक स लड़ेन। इ तरह चार राजा पाँच राजा लोगन स लड़त रहेन।

10सिद्दीम क घाटी मँ राल स भरा भवा ढेरिके गड्ढा रहेन। सदोम अउ अमोरा क राजा अउ ओकर फउजियन पराइ गएन। ओकरे बहुत सारे फउजियन ओन गड्ढन मँ गिर गएन। मुला दूसर लोग पहाड़ी मँ पराइ गएन।

11सदोम अउ अमोरा क लगे जउन कछू रहा ओका ओनकइ दुस्मनन लइ लिहन। उ पचे ओनकइ सब भोजन-ओढ़ना क लइ लिहन अउ उ पचे चला गएन। 12अब्राम क भाई क पूत लूत सदोम मँ रहत रहा, ओका दुस्मन कैद कइ लिहन। उ पचे ओका अउर ओकरे लगे जउन कछू भी रहा लइ लिहेन। 13एक ठु मनई जउन धरा नाहीं जाइ सका उ हिब्रू मनई अब्राम क इ सबइ सारी बातन क बताएस। एमोरी मम्रे क बृच्छन क लगे अब्राम आपन डेरा डाएस। मम्रे एस्कोल अउ आनेर एक समझौता एक दूसरे क मदद करइ बरे किहे रहेन अउर उ पचे अब्राम क मदद खातिर एक समझौता किहे रहेन।

### अब्राम लूत क छोड़ावत ह

14तब अब्राम क पता लाग कि लूत धरा ग अहइ। तउ उ आपन पूरा परिवार क बटोरेस अउ ओनमाँ स तीन सौ अठारह प्रसिच्छित फउजियन क अब्राम दान नगर तलक दुस्मनन क पाछा किहस। 15उहइ रात उ अउर ओकर मनइयन ओनका खिलाफ धावा बोलि दिहन। उ पचे दुस्मनन क हराएन अउ दमिस्क क उत्तर मँ होवा तलक ओनकइ पाछा किहन। 16तब अब्राम दुस्मनन क जरिये चोरॉइ गइ सब चिजियन लइ आएन। अब्राम लूत, ओकर मेहरारुअन अउर ओकरे नउकरन अउर ओकरे सबहिं चिजियन क लइ आवा। 17कदोर्लाओमेर अउ ओकरे संग क सब राजा लोगन क हराए क पाछे अब्राम आपन घरे लौटि आवा। जब उ घर आवा तउ सदोम क राजा ओसे भेटंइ सावे क घाटी मँ पहोंचा। (ऍका अब राजा क घाटी कहत हीं।)

### मेल्कीसेदेक

18सालेम क राजा मेल्कीसेदेक भी अब्राम स भेटंइ गवा। मेल्कीसेदेक, सर्वोच्य परमेस्सर क याजक रहा। मेल्कीसेदेक रोटी अउ अंगूरे क दाखरस लइ आवा। 19मेल्कीसेदेक अब्राम क आसीर्बाद दिहस अउ कहेस:

"अब्राम, सर्वोच्य परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ। परमेस्सर भुइँया अउ अकास बनाएस।

20अउर हम सर्वोच्य परमेस्सर क उपासना करित ह। परमेस्सर दुस्मनन क हरावइ मँ तोहार मदद किहेस।"

तबहिं अब्राम लड़ाई मँ मिली हर चीज क दसवाँ हीसां मेल्कीसेदेक क दिहस। 21तब सदोम क राजा कहेस, "तू इ सब चीजन क अपने लगे रखि सकत ह, मोका सिरिफ ओन मनइयन क दइ द्या जेनका दुस्मन धइ ल गए रहेन।"

22मुला अब्राम सदोम क राजा स कहेस, "मइँ सर्वोच्य परमेस्सर यहोवा जउन भुइँया अउ आकास क बनएस ह: ओकरे समन्वा इ किरिया खावा ह 23कि जउन आप क चीज बाटइ ओहमाँ स कछू भी न लेब। हियाँ तलक कि एक ठु धागा व पनही क फीता भी न लेब। मइँ इ नाहीं चाहित कि आप कहइँ, 'मइँ अब्राम क धनी बनाएउँ।' 24मइँ सिरिफ उ भोजन क अपनाउब्या जेका हमार जवान लोग खाएस ह। मुला तू दूसर मनइयन क भी ओकर हींसा देइँ। हमरी लड़ाई मँ जीती भइ चीजन्क आप लइ लेइँ अउ एहमाँ स कछू आनेर, एस्कोल अउ मम्रे क दइ देइँ। इ मनइयन लड़ाई मँ हमार मदद किहेन रहेन।"

### अब्राम क संग परमेस्सर क करार

15 इ बातन क होइ जाए क पाछे यहोवा क हुकुम अब्राम क एक ठु दरसन मँ आवा। परमेस्सर कहेस, "अब्राम, डेराअ, नाहीं। मइँ तोहार रच्छा करब अउ मइँ तोहका बड़का पुरस्कार देब।"

2मुला अब्राम कहेस, "हे यहोवा अइसा कछू भी नाहीं अहइ जेका तू मोका देब्या अउर उ मोका खुस करी। काहेकि मोरे पूत नाहीं अहइँ।। ऍह बरे मोर दास दमिस्क क बसइया एलीएजेर मोरे मरइ क पाछे मोर सब कछू पाइ।"

3अब्राम कहेस, "तू ही लखा, तू मोका कउनो पूत नाहीं दिहा ह। ऍह बरे मोरे घरे मँ पइदा भवा एक ठु दास मोर सबहिं चिजियन क पाइ।"

4तब यहोवा अब्राम स बात किहस। परमेस्सर कहेस, "तोहरी चीजन क तोहार इ दास न पाइ। तोहरे एक ठु बेटवा होइ अउर तोहार पूत ही तोहार चिजियन क पाइ।"

5तब परमेस्सर अब्राम क बाहेर लइ गवा। परमेस्सर कहेस, "आकास क लखा। अनगिनत तारन क निहारा। इ सबइ ऍतना अहइँ कि तू गन नाहीं सक्त्या। भविस्स मँ तोहार परिवार अइसा ही होइ।"

6अब्राम यहोवा पइ बिस्सास किहेस अउर उ ओका नीक समझेस।

7परमेस्सर अब्राम स कहेस, "मइँ ही उ यहोवा अहउँ जउन तोहका कसदियन क ऊर स बाहेर लइ आएउँ। इ मइँ ऍह बरे किहउँ कि इ पहँटा मइँ तोहका दइ सकउँ, तू इ पहँटा क आपन कब्जा मँ कइ सका।"

8मुला अब्राम कहेस, "हे यहोवा, मोर सुआमी, मइँ कइसे पतियाउँ कि इ पहँटा मोका मिली?"

9परमेस्सर अब्राम स कहेस, "हम पचे एक करार करब। तू मोका तीन बरिस क एक ठु गइया, तीन बरिस क एक बोकरी, अउ तीन बरिस क एक भेड़ा लिआवा। एक ठु फ़ाक्ता अउ एक कबूतर क बच्चा भी लिआवा।"

10अब्राम इ सबहिं चिजियन क परमेस्सर क लगे लइ आवा। अब्राम इ जनावरन क मारि डाएस अउ हर एक क दुइ दुकड़ा कइ डाएस। अब्राम एक आधा टूक एक कइँती अउ दूसर आधा टूक दूसर कइँती ओकरे ठीक आमने-सामने धरेस। अब्राम पंछिन क दुइ टूका नाहीं किहेस। 11तनिक देर पाछे मांसाहारी पंछी मरे भए जनावरन क खाइ क बरे खाले आइ गएन मुला अब्राम ओनका खदेरेस।

12पाछे सूरज बूड़इ लाग। अब्राम क गहरी नींद आइ गइ। खौफनाक अँधियारा ओका चारिहुँ कइँती स घेरि

लिहस। 13तब यहोवा अब्राम स कहेस, "तोहका इ सबइ बातन क जानइ चाही। तोहार संतानन बिदेसी बनिहीं अउर उ पचे देस मँ जइहीं जउन ओनका न होइ। उ पचे हुअँ दास होइहीं। चार सौ बरिस तलक ओनके संग बुरा बिउहार होइ। 14मइँ उ रास्ट्र क निआव करब अउ ओका सजा देब जउन ओन लोगन क गुलाम बनाएस अउर जब तोहरे सन्तानन उ देसे क तजि देइहीं तउ आपन संग ढेर नीक चीज लइ जइहीं।

15"तू बहोत लम्बी उमर तलक जिअत रहब्या। तू सान्ति स मरब्या अउ तू आपन पुरखन क लगे दफनावा जाब्या। 16चार पीढ़ीयन क पाछे तोहार लोग इहइ पहँटा मँ फुन अइहीं। इ टेम तोहार लोग एमेरियो क हरइहीं। हिअँ क बसइयन एमोरियन क, सजा देइ बरे मइँ तोहरे लोगन क बइपरब। इ बात भविस्स मँ होइ काहेकि एमोरियन सजा पावइ लायक बुरा अबहिं नाहीं भवा अहइँ।"

17जब सूरज बूड़ि गवा, तउ बहोत अँधियारा छाइ गवा। मरा भवा जनावर अबहिं तलक जमीन प ओलरा भए रहेन। हर एक जनावर दुइ हींसा मँ कटा भवा बहावा रहेन। उहइ समइ धुअँ अउ आग्गी क एक खम्भा जनावरन क टूक क बीच स गवा।

18इहइ तरह उ दिन यहोवा अब्राम क बचन दिहस अउ ओनके संग करार किहस। यहोवा कहेस, "मइँ इ पहँटा तोहरे संतानन क देब। मइँ मिस्र क नदी अउ बड़की नदी परात क बीच क पहँटा ओनका देब। 19इ देस केनी, कनिज्जी, कदमोनी, 20हित्ती, परीज्जी, रपाई, 21एमोरी, कनानी, गिर्गासी अउ यबूसी लोगन क अहइ।"

### दासी हाजिरा

16 सारै अब्राम क मेहरारु रही। अब्राम अउ ओकरे कउनो लरिका नाहीं रहा। सारै क लगे एक ठु मिस्र क दासी रही। ओकर नाउँ हाजिरा रहा। 2सारै अब्राम स कहेस, "लखा, यहोवा मोका कउनो बच्चा नाहीं दिहे अहइ। ऍह बरे मोरी दासी क संग सारीरिक संबन्ध करा होइ सकत ह कि ओकर बच्चा मोर अपना बच्चा होइ जाब।"

अब्राम आपन मेहरारु क कहब मान लिहस। 3कनान मँ अब्राम क दस बरिस रहइ क पाछे इ बात भइ अउ सारै आपन भतार अब्राम बरे हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा मिस्र क दासी रही।

4हाजिरा, अब्राम स गाभिन भइ। जब हाजिरा इ देखेस तउ ओका बहोत गरब भवा अउ इ महसूस करइ लाग कि मइँ आपन मालकिन सारै स बढ़िया अहउँ।

5मुला सारै अब्राम स कहेस, "मोर दासी अब मोसे घिना करत ह अउ एकरे बर मइँ तोहका दोखी मानत हउँ। मइँ ओका तोहरे बरे दिहेउँ। उ गाभिन भइ अउर तब उ महसूस करइ लाग कि उ मोसे बढ़िया बा। मइँ चाहत हउँ कि यहोवा सही निआव करी।"

6मुला आब्राम सारै स कहेस, "तू हाजिरा क मालकिन अहा। तू ओकरे संग जउन चाहा कइ सकत ह।" ऍह बरे सारै आपन दासी पइ अत्याचार किहस अउर ओकर दासी पराइ गइन।

### हाजिरा क पूत इस्माएल

7यहोवा क सरगदूत रेगिस्तान मँ पानी क सोता क लगे हाजिरा क पाएस। इ सोता सूर जाइवाला राहे प रहा। 8सरगदूत कहेस, "हाजिरा, तू सारै क दासी अहा। तू हिअँ काहे अहा? तू कहाँ जात अहा?"

हाजिरा कहेस, "मइँ आपन मालकिन सारै क हिअँ स पराइ जात अहउँ।"

9यहोवा क सरगदूत ओसे कहेस, "तू आपन मालकिन क घर जा अउर ओका सोंप द्या।" 10यहोवा क सरगदूत ओसे फुन कहेस, "तोहसे बहोत स लोग पइदा होइहीं। इ सबइ लोग ऍतना होइ जइहीं कि गना नाहीं जाइ सकिहीं।"

11यहोवा क सरगदूत अउर भी कहेस,

"अबहिं तू गर्भ धरे अहा अउर तोहका एक पूत होइ। तू ओकर नाउँ इस्माएल राख्या। काहेकि यहोवा तोहका देइ भए कस्ट क सुनेस ह।

12इस्माएल एक ठु जंगली गदहा क तरह जंगली अउ अजाद होइ उ सब क खिलाफ होइ अउर सबहीं ओकर खिलाफ होइ जाइ। उ आपन भाइयन क लगे आपन डेरा डाइ मुला उ ओनके खिलाफ होइ।"

13तब हाजिरा परमेस्सर क जउन ओसे बात करत रहा, एक नवा नाउँ स यहोवा क पुकारेस। उ कहेस, "तू परमेस्सर ह जउन मोका लखत ह।" उ ओसे उ नाउँ ऍह बरे दिहस काहेकि उ आपन आप स कहेस, "मइँ महसूस करत हउँ कि उ मोरे ऊपर निगाह राखत ह।" 14ऍह बरे उ कुआँ क नाउँ लहैरोइ पड़ा। उ कुआँ कादेस अउ बेरेद क बीच मँ बाटइ।

15हाजिरा अब्राम क पूत क जन्म दिहस। अब्राम पूत क नाउँ इस्माएल धरेस। 16अब्राम उ टेम छियासी बरिस क रहा जब हाजिरा इस्माएल क जन्म दिहस।

### खतना करार क सबूत

17 जब अब्राम निन्यानबे बरिस क भवा, यहोवा ओह पइ परगट भवा। यहोवा कहेस, "मइँ सर्वोच्च परमेस्सर अहउँ। मोरे आगे चला अउर इमानदार रहा। 2जदि तू इ करा, तउ मइँ आपन अउ तोहरे बीच एक करार करब। मइँ तोहका बचन देत हउँ कि मइँ तोहका बहोत सारा संतान देबउ।"

3अब्राम परमेस्सर क समन्वा आपन मुँह जमीन कइँती निहुराएस। तब परमेस्सर ओहसे बात किहस अउ कहेस, 4"हमरे करार क इ हींसा मोर अहइ। मइँ तोहका कइउ रास्ट्र क बाप बनाउब। 5मइँ तोहरे नाउँ क बदल देब। तोहार नाउँ अब्राम नाहीं होइ। तोहार नाउँ इब्राहीम होइ। मइँ तोहका इ नाउँ ऍह बरे देत अहउँ कि तू बहोत स रास्ट्रन क बाप बनब्या। 6"मइँ तोहका बहोत संतानन देब। तोहसे नवा रास्ट्र अउर राजा लोग पइदा होइहीं। 7अउर मइँ आपन अउ तोहरे बीच एक करार करब। इ करार तोहरे सबहिं संतानन बरे होइ। मइँ तोहार अउ तोहरे सबहिं संतानन क परमेस्सर रहब। इ करार सदा बनी रही। 8अउर मइँ इ प्रदेस तोहका अउ तोहरे सबहिं संतानन क देब। मइँ उ प्रदेस तोहका देब जेहसे होइके तू जात्रा करत रहब्या। मइँ तोहका कनान प्रदेस देब।

मइँ तोहका इ प्रदेस सदा बरे देब अउर मइँ तोहार परमेस्सर रहब।"

9परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "अब करार क इ हींसा तोहार हींसा अहइ। मोर इ करार क मानब तू अउ तोहार संतानन करिहीं। 10इ उ करार अहइ कि जेका तू मनब्या। इ करार मोरे अउ तोहरे बीच अहइ। इ तोहरे सबहिं संतानन बरे अहइ। हर एक लरिका जउन पइदा होइ ओकर खतना जरूर होइ। 11तू बाहरी चाम क एक निसान बरे कटब्या कि तू आपन अउ मोरे बीच क करार क मानत रहब्या। 12जब लरिका आठ दिन क होइ जाइ तब तू ओकर खतना कर्‌या। हर एक लरिका जउन तोहरे मनइयन क बीच पइदा होइ या कउनो लरिका जउन विदेसी स खरीदइ भवा तोहार दास स पइदा होइ, ओकर खतना जरुर होइ। 13इ तरह तोहरे रास्ट्र क हर एक लरिका क खतना होइ। जउन लरिका तोहरे परिवारे मँ पइदा होइ या दास क रुप मँ बसेहा जाइ ओकर खतना होइ। 14इहइ मोर नेम अहइ अउर मोरे अउ तोहरे बीच करार अहइ। जउन कउनो मनई क खतना नाहीं होइ उ आपन मनइयन स अलगाइ दीन्ह जाइ। काहेकि उ मनई मोरे करार क तोड़ दिहस।"

### इसहाक प्रण क पूत

15परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "मइँ सारै क जउन तोहार मेहरारु अहइ, नवा नाम देब। ओकर नाउँ सारा होइ। 16मइँ ओका असीस देब। मइँ ओका पूत देब अउ तू बाप होइ। उ बहोत स नए रास्ट्रन क महतारी होब्या। ओहसे रास्ट्रन क राजा लोग पइदा होइहीं।"

17इब्राहीम आपन मूँड़ी परमेस्सर क भगति देखावइ बरे जमीन कइँती निहुराएस। मुला उ हँसा अउ आपन स बोला, "मइँ सौ बरिस क होइ ग अहउँ। मइँ पूत नाहीं पइदा कइ सकत हउँ अउ सारा नब्बे बरिस क बुढ़िया बाटइ। उ लरिकन क जन्म नाहीं दइ सकत।"

18तउ इब्राहीम परमेस्सर स कहेस, "मोका उमीद अहइ कि इस्माएल जिइहीं अउ तोहार सेवा करइहीं?"

19परमेस्सर कहेस, "नाहीं, मइँ कहेउँ कि तोहार मेहरारु सारा पूत क जन्म देइ। तू ओकर नाउँ इसहाक रखब्या। मइँ ओकरे संग करार करब। इ करार अइसा होइ जउन ओकरे सबहिं संतानन क संग सदा बनी रही।

20"तू इस्माएल क नाउँ लिहस अउर मइँ तोहार बात सुनेउँ। मइँ ओका असीसब। ओकरे बहोत स सन्तानन होइहीं। उ बारह बड़का राजा क बाप होइ। ओकर परिवार एक बहोत बड़ा रास्ट्र बनी। 21मुला मइँ आपन करार इसहाक क संग करब। इसहाक ही उ पूत होइ जेका सारा पइदा करी। इ पूत अगला बरिस मँ इहइ टेम मँ, पइदा होइ।"

22परमेस्सर जब इब्राहीम स बात करब बन्द किहस, इब्राहीम अकेल्ला रहि गवा। परमेस्सर इब्राहीम क लगे स आकास कइँती उठि गवा। 23परमेस्सर कहे रहा कि तू अपने परिवार क सबहिं लरिकन अउ मनइयन क खतना कराया। ऍह बरे इब्राहीम इस्माएल अउ आपन घरे मँ पइदा भए सबइ नउकर लोगन क एक संग बोलाएस। इब्राहीम ओन नउकर लोगन क एक संग बोलाएस जउन धने स बेसहा ग रहेन। इब्राहीम क घर क सबहिं मनसेधू अउ लरिकन बटुरेन अउ ओन सबहिं क खतना उहइ दिन ओनकइ बाहरी चाम काटिके कइ दीन्ह गवा। इब्राहीम ओन लोगन क खतना ठीक उहइ तरह स किहेस जे तरह परमेस्सर कहे रहेन। 24जब इब्राहीम क खतना भवा उ निन्यानबे बरिस क रहा। 25अउर ओकर पूत इस्माएल आपन खतना होइके टेम तेरह बरिस क रहा। 26इब्राहीम अउ ओकरे पूत क खतना उहइ दिन भवा। 27उहइ दिन इब्राहीम क सबहिं मनइयन क खतना भवा। इब्राहीम क घरे मँ पइदा भए सबहिं मनइयन क अउ बेसहा गए सबहिं दासन क खतना उहइ दिन भवा।

### तीन ठु मेहमान

18 पाछे यहोवा फुन इब्राहीम क समन्वा परगट भवा। इब्राहीम मम्रे क बलूत क बृच्छन क लगे रहत रहा। एक दिन, इब्राहीम दिन क सब स गर्म पहर मँ तम्बू क दुआरे बइठा रहा। 2इब्राहीम आँखि उठाइके लखेस अउ आपन समन्वा तीन मनइयन क खड़ा निहारेस। जबहिं इब्राहीम मनइयन क लखेस, उ ओनके लगे गवा अउ ओनका पैलगी किहेस। 3इब्राहीम कहेस, "साहेब लोगो! आप आपन इ सेवक क संग तनिक देर रुकि जाइँ। 4मइँ आप लोगन बरे गोड़वा पखारइ खातिर पानी लइ आवत अहउँ। आप बृच्छन क खाले सुहताइ लेइँ। 5मइँ आप पचन क कछू खइया के लिआवत अहउँ अउ आप लोग जेतना चाहइँ खाइ लेइँ। ऍकरे पाछे आप सबइ आपन जात्रा प जाब सुरु कइ सकत हीं।"

तीनउँ कहेन, "इ बहोतइ बढ़िया बा। तू जइसा कहत बाट्‌या, करा।"

6इब्राहीम हाली स तम्बू मँ घुसा। इब्राहीम सारा स कहेस, "हाली हाली तीन ठु रोटी बरे आटा साना"। 7तब इब्राहीम आपन गोरुअन कइँती भागा। इब्राहीम सबन त नीक एक ठु जवान बछवा लिहस। इब्राहीम बछवा नउकर क दिहस। इब्राहीम नउकर स कहेस कि तू हाली हाली करा, इ बछवा क मारा अउ खइया खातिर तइयार करा। 8इब्राहीम तीनहुँ क खाइ बरे गोस दिहस। उ दूध अउ माखन भी दिहस। जब तलक तीनहुँ मनई खात रहेन तब तलक इब्राहीम बृच्छ क खाले ठाड़ रहा।

9उ मनइयन इब्राहीम स कहेस, "तोहार मेहरारु सारा कहाँ बा?"

इब्राहीम कहेस, "उ तम्बू मँ बा।"

10तब यहोवा कहेस, "मइँ बसन्त मँ फुन आउब। उ टेम तोहार मेहरिया सारा एक ठु पूत क जन्मी।"

सारा तम्बू मँ अनकत रही अउर उ इ बातन क सुनेस। 11इब्राहीम अउ सारा बहोत बुढ़ाइ ग रहेन। सारा लड़कोर होइ क उमिर क पार कइ चुकी रही।

12सारा आपन आप प हँसी। उ आपन स कहेस, "मइँ अउ मोर भतार दुइनउँ बुढ़ान बाटेन। मइँ लरिका जन्मइ बरे ढेर बुढ़ाइ गइ अहउँ।"

13तब यहोवा इब्राहीम स कहेस, "इ सोचत भवा सारा काहे हँसेन कि, 'मइँ ऍतना बूढ़ी हउँ कि लरिका नाहीं पइदा कइ सकत हउँ?' 14का यहोवा बरे कछू भी असंभव बाटइ?

नाहीं, मइँ फुन बसन्त मँ आपन बताए भए टेम प आउब अउ तोहार मेहरारु सारा पूत क जन्म देइ।"

15मुला सारा कहेस, "मइँ हसेउँ नाहीं।" उ अइसा कहेस, काहेकि उ डेरान रही।

मुला यहोवा कहेस, "नाही, मइँ जानत हउँ कि तोहार कहब सही नाहीं अहइ। तू जरुर हँसिउ ह।"

16तब उ मनईयन जाइ बरे उठेन। उ पचे सदोम कइँती लखेन अउ उहइ कइँती चल पड़ेन। इब्राहीम ओनका बिदा करइ बरे कछू दूर तलक ओनके संग गवा।

### परमेस्सर क संग इब्राहीम क सौदा

17यहोवा मन मँ कहेस, "का मइँ इब्राहीम स कहि देउँ जउन मइँ अबहुँ करब? 18इब्राहीम एक बड़का सक्तीवाला रास्ट्र बन जाइ। इ कारण स धरती क सारे मनइयन आसीर्बाद पइहीं। 19मइँ इब्राहीम क संग खास करार किहेउँ ह। मइँ इ ऍह बरे किहेउँ ह कि उ आपन लरिकन अउ आपन संतानन क तरह जिन्नगी बितावइ बरे हुकुम देइ जउने तरह जिन्नगी बिताउब यहोवा चाहत ह। मइँ इ ऍह बरे किहेउँ ह कि उ पचे सच्चाई स रइहीं अउर इन्साफ पसन्द बनिहीं। तब मइँ यहोवा प्रण कीन्ह गइ चीजन क देब।"

20तब यहोवा कहेस, "सदोम अउर गमोरा का चीख-पुकार बहोत जबरदस्त अहइ। ओनका पाप बहोत गम्भीर अहइ। 21एह बरे मइँ हुँवा जाब अउर देखब कि जउन कूछ मइँ सुन्या ह, यदि उ सही बा तब मइँ जानब कि उ सही बाटइ या गलत।"

22तब उ मनइयन घूमेन अउ सदोम कइँती चल पड़ेन। मुला इब्राहीम यहोवा क समन्वा खड़ा रहा। 23तब इब्राहीम यहोवा स बोला, "हे यहोवा, का तू खोट मनइयन क नास करइ क संग भले मनइयन क नास करइ क बात सोचत अहा? 24जदि उ सहर मँ पचास भला मनई होइँ तउ का होइ? का तब भी तू सहर क नास कइ देब्या? फुरइ ही तू हुँआ क बसइया पचास भले मनइयन बरे उ सहर क बचाइ लेब्या। 25फुरइ ही तू उ सहर क नास न करब्या। खोट मनइयन क मारइ बरे तू पचास भले मनइयन क नास न करब्या। अगर अइसा भवा तउ भला अउ खोटा लोग एक ही होइ जइहीं। दुइनउँ क ही सजा मिली। तू समूचइ भुइँया क निआव देइवाला अहा। मइँ जानत अहउँ कि तू निआव करब्या।"

26फुन यहोवा कहेस, "जदि मोका सदोम सहर मँ पचास भला लोग मिलइँ तउ मइँ समूचइ सहर क बचाइ लेब।"

27तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा, तोहरे अगवा, मइँ सिरिफ धूर अउ राख अहउँ। मुला तू मोका फुन तनिक कस्ट देइ क मौका द्या अउ मोका इ प्रस्न पूछइ द्या कि: 28जदि पाँच नीक लोग कमती होइँ तउ का होइ? जदि सहर मँ पैंतालीस ही नीक लोग होइँ तउ का होइ? का तू सिरिफ पाँच लोगन बरे समूचइ सहर क नास करिब्या?" तब यहोवा कहेस, "जदि मोका हुआँ पैंतालीस नीक लोग मिलइँ तउ मइँ सहर क नास न करब।"

29इब्राहीम फुन यहोवा स कहेस, "जदि तोहका हुआँ सिरिफ चालीस नीक लोग मिलइँ तउ का तू सहर क नास कइ देब्या?" यहोवा कहेस, "अगर मोका चालीस बढ़िया लोग हुआँ मिलइँ तउ मइँ सहर क बर्बाद न करब।"

30तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा कृपा कइके मोहे प किरोध जिन करा। मोका इ पूछेइ द्या कि अगर सहर मँ सिरिफ तीस नीक लोग होइँ तउ का तू सहर क नास कइ देब्या?"

यहोवा कहेस, "जदि मोका तीस नीक लोग मिलइँ तउ मइँ सहर क बर्बाद न करब।"

31तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा, का मइँ तोहका फुन कष्ट देउँ अउ पूछ लेउँ कि जदि बीस ही सहर मँ नीक लोग हुआँ होइँ तउ?"

यहोवा जवाब दिहस, "अगर मोका बीस बढ़िया लोग मिलइँ तउ भी मइँ सहर क नास न करब।"

32तब इब्राहीम कहेस, "हे यहोवा तू मोहे प गुस्सा जिन करा। मोका आखिरी दाईं कस्ट देइ क मौका द्या। जदि तोहका हुआँ दस बढ़िया लोग मिलइँ तउ तू का करिब्या?"

यहोवा कहेस, "जदि मोका सहर मँ दस नीक लोग मिलइँ तउ भी मइँ सहर क नास न करब।"

33यहोवा इब्राहीम स बोलब बंद कइ दिहस, ऍह बरे यहोवा चला गवा अउ इब्राहीम आपन घर लउटि आवा।

### लूत क अतिथि

19 ओनमाँ स दुइ सरगदूत संझा क सदोम सहर मँ आएन। लूत सहर क दुआर प बइठा रहा अउ उ सरगदूतन क लखेस। लूत विचारेस कि उ पचे सहर क बीचउ बीच स जात्रा करत अहइँ। लूत उठा अउ सरगदूतन क लगे गवा अउ भुइँया तलक निहुरा। 2लूत कहेस, "महोदय, कृपा कइके मोरे घर चलइँ अउर मइँ आप लोगन क सेवा करब। हुआँ आप लोग आपन गोड़ धोइ सकत हीं अउर रात मँ रुकि सकत हीं। तब भियान आप लोग आपन जात्रा सुरु कइ सकत हीं।"

सरगदूतन जवाब दिहन, "नाहीं, हम पचे सहर क चौराहे मँ रुकब।"

3मुला लूत आपन घर चलइ बरे बार बार कहत रहा। इ तरह सरगदूत लूत क घर जाइ बरे तइयार होइ गएन। जब उ पचे घरे पहोंचेन तउ लूत ओनका कछू पिअइ बरे लइ आवा। लूत ओनके बरे रोटी बनाएस। लूत क बनावा भवा भोजन सरगदूत खाएन।

4उ संझा क सोवइ क टेम स पहिले ही उ सबइ मँ स सदोम क जवान अउर बूढ़े दुइनउँ मनइयन लूत क घरे आएन। सदोम क मनइयन लूत क घर घेरि लिहन अउ पूछेन। 5उ पचे कहेन, "आज राति क जउन लोग तोहरे लगे आएन, उ सब दुइनउँ मनई कहाँ बाटेन? उ मनइयन क बाहेर हमका दइ द्या। हम ओनके संग संभोग करइ चाहत ह।"

6लूत बाहेर निकरा अउ आपन पाछे स दरवाजा बंद कइ दिहस। 7लूत मनइयन स कहेस, "नाहीं मोर भाई लोगो, मइँ बिनती करत हउँ कि आप इ बुरा कर्म न करइँ। 8लखा, मोरे दुइ बिटिया अहइँ, उ सबइ ऍकरे पहिले कउनो मनई क संग नाहीं सोई अहइँ। मइँ आपन बिटियन क तू मनइयन क दइ देत अहउँ। तू लोग ओनके संग जउन चाहा कइ सकत

ह। मुला इ मनइयन क संग कछू न करा। इ सब लोग हमरे घरे आवा अहइँ अउर मइँ ऍनकइ रच्छा जरुर करब।"

9घरे क चारिहुँ कइँती क मनइयन जवाब दिहन, "राहे स हटि जा।" तब मनइयन आपन मने मँ बिचार किहन, "इ मनई लूत हमरे सहर मँ मेहमान क रुप मँ आवा अहइ। अब इ सिखावइ चाहत ह कि हम पचे कैसे जिन्नगी गुजारइ चाही।" तब उ पचे लूत स कहेन, "हम पचे ओनसे भी जियादा बुरा तोरे संग करब।" ऍह बरे उ मनइयन लूत क घेरि क ओकरे निअरे आउब सुरु किहन। उ सबइ दरवाजा क तोड़िके खोलइ चाहत रहेन।

10मुला लूत क संग क ठहरे भए मनइयन दरवाजा खोलेन अउ लूत क घरे क भीतर हींच लिहेन। तब उ पचे दरवाजा बंद कइ दिहन। 11दुइनउँ मनइयन दरवाजे क बाहेर क मनइयन क आँधर कइ दिहन। इ तरह घरे मँ घुसरइ क जतन करइ वालन जवान अउ बुढ़वा सबइ आँधर होइ गएन अउर दरवाजा न पाइ सकेन।

### सदोम स बच निकरब

12दुइनउँ मनइयन लूत स कहेन, "का इ सहर मँ अइसा कउनो मनई अहइ जउन तोहरे परिवारे क बाटइ? का तोहार दामाद, तोहार बिटिया या दूसर कउनो तोहरे परिवारे क मनई अहइ? जदि कउनो दूसर इ सहर मँ तोहरे परिवार क बाटइ तउ तू अबहिं सहर तजि देइ बरे कहि द्या। 13हम पचे इ सहर क बर्बाद करब। यहोवा ओन सबहिं बुराइयन क सुनि लिहे अहइ जउन इ सहर मँ अहइ। ऍह बरे यहोवा हम मनइयन क ऍका नास करइ बरे पठए अहइ।"

14ऍह बरे लूत बाहेर गवा अउ आपन दूसर बिटियन स बियाह करइ वालन दामादन स बात किहेस। लूत कहेस, "हाली करा अउ इ सहर क तजि द्या।" यहोवा ऍका फउरन बर्बाद कइ देइ। मुला उ मनइयन समझेन कि लूत मजाक करत बाटइ। 15दूसर दिन भिन्सारे भोर क टेम ही सरगदूत लूत स हाली करइ क कोसिस किहस। उ पचे कहेन, "लखा इ सहर क सजा मिली। ऍह बरे तू आपन मेहरारु अउ तोहरे संग जउन दुइ बिटियन जउन अबहिं तलक अहइँ, ओनका लइके इ जगह तजि द्या। तबहिं तू सहर क संग बर्बाद न होब्या।"

16मुला लूत देर करइ लगा अउ सहर तजि देइ क उ हाली नाहीं किहेस। ऍह बरे सरगदूतन लूत, ओकर मेहरारु अउ ओकर दुइनउँ बिटियन क हाथ धइ लिहन, काहेकि ओन पइ यहोवा क द्या रहा। उ दुइनउँ लूत अउ ओकरे परिवार क सहर क बाहेर पहोंचाएन। लूत अउ ओकरे परिवार प यहोवा क कृपा रही। 17ऍह बरे दुइनउँ लूत अउ ओकरे परिवार क सहर क बाहेर पहोंचाइ दिहन। जब उ पचे बाहेर होइ गएन तउ ओनमँ स एक कहेस, "आपन जिन्नगी बचावइ बरे पराइ जा। सहर कइँती घूमिके जिन लखा। इ घाटी मँ कउनो जगह जिन रुका। तब तलक परात रहा जब तलक पहाड़े मँ न जाइके पहोंचा। अगर तू अइसा नाहीं करत्या, तउ तू सहर क संग नस्ट होइ जाब्या।"

18तब लूत दुइनउँ स कहेस, "श्रीमान लोगो, कृपा कइके ऍतना दूर दौड़इ बरे बेबस जिन करा। 19आप लोग मो सेवक प ऍतनी कृपा किहा ह। आप लोग मोका बचावइ क कृपा किहा ह। मुला मइँ पहाड़ी ताईं नाहीं दौड़ि सकत हउँ। अगर मइँ जरुरत स जियादा धीमे धीमे दौड़उँ तउ कछू बुरा होइ अउ मइँ मारा जाब। 20मुला लखइँ हिआँ निअरे एक बहोत छोटा सहर बाटइ। हम पचन क उ सहर तलक दौड़इ द्या। तब हमार जिन्नगी बचि जाइ।"

21सरगदूत लूत स कहेस, "ठीक बाटइ, मइँ तोहका अइसा ही करइ देब। मइँ उ सहर क नास नाहीं करब जेहमाँ तू जात अहा। 22मुला हुआँ तलक तेज दउड़ा। मइँ तब तलक सदोम क बर्बाद नाहीं करब जब तलक तू उ सहर मँ सुरच्छित नाहीं पहोंच जात्या।" (इ सहर क नाउँ सोअर अहइ काहेकी इ छोट अहइ।)

### सदोम अउ अमोरा बर्बाद कीन्ह गएन

23जब लूत सोअर मँ घुसत रहा, भिन्सारे क सूरज चमकइ लाग 24अउर यहोवा सदोम अउ अमोरा क बर्बाद करब सुरु कइ दिहस। यहोवा आगी अउ बरत भवा गन्धक क अकासे स खाले बरसाएस। 25इ तरह यहोवा उ सहरन क अउर समूची घाटी क बर्बाद कइ दिहस अउ सबहिं जिअत मनइयन अउ सबहिं पेड़-पौधन क बर्बाद कइ दिहस। 26जब उ पचे परात रहेन, तउ लूत क मेहरारु घूमिके सहर क निहारेस। जब उ घूमिके लखेस तब उ एक नोन क भीटा होइ गइ।

27उहइ दिना बहोत तड़के इब्राहीम उठा अउ उ ठउरे प गवा जहाँ उ यहोवा क समन्वा ठाड़ होत रहा। 28इब्राहीम सदोम अउ अमोर सहरन कइँती निगाह दौड़ाएस। इब्राहीम उ घाटी क समूची भुइँया कइँती लखेस। इब्राहीम उ पहँटा स उठत भए घना धुआँ क लखेस। बड़ी खौफनाक आगी स उठत धुआँ क तरह उ देखाइ पड़ा।

29परमेस्सर घाटी क सहरन क नास कइ दिहस। परमेस्सर इब्राहीम क याद किहस अउर लूत क नास नाहीं किहेस। जब उ ओन सहरन क नास किहेस जेहमा लूत रहत रहेन।

### लूत अउ ओकर बिटियन

30लूत सोअर मँ लगातार रहइ स डेरान। ऍह बरे उ अउ ओकर दुइनउँ बिटियन पहाड़न मँ गएन अउर उ हुवँइ रहइ लगेन। उ पचे हुवाँ एक गुफा मँ रहत रहेन। 31एक दिना बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस, "भुइँया प चारिहुँ कइँती मनसेधू अउ मेहरारु बियाह करत हीं। मुला हिआँ आसपास कउनो मनसेधू नाहीं जेहसे हम बियाह करी। हम पचन क पिता बुढ़ाइ ग बाटेन। 32ऍह बरे हम पचे आपन पिता का प्रयोग लरिकन क जन्म देइ बरे करी जेसे हम लोगन क बंस चलि सकइ। हम लोग आपन पिता क लगे चलब अउ अंगूरे क दाखरस पिआउब अउ ओका नसा मँ बुत्त कइ देब। तब हम ओकरे संग सोइ सकित ह।"

33उहइ राति दुइँनउँ बिटियन आपन पिता क लगे गइन अउ ओका उ पचे दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ दिहन। तब बड़की बिटिया पिता क बिछउना मँ गइ अउ ओकरे संग सोइ गइ। लूत जियादा नसा मँ बुत्त रहा। ऍह बरे इ न जानि सका कि ओकरे संग कउन सोएस।

34दूसर दिन बड़की बिटिया छोटकी बिटिया स कहेस,
"पिछली राति मइँ आपन पिता क संग सोएउँ। आवा इ रात
फुन हम ओका दाखरस पिआइके नसा मँ बुत्त कइ देइ। तब
तू ओकरे बिछउना मँ जाइ सकत ह अउर ओकरे संग सोइ
सकत ह। इ तरह हम पचन क आपन पिता क प्रयोग
लरिकन क जन्म दइके आपन बंस चलावइ बरे करइ
चाही।" 35ऍह बरे उ दुइनउँ बिटियन आपन पिता क दाखरस
पिआइके नसा मँ बुत्त कइ दिहन। तब छोटकी बिटिया
ओकरे बिछउना मँ ओलरी अउ ओकरे संग सोएस। लूत इ
दाईं भी न जानि सका कि ओकर बिटिया ओकरे संग
सोएस।

36इ तरह लूत क दुइनउँ बिटिया गर्भ धारण किहेन।
ओनका पिता ही ओनके लरिकन क पिता रहा। 37बड़की
बिटिया एक पूत क जन्म दिहस। उ बेटवा क नाउँ मोआब
धरेस। मोआब ओन सबहिं मोआबी लोगन क पिता रहा,
जउन अब तलक रहत अहइँ। 38छोटकी बिटिया भी एक
पूत जन्मेस। इ आपन पूत क नाउँ बेनम्मी धरेस। बेनम्मी
ओन सबहिं अम्मोनी लोगन क पिता अहइ जउन अब
तलक रहत बाटेन।

### इब्राहीम गरार जात ह

20 इब्राहीम उ ठउरे क तजि दिहस और नेगेव क
जात्रा किहेस। इब्राहीम कादेस अउ सूर क बीच
गरार मँ बस गवा। 2गरार मँ इब्राहीम मनइयन स कहेस कि
सारा मोर बहिन अहइ। गरार क राजा अबीमेलक इ बात
सुनेस। अबीमेलेक क सारा चाहत रहा ऍह बरे उ कछू
नउकर ओका लावइ बरे पठएस। 3मुला एक रात परमेस्सर
अबीमेलेक स सपन मँ बात किहस। परमेस्सर कहेस, "देखा,
तू मरि जाब्या। जउने मेहरारु क तू लिहा ह उ सोहागिन
अहइ।"

4मुला अबीमेलेक अबहिं सारा क संग नाहीं सोवा रहा।
ऍह बरे अबीमेलेक कहेस, "हे यहोवा, मइँ दोखी नाहीं
अहउँ। का तू बेदोखी मनई क मरब्या? 5इब्राहीम मोसे खुद
कहेस, 'इ मेहरारु मोर बहिन अहइ' अउ मेहरारु भी कहेस,
'इ मनई मोर भाई अहइ।' मइँ बेदोखी अहउँ। मइँ नाहीं
जानत रहेउँ कि मइँ का करत हउँ?"

6तब परमेस्सर अबीमेलेक स सपन मँ कहेस, "हाँ, मइँ
जानत हउँ कि तू निर्दोख अहा अउर मइँ इ भी जानत हउँ
कि तू इ नाहीं जानत रह्या कि तू का करत रह्या? मइँ
तोहका बचाएँउ। मइँ तोहका आपन खिलाफ पाप नाहीं करइ
दिहेउँ। इ मइँ ही रहेउँ जउन तोहका ओकरे संग सोवइ नाहीं
दिहेउँ। 7ऍह बरे इब्राहीम क ओकर मेहरारु लौटाइ द्या।
इब्राहीम एक ठु नबी बाटइ। उ तोहरे बरे पराथना करी अउर
तू जिअत रहब्या मुला जदि तू सारा क नाहीं लौटउब्या तउ
मइँ सरापत हउँ कि तू मरि जाब्या। तोहार सारा परिवार तोहरे
संग मरि जाइ।"

8ऍह बरे दूसर दिन बहोत भिंसारे अबीमेलेक आपन सबइ
नउकरन क बोलाएस। अबीसेलेक सपने मँ भइ सारी बातन
क ओनका बताएस। नउकर बहोतइ डेराइ गवा। 9तब
अबीमेलेक इब्राहीम क बोलाएस अउ ओसे कहेस, "तू हम
पचन क संग अइसा काहे किहा? मइँ तोहार का बिगाड़ेउँ
ह? तू इ झूठ काहे बोल्या कि उ तोहार बहिन अहइ। तू
हमरे राज्ज प बहोत बड़ी बिपत्ति लइ आवा ह। इ बात
तोहका मोरे संग नाहीं करइ चाही। 10तू कउने बात स डेरात
अहा? तू इ सबइ बातन मोरे संग काहे किहा ह?"

11तब इब्राहीम कहेस, "मइँ ससान रहेउँ। काहेकि मइँ
सोचेउँ कि हिअाँ कउनो भी परमेस्सर क आदर नाहीं करत।
मइँ बिचारेउँ कि सारा क पावइ बरे कउनो मोका मारि डाइ।
12उ मोर मेहरारु अहइ, मुला उ मोर बहिन भी अहइ। उ
मोरे पिता क बिटिया तउ अहइ मुला मोरी महतारी क
बिटिया नाहीं अहइ। 13परमेस्सर मोका मोरे पिता क घरे स
दूर पहोंचाए अहइ। परमेस्सर कइयऊ अलग अलग पहँटा मँ
मोका भटकाएस। जब अइसा भवा तउ मइँ सारा स कहेउँ,
'मोरे बरे कछू करा। जहाँ कहुँ भी हम जाइ तू मनइयन स
कहा कि तू मोर बहिन अहा।'"

14अब अबीमेलेक जान लिहेस कि का होइ चुका बाटइ।
ऍह बरे अबीमेलेक इब्राहीम क सारा लौटाइ दिहस। अबीमेलेक
इब्राहीम क कछू भेड़िन, जनावर अउ दास भी दिहस।
15अबीमेलेक कहेस, "तू चारिहुँ कइँती लखि ल्या। इ मोर
देस अहइ। तू जउने ठउर चाहा, रहि सकत ह।"

16अबीमेलेक सारा स कहेस, "लखा, मइँ तोहरे भाई क
एक हजार चाँदी क टूक दिहेउँ ह। मइँ इ ऍह बरे किहेउँ ह
कि जउन कछू भवा ओहसे मइँ दुःखी अहउँ। मइँ चाहत हउँ
कि हर एक मनई इ लखइ कि मइँ नीक काम किहेउँ ह।"

17-18परमेस्सर अबीमेलेक क ओकर पत्नी क अउर
ओकर मेहरारु नउकरन क लरिका जन्मइ क अयोग्ग
बनाएस। परमेस्सर उ ऍह बरे किहस कि उ इब्राहीम क
मेहरारु सारा क बइठाइ लिहे रहा। मुला इब्राहीम परमेस्सर स
पराथना किहस अउ परमेस्सर अबीमेलेक, ओकर मेहररुअन
अउ दास-कन्या क चंगा कइ दिहस।

### आखिर मँ सारा क एक लरिका

21 अब यहोवा सारा लग्गे आएन काहेकि उ कहेस
रहा, अउर उ सारा बरे उहइ किहेस जउन उ
करइ क वादा किहे रहा। 2सारा गरभ धरेस अउर इब्राहीम
बरे ओकर बुढ़ापे मँ एक लरिका क जन्मेस। सही टेम प
जइसा परमेस्सर वचन दिहे रहा वइसा ही भवा। 3सारा पूत
जन्मेस अउ इब्राहीम ओकर नाउँ इसहाक राखेस। 4परमेस्सर
क हुकुम क मुताबिक इब्राहीम आठ दिन होए प इसहाक क
खतना किहस।

5इब्राहीम सौ बरिस क रहा जब ओकर पूत इसहाक पइदा
भवा 6अउ सारा कहेस, "परमेस्सर मोका सुखी बनाइ दिहस
ह। हर एक मनई जउन इ बारे मँ सुनी उ मोहसे खुस होइ।
7कउनो भी इ नाहीं सोचत कि मइँ सारा इब्राहीम बरे पूत
देबउँ। मुला मइँ इब्राहीम क ओकरे बुढ़ापे क उमर मँ एक
ठु पूत दिहेउँ ह।"

### घरे मँ परेसानी

8अब बचवा ऍतना बाढ़ गवा कि महतारी क दूध तजिके
ठोस भोजन सुरु करइ। जउने दिन ओकर दूध छोंड़वावा गवा

उ दिन इब्राहीम एक बहोत बड़का भोज दिहस। 9बीते भए टेम मँ मिस्र क दासी एक ठु पूत क जन्मेस। इब्राहीम उ पूत क बाप रहा। सारा लखेस कि हाजिरा क पूत इसहक क तंग करत ह। 10ऍंह बरे सारा इब्राहीम स कहेस, "उ दासी मेहरारु अउ ओकरे पूत क हिऑं पठइ द्या। जब हम पचे मरब हम पचन क सबहिं चिजियन इसहाक क मिलिहीं। मइँ नाहीं चाहत कि ओकर पूत इसहाक क संग ओन चिजियन मँ हींसा लेइ।"

11इस्माएल क बरे इ कीन्ह जाना एका सोच इब्राहीम क बहोत ज्यादा दु:खी कइ दिहन। 12मुला परमेस्सर इब्राहीम स कहेस, "उ लड़का क बारे मँ दु:खी जिन ह्वा। उ दासी क बारे मँ दु:खी जिन ह्वा। जउन सारा चाहत ह तू उहइ करा। तोहार बंस इसहाक क बंस स चली। 13मुला मइँ तोहरे दासन क पूतन क असीसब। उ तोहार पूत अहइ ऍंह बरे मइँ ओकरे परिवार क भी एक बड़ा रास्ट्र बनाउब।"

14दूसर दिन बहोत भिन्सारे इब्राहीम कछू भोजन अउ पानी लिहस। इब्राहीम इ चीजन हाजिरा क दइ दिहस। हाजिरा उ सबहि चीजन क लिहस अउ बच्चा क संग दूर चली गइ। हाजिरा उ ठउर तजि दिहस अउर उ बेर्सोबा क रेगिस्तान मँ भटकइ लाग।

15कछू टेम पाछे हाजिरा क सारा पानी खतम होइ गवा। पिअइ बरे कछू पानी भी नाहीं बचा। ऍंह बरे हाजिरा आपन लरिका क एक झाड़ी तरे राखेस। 16हाजिरा हुऑं स कछू दूर गइ। तब उ रुकी अउ बइठि गइ। हाजिरा सोचेस कि ओकर पूत मरि जाइ काहेकि हुऑं पानी नाहीं रहा। उ ओका मरता भवा नाहीं देखइ चाहत रही। उ हुऑं बइठि गइ अउ रोवइ लाग।

17यहोवा लरिका क रोउब सुनेस। सरग स एक दूत हाजिरा क लग्गे आवा। उ पूछेस, "हाजिरा, तोहका का तकलीफ अहइ। डेराउ नाहीं काहेकि परमेस्सर हुवॉं लरिका क रोउब सुन लिहेस। 18जा, अउर आपन पूत क सँभारा। ओकर हाथ धइ ल्या अउ ओका संग लइ चला। मइँ ओका बहोत बड़का रास्ट्र क पिता बनाउब।"

19परमेस्सर हाजिरा क ऑंखी इ तरह खोलेस कि उ एक पानी क कुऑं निहारि सकी। ऍंह बरे हाजिरा कुऑं प गइ अउ उ थैला क पानी स भरि लिहस। तब उ बच्चा क पानी पिअइ बरे दिहस। 20बच्चा जब तक बाढ़ा नाहीं तब तलक परमेस्सर ओकरे संग रहा। इस्माएल रेगिस्तान मँ रहा अउ एक सिकारी बन गवा। उ बहोत बढ़िया तीर चलाउब सीख लिहस। 21ओकर महतारी मिस्र स ओकरे बरे दुल्हन लइ आइ। उ पचे सबइ पारान रेगिस्तान मँ रहइ लाग्गेन।

### इब्राहीम अबीमेलेक स सौदा करत ह

22तब अबीमेलेक अउ पीकोल इब्राहीम स बात किहन। पीकोल अबीमेलेक क फउज क सेनापति रहा। उ पचे इब्राहीम स कहेन, "तू जउन कछू करत अहा, परमेस्सर तोहार साथ देत ह। 23ऍंह बरे तू परमेस्सर क समन्वा इ बचन द्या कि तू मोरे अउ मोरे बच्चन बरे भला रहब्या। तू इ बचन द्या कि तू मोरे बरे अउ जहॉं तू रह्या ह उ देस बरे दयालु रहब्या। तू इ भी बचन द्या कि मइँ तोहरे बरे जेतॅना दयालु रहा ओतॅना तू मोहे प दयालु रहब्या।" 24इब्राहीम कहेस, "मइँ बचन देत हउँ कि तोहसे मइँ वइसा ही बिउहार करब जइसा तू मोरे संग बिउहार किया ह।" 25तब इब्राहीम अबीमेलेक क ओराहना दिहस। इब्राहीम ऍंह बरे ओराहना दिहस कि अबीमेलेक क नउकरन पानी क कुऑं प कब्जा कइ लिहन।

26अबीमेलेक कहेस, "ऍंकरे बारे मँ मइँ इ पहिली बार सुनेउँ ह। मोका पता नाहीं बाटइ, कि इ के किहेस ह अउर तू भी ऍंकर चर्चा मोहसे ऍंहसे पहिले कबहुँ नाहीं किह्या।"

27ऍंह बरे इब्राहीम अउ अबीमेलेक एक समझौता किहन। इब्राहीम समझौता क सबूत क रुप मँ अबीमेलेक क कछू भेड़िन अउ गोरु दिहस। 28इब्राहीम सात ठु मादा भेड़ी क बच्चा भी अबीमेलेक क समन्वा लावा। 29अबीमेलेक इब्राहीम स पूछेस, "तू इ सबइ सात ठु भेड़ी क मादा बच्चन क काहे अलगाइ कइ दिह्या?"

30इब्राहीम कहेस, "जब तू इ सातहु* भेड़ी क बच्चन स मोहसे लेब्या तउ इ सबूत रही कि इनारा मइ खनेउँ ह।" 31ऍंह बरे ऍंकरे पाछे उ इनारा बेर्सेबा कहवावा गवा। उ पचे इनारा क इ नाउँ दिहन काहेकि इ उ ठउर रहा जहॉं उ पचे एक दूसर क बचन दिहे रहेन।

32इ तरह इब्राहीम अउ अबीमेलेक बेर्सेबा मँ एक समझौता किहन। तब अबीमेलेक अउ सेनापति दुइनउँ पलिस्तियन क पहँटा मँ लौटि गएन।

33इब्राहीम बेर्सेबा मँ झाऊ क एक बृच्छ लगाएस। उ ठउरे प इब्राहीम परमेस्सर, जउन हमेसा रहत ह स पराथना किहस। 34अउर इब्राहीम पलिस्तियन क देस मँ बहोत समइ तलक रहा।

### इसहाक क बलि क रूप मँ देन

22 इ बातन क पाछे परमेस्सर इब्राहीम क पतियाइ क परीच्छा लेब तय किहस। परमेस्सर ओसे कहेस, "इब्राहीम!" अउ इब्राहीम कहेस, "हॉं!"

2परमेस्सर कहेस, "आपन पूत ल्या, आप इकलौता पूत, इसहाक जेका तू पिरेम करत ह मोरिय्याह प जा। तू उ पहाड़े प जा जेका मइँ तोहका देखॉउब। तू हुऑं आपन पूत क बलिदान देब्या अउ ओका होम बलि क सरुप मँ मोका अर्पण करिब्या।"

3भिन्सारे इब्राहीम उठा अउ उ गदहा क तइयार किहस। इब्राहीम इसहाक अउ दुइ नउकरन क संग लिहस। इब्राहीम बलि बरे काठ काटिके तइयार किहस। तब उ पचे उ ठउरे प गएन जहॉं जाइ बरे परमेस्सर कहेस। 4उ पचे तीन दिना तलक जात्रा किहेन। ओकरे पाछे इब्राहीम ऊपर लखेस अउ दूरी प उ ठउरे क निहारेस जहॉं उ पचे जात रहेन। 5तब इब्राहीम आपन नउकरन स कहेस, "हिऑं गदहा क संग ठहरि जा। मइँ आपन पूत क उ ठउरे लइ जाब अउ आराधना करब। तब हम पाछे लौटि आउब।"

6इब्राहीम बलि बरे लकड़ी क आपन पूत क काँधे प धरेस। इब्राहीम एक खास छुरी अउ आग्गी लिहस। तब

---

**सात बरे** हिब्रू सब्द या बचन दे जइसा अहइ। यह बरे सात गोरु ओका बचन देइ क सबूत रहेन।

इब्राहीम अउ ओकर पूत दुइनउँ आराधना बरे उ ठउरे प एक संग गएन।

7इसहाक आपन बाप इब्राहीम स कहेस, "पिताजी!"

इब्राहीम जवाब दिहस, "हाँ, बेटवा।" इसहाक कहेस, "मइँ ईंधन अउ आगी तउ लखत हउँ, मुला उ भेड़ा कहाँ बाटइ जेका हम बलि क रुप मँ बारब?" 8इब्राहीम जवाब दिहस, "बेटवा, परमेस्सर बलि बरे भेड़ा अपने आप जुटावत बाटइ।"

### इसहाक बचावा गवा

इ तरह इब्राहीम अउ ओकर पूत उ ठउर संग संग गएन। 9उ पचे उ ठउरे प पहोंचेन जहाँ परमेस्सर पहोंचइ क कहे रहा। हुआँ इब्राहीम बलि क एक वेदी बनाएस। इब्राहीम वेदी प काठ धरेस। तब इब्राहीम आपन पूत क बाँधेस। इब्राहीम इसहाक क वेदी क काठे प धरेस। 10तब इब्राहीम आपन छुरी निकारेस अउ आपन पूत क मारइ क तइयारी किहस।

11तब यहोवा क सरगदूत इब्राहीम क रोक दिहस। दूत सरग स गोहराएस अउ कहेस, "इब्राहीम, इब्राहीम।" इब्राहीम जवाब दिहेस, "हाँ।"

12सरगदूत कहेस, "तू आपन पूत क जिन मारा या ओका कउनो तरह क चोट जिन पहोंचावा। मइँ अब लखि लिहउँ कि तू परमेस्सर क सम्मान करत ह अउ ओकर हुकुम मानत ह। मइँ लखत हउँ कि तू आपन इकलौता पूत क मोरे बरे मारइ क तइयार बाट्या।"

13इब्राहीम ऊपर निगाह किहेस अउ एक भेड़ा क लखेस। भेड़ा क सींगन झाड़ी मँ अरझ गइ रहिन। ऍह बरे इब्राहीम हुआँ गवा अउर भेड़ा क धइ लिहस अउ ओका मारि डाएस। इब्राहीम भेड़ा क आपन पूत क जगह प बलि दिहस। 14ऍह बरे इब्राहीम उ जगह क नाउँ "यहोवा यिरे" राखेस। आज भी लोग कहत हीं, "इ पहाड़े क चोटी प यहोवा क लखा जाइ सकत ह।"

15यहोवा क सरगदूत सरग स इब्राहीम क दूसरी दाईं गोहराएस। 16सरगदूत कहेस, "तू मोरे बरे आपन पूत क मारइ बरे तइयार रह्या। इ तोहार इकलौता पूत रहा। तू मोरे बरे अइसा किहा ह ऍह बरे मइँ, यहोवा तोहका वचन देत अहउँ कि 17मइँ तोहका सचमुच ही असीसब। मइँ तोहका ओतना ही संतानन देब जेतना अकासे मँ तारा बाटइँ। इ सबइ ऍतना जियादा लोग होइहीं जेतना समुद्दर क किनारे बालू क कण अउ तोहार लोग आपन सबहिं दुस्मनन क हरइहीं। 18संसार क सबहिं रास्ट्र तोहरे परिवार क जरिये आसीर्बाद पइहीं। मइँ इ ऍह बरे करब काहेकि तू मोर हुकुम क मान्या ह।"

19तब इब्राहीम आपन नउकरन क लगे लउटा। उ पचे बेर्सेबा तलक वापसी जात्रा किहन अउ इब्राहीम हुअँइ रहइ लाग।

20एकरे पाछे, इब्राहीम क इ समाचार मिला। समाचार इ रहा, "तोहार भाई नाहोर अउ ओकर मेहरारु मिल्का क अब गदेलन अहइँ। 21पहिला पूत ऊस अहइ। दूसर पूत क नाउँ बूज अहइ। तीसर पूत अराम क बाप कमूएल अहइ। 22एकरे अलावा केसेद, हजो, पिल्दास, यिदलाप अउ बतूएल बाटइ।" 23बतूएल रिबका क बाप रहा। मिल्का इ सबइ आठहु पूतन क महतारी रही अउ नाहोर पिता रहा। नाहोर इब्राहीम क भाई रहा। 24नाहोर क दूसर चारि लरिकन ओकरी मेहरारु नउकर स रहेन। इ सबइ पूत तेबह, गहम, तहस अउर माका रहेन।

### सारा मरत ह

23 सारा एक सौ सत्ताईस बरिस जिअत रही। 2कनान पहँटा क किर्यतर्बा (हेब्रोन) सहर मँ मरी। इब्राहीम बहोत दु:खी भवा अउ ओकरे बरे हुआँ रोएस। 3तब इब्राहीम मरी भइ मेहरारु क तजेस अउ हित्ती लोगन स बात करइ गवा। उ कहेस, 4"मइँ इ पहँटा मँ नाहीं रहत। मइँ हिआँ सिरिफ एक राही अहउँ। ऍह बरे मोरे लगे आपन मेहरारु क गाड़इ क कउनो जगह नाहीं बाटइ। मइँ कछू भुइँया चाहत हउँ जेहमाँ आपन मेहरारु क दफनाइ सकूँ।"

5हित्ती लोगन इब्राहीम क जवाब दिहेन, 6"साहेब, आप हम पचन क बीच परमेस्सर क सक्तीसाली राजकुमार अहइँ। आप आपन मरे भए क दफनावइ बरे सबन त नीक ठउरे प, जउन हम पचन क पास अहइ, लइ सकत हीं। आप हम पचन क कब्रिसतानन मँ स कउनो भी जगह, जउन आप चाहत हीं, लइ सकत हीं। हम लोगन मँ स कउनो भी आपक आपन मेहरारु दफनावइ स नाहीं रोकी।"

7इब्राहीम उठा अउ मनइयन कइँती मूँड़ि निहुराएस। 8इब्राहीम ओनसे कहेस, "जदि आप लोग सचमुच मोर मरी भइ मेहरारु क दफनावइ मँ मोर मदद करइ चाहत हीं तउ सोहर क पूत एप्रोन स मोरे बरे बात करइँ। 9मइँ मकपेला क गुफा क बसेहब पसन्द करब। एप्रोन एकर मालिक अहइ। इ ओकरे खेत क सिरहने प बाटइ। मइँ एकरे दाम क मुताबिक ओका पूरी कीमत देब। मइँ चाहत अहउँ कि आप लोग इ बात क साच्छी रहइँ कि मइँ इ भुइँया क कब्रिस्तान क रुप मँ खरीदत अहउँ।"

10एप्रोन हुअँइ मनइयन बीच बइठा रहा। एप्रोन इब्राहीम क जवाब दिहस, 11"नाहीं, साहेब। मइँ आपन सबइ लोगन क समन्वा इ भुइँया तोहका देब। मइँ आपक उ गुफा देब। मइँ इ आप क ऍह बरे देब कि आप एहमाँ आपन मेहरारु क दफनाइ सकइँ।"

12तब इब्रहीम हित्ती मनइयन क समन्वा आपन मूँड़ि निहुराएस। 13इब्राहीम सबहिं लोगन क समन्वा एप्रोन स कहेस, "मुला मइँ तो खेते क पूरा दाम देइ चाहत अहउँ। मोर धन अंगीकार करइँ। मइँ आपन मरे भए क एहमाँ गाड़ब।"

14एप्रोन इब्राहीम क जवाब दिहेस, 15"साहेब, मोरहु सुनइँ। चार सौ चाँदी क सेकेल। हमरे अउ आप क बीच मँ इ धन कछू भी नाहीं। भुइँया ल्या अउ आपन मरी भइ मेहरारु क गाड़ द्या।"

16इब्राहीम समझेस कि एप्रोन ओका भुइँया क दाम बतावत अहइ। ऍह बरे हित्ती लोगन क गवाह मानिके, इब्राहीम चाँदी क चार सौ सेकेल एप्रोन बरे तौलेस। इब्राहीम पइसा उ बइपारी क दइ दिहेस जउन इ भुइँया क बेचइ क धन्धा करत रहा।

17-18इ तरह एप्रोन क खेत क मालिक बदल गएन। इ
खेत मम्रे क पूरब मकपेला मँ रहा। इब्राहीम उ खेत क,
गुफा क अउर उ खेत क बृच्छन क मालिक होइ गवा।
सहर क सबहिं लोग एप्रोन अउ इब्राहीम क बीच भए
समझौता क लखेन। 19ऍकरे पाछे उ आपन मेहरारु सारा क
कनान देस क मम्रे क निअरे जउन कि हेब्रोन मँ अहइ
मकफेला क क निअरे उ खेते क गुफा मँ गाड़ेस।
20इब्राहीम खेत अउ ओकरे गुफा क हित्ती लोगन स
खरीदेस। इ ओकर संपत्ति होइ गइ, अउ उ ऍकर बइपरब
कब्रिस्तान क रुप मँ किहस।

### इसहाक बरे मेहरारु

24 इब्राहीम बहोत बूढ़ा होइके भी जिअत रहा। यहोवा
इब्राहीम क आसीर्बाद दिहेस अउ ओकरे हर एक
काम क सफल होइ दिहेस। 2इब्राहीम क एक सबन त पुरान
नउकर रहा जउन इब्राहीम क जउन कछू रहा ओकर प्रबंधक
रहा। इब्राहीम उ नउकर क बोलाएस अउ कहेस, "आपन
हाथ मोरे जाँघे क नीचे धरा। 3अब मइँ चाहत हउँ कि तू
मोका एक बचन द्या। धरती अउ आकास क परमेस्सर
यहोवा क समन्वा तू बचन द्या कि तू कनान क कउनो
बिटिया स मोरे पूत क बियाह नाहीं होइ देब्या। हम पचे उ
कनानियन क मध्य मँ रहित ह, मुला कनानी लड़की स
ओकर बियाह न करइ द्या। 4तू मोरे देस अउ मोरे आपन
मनइयन मँ लउटिके जा। हुअाँ मोर पूत इसहाक बरे एक
दुलहिन हेरा।"

5नउकर ओसे कहेस, "इ तउ होइ सकत ह कि उ
दुलहिन मोरे संग इ देस मँ लौटब न चाहइ। तब, का मइँ
तोहरे पूत क तोहरी जन्म भूमि मँ लइ जाऊँ?"

6इब्राहीम ओसे कहेस, "नाहीं! तू हमरे पूत क उ देस मँ
न लइ जा। 7यहोवा, सरग क परमेस्सर मोका मोरी जन्म
भूमि स हिअाँ लिआवा। उ देस मोर बाप अउ परिवार क घर
रहा। मुला यहोवा इ बचन दिहस कि इ नवा प्रदेस मोरे
परिवार वालन क होइ। यहोवा आपन एक सरगदूत तोहरे
समन्वा पठएस जेहसे तू मोरे पूत बरे दुलहिन चुनि सका।
8मुला अगर बिटिया तोहरे संग आउब मना करइ तउ तू
आपन बचन स छुटकारा पाइ जाब्या। मुला तू मोरे पूत क उ
देस मँ वापिस जिन लइ जा।"

9इ तरह नउकर आपन मालिक क जाँघे तरे आपन हाथ
धइके बचन दिहेस।

### खोज सुरु होत ह

10नउकर इब्राहीम क दस ठु ऊँट लिहेस अउ उ जगह
स उ चला गवा। नउकर कइउ तरह क सुन्नर भेंट आपन
संग लइ गवा। उ नाहोर क सहर मेसोपोटामिया गवा।

11उ सहर क बाहर क कुअाँ प गवा। इ बात साँझ क
भइ जब मेहररुअन पानी भरइ बाहेर आवति हीं। नउकर
हुवँइ ऊँटन क गोड़े क घुटना क बल बइठाएस।

12नउकर कहेस, "हे यहोवा, तू मोर सुआमी इब्राहीम क
परमेस्सर अहा। आज तू ओकरे पूत बरे मोका एक दुलहिन
दिआवा। कृपा कइके मोर मालिक इब्राहीम प दाया करा।
13मइँ हिअाँ इ पानी क कुअाँ क लगे ठाड़ अहउँ अउर
पानी भरइ बरे सहर स बिटियन आवति अहइँ। 14मइँ एक ठु
खास चीन्हा क बाट जोहत अहउँ जेहसे मइँ जान सकउँ कि
इसहाक बरे कउन सी बिटिया नीक होइ। इ विसेख चीन्हा
अहइ। मइँ बिटिया स कहब कि 'मेहरबानी कइके आपन
गगरी क खाले धरइँ जेहसे मइँ पानी पी सकउँ।' मइँ तब
समझब कि इ नीक लड़की अहइ जब उ कही, 'पिआ,
अउर मइँ तोहरे ऊँटन बरे भी पानी देब।' जदि अइसा होइ
तउ तू साबित कइ देब्या कि इसहाक बरे इ बिटियन नीक
बाटइ। मइँ बूझब कि तू मोरे सुआमी प कृपा किह्या ह।"

### एक दुलहिन मिली

15तब नउकर क पराथना पूरी होइ स पहिले ही रिबका
नाउँ क एक लड़की इनारा प आइ। रिबका बतूएल क
बिटिया रही। बतूएल इब्राहीम क भाई नाहोर अउ मिल्का क
पूत रहा। रिबका आपन काँधे प पानी क गगरी लइके इनारा
प आइ रही। 16लड़की बहोत सुन्नर रही। उ कुआँरी रही। उ
कउनो मनई क संग कबहुँ नाहीं सोइ रही। उ आपन कूँड़ा
भरइ बरे इनारा प आइ। 17तब नउकर ओकरे नगिचे तलक
दौड़िके आवा अउ बोला, "मेहराबानी कइके आपन कूँड़ा स
पिअइ बरे तनिक पानी द्या।"

18रिबका हाली हाली काँधे स कूँड़ा क खाले उतारेस अउ
ओका पानी पिआएस। रिबका कहेस, "महासय, इ पिअइँ।"
19जइसेन ही उ पिअइ बरे कछु पानी देब खतम किहेस।
रिबका कहेस, "मइँ आप क ऊँटयन क भी पानी पिअइ बरे
दइ सकत हउँ।" 20ऍह बरे रिबका फउरन कूँड़ा क सब पानी
ऊँटयन बरे बना भवा हउदा मँ उड़ेरेस। तब उ अउर पानी
लइ आवइ बरे इनारा क दौड़ गइ अउ उ सब ऊँटियन क
पानी पिआएस।

21नउकर ओका चुपचाप धियान स लखेस। उ इ तय
करइ चाहत रहा कि यहोवा साइद इ बात क मान लिहेस ह
अउ ओकरी जात्रा क सुफल बनाइ दिहस ह। 22जब ऊँटियन
पानी पी लिहन तब उ रिबका क आधा सेकेल जोखिके एक
ठु सोना क मुनरी दिहेस। उ ओका दुइ बाजूबंद भी दिहेस
जउन जोखे मँ हर एक दस सेकेल रहेन। 23नउकर पूछेस,
"तोहार बाप कउन अहइ? का तोहरे बाप क घरे मँ ऍतनी
जगह बाटइ कि हम पचन क रहइ अउ सोवइ क सरंजाम
होइ सकइ?"

24रिबका जवाब दिहेस, "मोर बाप बतूएल अहइँ जउन
मिल्का अउ नाहोर क पूत अहइँ।" 25तब उ कहेस, "अउर
हाँ हम पचन क लगे तोहरे ऊँट बरे चारा बाटइ अउ तोहरे
सोवइ बरे जगह अहइ।"

26नउकर मूँड़ि निहुराएस अउ यहोवा क आराधना किहेस।
27नउकर कहेस, "मोरे सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा
क धन्न हो। यहोवा हमरे सुआमी प दयालु अहइ। यहोवा
मोका आपन सुआमी क पूत बरे सही लड़की दिहे अहइ।"

28तब रिबका दौड़ी अउ जउन कछू भवा रहा आपन
परिवार क बताएस। 29-30रिबका क एक भाई रहा। ओकर
नाउँ लाबान रहा। रिबका ओका उ बातन क बताएस जउन
ओसे उ मनई किहे रहा। लाबान ओकर बातन अनकत रहा।

जब लाबान मुनरी अउ बहिनी क बाँहे प बाजूबन्द निहारेस तउ उ धाइके इनारा प पहोंचा अउर हुआँ उ मनई इनारा क लगे, ऊँटियन क बगल मँ ठाड़ रहा।

31लाबान कहेस, "साहेब, आप पधारइँ आप क सुआगत अहइ। आप क हिआँ बाहेर खड़ा नाही रहब बाटइ। मइँ आपक ऊँटियन बरे एक जगह बनइ दीन्ह ह अउ आप सोवइ बरे एक ठु कमरा ठीक कइ दीन्ह ह।"

32ऍह बरे इब्राहीम क नउकर लाबन क घर गवा। लाबान ऊँटन पइ स बोझ उतारइ मँ ओकर मदद किहस अउ ऊँटन क खाइ बरे चारा दिहस। तब लाबान पानी दिहस जेहसे उ मनई अउ ओकरे संग आए भएन दूसर नउकरन आपन गोड़ पखारि सकइँ। 33तब लाबान ओका खाइ बरे दिहस। मुला नउकर खइया क खाइ स मना कइ दिहस। उ कहेस, "मइँ तब तलक भोजन न करब जब तलक मइँ इ नाहीं बताइ देउँ कि मइँ हिआँ काहे बरे आवा अहउँ।"

ऍह बरे लाबान कहेस, "तब हम पचन क बतावा।"

### रिबका इसहाक क मेहरारु बनी

34नउकर कहेस, "मइँ इब्राहीम क नउकर अहउँ। 35यहोवा हमरे सुआमी प हर एक जगह कृपा किहेस ह। मोर मालिक महान मनई होइ ग अहइँ। यहोवा इब्राहीम क कइउ भेड़िन क झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड दिहे अहइ। इब्राहीम क लगे ढेरि क सोना, चाँदी अउ नउकर अहइँ। इब्राहीम क लगे बहोत स ऊँट अउ गदहा अहइँ। 36सारा, मोर सुआमी क पत्नी अहइ। जब उ बहोतइ बुढ़ाइ गइ उ एक पूत क जन्म दिहेस अउ हमार सुआमी आपन सब कछू उ पूत क दइ दिहस ह। 37मोर सुआमी मोका एक बचन देइ बरे बेबस किहस। मोर सुआमी मोसे कहेस, 'तू मोरे पूत क कनान क लरिकी स कउनो भी तरह बियाह नाहीं करइ देब्या। हम पचे ओनके बीच रहित ह, मुला मइँ नाहीं चाहित कि उ कउनो कनानी लरिकी स बियाह करइ। 38ऍह बरे तोहका बचन देइ क होइ कि तू मोरे बाप क देस जाब्या। मोरे परिवार मँ जा अउ मोरे पूत बरे एक ठु दुलहिन चुना।' 39मइँ आपन सुआमी स कहेउँ, 'इ होइ सकत ह कि उ दुलहिन मोरे संग इ देस मँ आवइ स इन्कार करेस।' 40मुला मोर मालिक कहेस, 'मइँ यहोवा क सेवा करत हउँ अउ यहोवा तोहरे संग आपन सरगदूत पठई अउ तोहार मदद करी। तोहका हुआँ मोरे आपन लोगन मँ स मोरे पूत बरे एक दुलहिन मिली। 41मुला जदि तू मोरे पिता क देस जात ह अउर उ पचे मोरे पूत बरे एक ठु दुलहिन देब मना करत हीं तउ तोहका इ बचन स छुटकारा मिलि जाइ।'

42"आजु मइँ इ इनारा प आवा हउँ अउर मइँ कहेउँ ह, 'हे यहोवा मोर सुआमी क परमेस्सर कृपा कइके मोर जात्रा सुफल बनावा। 43मइँ हिआँ इनारा क लगे रुकब अउ पानी भरइ बरे आवइ वाली नवखिल मेहरारु क जोहब। तब मइँ कहब, "कृपा कइके आप आपन कूँड़ा स पिअइ बरे पानी द्या।" 44नीक बिटिया ही खास तरह स जवाब देइ। उ कही, "इ पानी पिआ अउ मइँ तोहरे ऊँटियन बरे पानी लावत अहउँ।" इ तरह मइँ जानब कि इ उहइ मेहरारु अहइ जेका यहोवा मोर सुआमी क पूत बरे चुने अहइ।'

45"मोर पराथना पूरी होइ क पहिले ही रिबका इनारा प पानी भरइ आइ। पानी क कूँड़ा उ आपन काँधे प लइके धरे रही। उ इनारा तलक गइ अउ उ पानी भरेस। मइँ एहसे कहेउँ, "कृपा कइके मोका तनिक पानी द्या। 46उ फउरन काँधे स कूँड़ा क निहुराएस अउ मोरे बरे पानी उड़ेरेस अउ कहेस, 'इ पिअइँ अउ मइँ आप क ऊँटियन बरे पानी लिआउब।' ऍह बरे मइँ पानी पिएउँ अउ आपन ऊँटन क भी पानी पियाएउँ। 47तब मइँ एहसे पूछेउँ, 'तोहार पिता कउन अहइँ?' इ जवाब दिहस, 'मोर पिता बतूएल अहइ। मोरे पिता क महतारी-बाप मिल्का अउ नाहोर अहइँ।' तब्बइ मइँ ऍका मुनरी अउ बाँहे बरे बाजूबन्द दिहेउँ ह। 48उ टेम मइँ आपन मूँड़ी निहुराएउँ अउ यहोवा क धन्न कहेउँ। मइँ आपन सुआमी इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा क प्रसंसा किहा। मइँ ओका धन्न कहेउँ काहेकि उ सोझेइ मोरे सुआमी क भाई क नतिनी तलक मोका पहोंचाएस। 49अब बतावा कि तू का करब्या? का तू मोरे सुआमी प दयालु अउ स्वामिभक्त होब्या अउ आपन बिटिया ओका देब्या? या तू आपन बिटिया देब मना करब्या? मोका बतावा, जेहसे, मइँ इ समुझ सकउँ कि मोका का करइ क बाटइ।"

50तब लाबान अउ बतूएल जवाब दिहन, "हम पचे इ लखत अही कि इ यहोवा कइँती स बाटइ। ऍका हम सबइ टारि नाहीं सकित। 51रिबका तोहार अहइ। ओका ल्या अउ जा। आपन सुआमी क पूत स एका बियाह करइ द्या। इहइ अहइ जेका यहोवा चाहत ह।"

52इब्राहीम क नउकर सुनेस अउ उ यहोवा क समन्वा भुइँया प निहुरा। 53तब उ रिबका क उ सबइ भेंट दिहस जउन उ संग लिआवा रहा। उ रिबका क सोना अउ चाँदी क गहना अउ बहोत स सुन्नर ओढ़ना दिहस। उ, ओकरे भाई अउ महतारी क कीमती भेंट दिहस। 54नउकर अउ ओकरे संग क मनई हुआँ ठहरेन अउ खाएन अउर पिएन। उ पचे हुआँ राति भइ ठहरेन। उ पचे दूसर दिन भिन्सारे उठेन अउ बोलेन "अब हम आपन मालिक क लगे जाब।"

55रिबका क महतारी अउ भाई कहेन, "रिबका क हम लोगन क लगे कछू दिन अउ ठहरइ द्या। ओका दस दिन तलक हमरे संग ठहरइ द्या। ऍकरे पाछे उ जाइ सकत ह।"

56मुला नउकर ओनसे कहेस, "यहोवा मोर जात्रा सफल किहेस ह। अब मोसे जिन जोहावा। मोका आपन मालिक क लगे लौटि जाइ द्या।"

57रिबका क भाई अउ महतारी कहेन, "हम पचे रिबका क बोलाउब अ ओसे पूछब कि उ का चाहत ह?" 58उ पचे रिबका क बोलाएन अउ ओसे कहेन, "का तू इ मनई क संग अबहिं जाइ चाहत अहा?" रिबका कहेस, "हाँ, मइँ जाब!"

59ऍह बरे उ पचे रिबका क इब्राहीम क नउकर अउ ओकरे संगी लोगन क साथे जाइ दिहन। रिबका क धाई भी ओनके संग गइ। 60जब उ जाइ लाग अउ उ पचे रिबका स बोलेन,

"हमार बहिनी, तू लाखन मनइयन क महतारी बना अउ
तोहार संतान आपन दुस्मनन क हरावइँ अउ ओनके सहरन
क हड़प लेइँ।"

61तब रिबका अउ धाई ऊँट प सवार भइन अउ नउकर
अउ ओकरे संगी लोगन क पाछे चलइ लागिन। इ तरह
नउकर रिबका क संग लिहस अउ घरे लउटइ बरे जात्रा
सुरु किहस।
62इ टेम इसहाक बेर लहैरोई क तजि दिहे रहा अउ
नेगेव मँ रहइ लाग। 63एक संझा क इसहाक मइदान मँ
टहरत रहा। इसहाक नजर दउड़ाएस अउ बहोत दूर स ऊँटन
क आवत लखेस।
64रिबका लखेस अउ इसहाक क निहारेस। तब उ ऊँट
स कूदि पड़ी। 65उ नउकर स पूछेस, "हम मनइयन स मिलइ
बरे खेतन मँ टहरत उ मनई कौन अहइ?"
नउकर कहेस, "इ मोरे सुआमी क पूत अहइ।" ऍह बरे
रिबका आपन मुँह क पर्दा मँ छिपाइ लिहस।
66नउकर इसहाक क उ सबइ बातन क बताएस जउन
घटि गइ रहिन। 67तब इसहाक बिटिया क आपन महतारी क
तम्बू मँ लिआवा। उहइ दिन रिबका इसहाक क मेहरारु होइ
गइ। इसहाक ओसे बहोत पिआर करत रहा। ऍह बरे इसहाक
क आपन महतारी क मउत क पाछे भी धीरज अउ दिलासा
मिली।

### इब्राहीम क परिवार

25 इब्राहीम फुन बियाह किहस। ओकर नई मेहरारु क
नाउँ कतूरा रहा। 2कतूरा जिम्रान, योच्छान, मिधान,
मिदान यिसबाक अउ सूह क जन्म दिहेस। 3योच्छान, सबा
अउ ददान क बाप रहा। ददान क संतानन अस्सूर, लुम्मी
अउ लतूसी लोग रहेन। 4मिद्यान क पूत एपा, एपेर, हनोक,
अबीदा अउ एल्दा रहेन। इ सबहिं पूत इब्राहीम अउ कतूरा
स पइदा भएन। 5-6इब्राहीम मरइ स पहिले आपन मेहरारु
नउकरन क पूतन क कछू भेंट दिहस। इब्राहीम पूतन क
पूरब पठएस। उ ऍनका इसहाक स दूर पठएस। ऍकरे पाछे
इब्राहीम आपन सबहिं चीजन इसहाक क दइ दिहस।
7इब्राहीम एक सौ पचहत्तर बरिस क उमर तलक जिअत
रहा। 8इब्राहीम धीमे धीमे दुबराइ गवा अउ संतुट्ठ जीवन
बिताइ क पाछे चल बसा। उ लम्बी भरपूर जिन्नगी बिताएस
अउर ओका दफना दीन्ह गवा रहा। 9ओकर पूत इसहाक
अउ इस्माएल ओका मकपेला क गुफा मँ दफनाएन। इ
गुफा सोहर क पूतन एप्रोन क खेते मँ अहइ। इ मम्रे क
पूरब मँ रही। 10इ उहइ गुफा अहइ जेका इब्राहीम हित्ती
लोगन स बेसहे रहा। इब्राहीम क ओकर मेहरारु सारा क
संग गाड़ा गवा। 11इब्राहीम क मरइ क पाछे परमेस्सर
इसहाक प कृपा किहेस अउ इसहाक बेर लहैरोई मँ रहत
रहा।
12इस्माएल क परिवार क इ सूची अहइ। इस्माएल
इब्राहीम अउ हाजिरा क पूत रहा। (हाजिरा सारा क मिस्र देस
क दासी रही।) 13इस्माएल क पूतन क इ सबइ नाउँ अहइँ
पहिला पूत नबायोत रहा, तब केदार पइदा भवा, तब अदबेल,
मिबसाम, 14मिस्मा, दूमा, मस्सा, 15हदद, तेमा, यतूर, नापीस
अउ केदमा भएन। 16इ सबइ इस्माएल क पूतन क नाउँ
रहेन। हर एक पूत क आपन गाँव या सिबिर रहेन। आपन
कबील क उपचे बारह राजकुमार रहेन। 17इस्माएल एक सौ
सैंतीस बरिस जिअत रहा। तबहीं उ मर गवा अउ दफना
दीन्ह गवा रहा। 18इस्माएल क सन्तानन हवीला स लइके
सूर क लगे मिस्र क चौहद्दी अउ ओसे भी आगे अस्सूर
क किनारे तलक, बसे रहेन अउ आपन रस्तेदारन पइ हमला
करत रहेन।

### इसहाक क परिवार

19इ इसहाक क कहानी बाटइ। इब्राहीम क एक पूत
इसहाक रहा। 20जब इसहाक चालीस बरिस क रहा तब उ
रिबका स बियाह किहस। रिबका पद्दनराम क रहइवाली
रही। उ अरामी बतूएल क बिटिया रही अउ लाबान क बहिन
रही। 21इसहाक क बसही बच्चा नाहीं पइदा कइ सकी। ऍह
बरे इसहाक यहोवा स आपन मेहरारु बरे पराथना किहस।
यहोवा इसहाक क बिनती सुनेस अउ यहोवा रिबका क गरभ
धारण करइ दिहस।
22जब रिबका गरभ धारण किहे रही तब ओकरे गर्भ मँ
बच्चे एक दूसर क संग धक्का धक्की करत रहेन। रिबका
यहोवा स पराथना किहेस अउ बोली, "मोरे संग अइसा काहे
होत अहइ।" 23यहोवा कहेस "तोहरे गर्भ मँ दुइ रास्ट्र अहइँ।
दुइ परिवारन क राजा तोहसे पइदा होइहीं अउ उ पचे
अलगाइ जइहीं। एक पूत दूसर स बलवान होइ। बड़का पूत
छोटके पूत क सेवा करी" 24अउर जब टेम पूरा भवा तउ
रिबका जुड़ौधा लरिकन क जन्मेस। 25पहिला लरिका लाल
भवा। ओकर खाल रोवाँदार ओढ़ना क नाईं रही। ऍह बरे
ओकर नाउँ एसाव पड़ा। 26जब दूसर लरिका पइदा भवा, उ
एसाव क एँड़ी क मजबूती स धरे रहा। ऍह बरे उ लरिका क
नाउँ याकूब पड़ा। इसहाक क उमिर उ टेम साठ बरिस क
रही। जब याकूब अउ एसाव पइदा भएन।
27लरिकन बड़ा भएन। एसाव एक होसियार सिकारी भवा।
उ मइदानन मँ रहब पसन्द करइ लाग। मुला याकूब सान्त
रहा। उ आपन तम्बू मँ रहत रहा। 28इसहाक एसाव क
पिआर करत रहा। उ ओन जनावरन क खाब पसन्द करत
रहा जेका एसाव मारि क लइ आवत रहा। मुला रिबका
याकूब क पिआर करत रही।
29एक दाईं एसाव सिकार स लउटा। उ भूख स थका
अउ कमजोर होइ गवा रहा। याकूब कछू दाल पकावत रहा।
30इ कारण एसाव याकूब स कहेस, "मइँ भूख स कमजोर
होत अहउँ। तू उ लाल दाल मँ स कछू मोका द्या।" (इहइ
कारण अहइ कि लोग ओका एदोम कहत हीं।)
31मुला याकूब कहेस, "तोहका पहिलौठी होइ क अधिकार
मोका आज बेचइ करइ क होइ।"
32एसाव कहेस, "मइँ भूख स मरा जात अहउँ। अगर मइँ
मरि जात अहउँ तउ मोरे बाप क सब धन मोर मदद नाहीं
कर पाइ। ऍह बरे तोहका मइँ आपन हींसा देब।"
33मुला याकूब कहेस, "पहिले बचन द्या कि तू इ मोका
देब्या।" ऍह बरे एसाव याकूब क बचन दिहस। एसाव आपन
पिता क धन क आपन हींसा याकूब क बेच दिहस। 34तब
याकूब एसाव क रोटी अउ भोजन दिहस। एसाव खाएस,
पिएस अउ तब चला गवा। इ तरह एसाव इ देखॉएस कि उ
पहिलौटा होइ क आपन अधिकार क परवाह नाहीं किहेस।

### इसहाक अबीमेलेक स झूठ बोलत ह

26 एक दँई अकाल पड़ा। इ अकाल वइसा ही रहा
जइसा इब्राहीम क टेम मँ पड़ा। ऍह बरे इसहाक
गरार सहर मँ पलिस्तियन क राजा अबीमेलेक क लगे गवा।
2यहोवा इसहाक स बात किहस। यहोवा इसहाक स इ कहेस,
"मिस्र क जिन जा। उहइ देस मँ रहा जेहमाँ रहइ क हुकुम
मइँ तोहका दिहेउँ ह। 3उहइ देस मँ रहा अउर मइँ तोहरे
संग रहब। मइँ तोहका आसीर्बाद देब। मइँ तोहका अउ तोहरे
परिवार क इ सब पहँटा देब। मइँ उहइ करब जउन मइँ
तोहरे बाप इब्राहीम क बचन दिहेउँ ह। 4मइँ तोहरे परिवार क
आकास क तारा समूह क तरह बहोत स बनाउब अउर मइँ
सारा पहँटा तोहरे परिवारे क देब। धरती क सब रास्ट्र तोहरे
सन्तानन क कारण मोर आसीर्बाद पाइ जइहीं। 5मइँ इ ऍह
बरे करब कि तोहार बाप मोर हुकुम क मानेस अउ मइँ
जउन कछू कहेउँ, उ किहस। इब्राहीम मोरे हुकुमन, मोर
कानूनन अउ मोरे नेमन क पालन किहस।"

6इसहाक रुका अउ गरार मँ रहा। 7इसहाक क मेहरारु
रिबका बहोत सुन्नर रही। उ जगह क मनइयन इसहाक स
रिबका क बारे मँ पूछेन। इसहाक कहेस, "इ मोर बहिन
अहइ।" इसहाक इ कहइ स डेरान कि रिबका मोर मेहरारु
अहइ। इसहाक डेरात रहा कि मनई ओकर मेहरारु क पावइ
क ओका मारि डइहीं।

8जब इसहाक हुआँ बहोत टेम तलक रहि चुका, तउ एक
दिन अबीमेलेक आपन खिड़की स बाहेर झाँकिस अउ लखेस
कि इसहाक, रिबका क संग हँसी अउर खेल करत अहइ।
9अबीमेलेक इसहाक क बोलाएस अउ कहेस, "इ मेहरारु
तोहार पत्नी अहइ। तू हम पचन स इ काहे कह्या कि इ
मोर बहिन अहइ।"

इसहाक ओसे कहेस, "मइँ डेरात रहेउँ कि तू ओका पावइ
बरे मोका मारि डउब्या।"

10अबीमेलेक कहेस, "तू हम पचन क बुरा किह्या ह।
हम पचन क कउनो भी मनई तोहरे पत्नी क संग सोइ
सकत रहा। तब उ बड़के पाप क दोखी होत।"

11ऍह बरे अबीमेलेक सबहिं मनइयन क चिताउनी दिहस।
उ कहेस, "इ मनसेधू अउ इ मेहरारु क कउनो चोट नाहीं
पहोंचाई। अगर कउनो ऍनका चोट पहोंचाइ तउ उ मनई जान
स मारि दीन्ह जाइ।"

### इसहाक धनी बना

12इसहाक उ भुइँया प खेती किहस अउ उ बरिस ओकरे
बहोतइ फसिल भइ। यहोवा ओह प बहोतइ कृपा किहेस।
13इसहाक धनी होइ गवा। उ जियादा स जियादा धन तब
तलक बटोरत रहा जब तलक बहोत धनी नाहीं होइ गवा।
14ओकरे लगे बहोत स झुण्ड अउ गोरुअन क झुण्ड रहेन।
ओकरे लगे ढेर दास भी रहेन। सबहिं पलिस्ती ओसे डाह
राखत रहेन। 15ऍह बरे पलिस्तियन ओन सबहिं इनारन क
बर्बाद कइ दिहन जेनका इसहाक क बाप इब्राहीम अउ
ओकर साथी लोगन कइउ साल पहिले खने रहेन। पलिस्तियन
ओनका माटी स पाट दिहन 16अउर अबीमेलेक इसहाक स
कहेस, "हमार देस तजि द्या। तू हम पचन स बहोत जियादा
सक्तीवाला होइ गवा अहा।"

17ऍह बरे इसहाक उ जगह तजि दिहस अउ गरार क
छोटी नदी क लगे पड़ाव डालेस। इसहाक हुँवइ ठहरा अउ
हुवँइ रहा। 18एकरे बहोत पहिले इब्राहीम कइउ इनारा खने
रहा। जब इब्राहीम मरा तउ पलिस्तियन माटी से इनारा पाटि
दिहन। ऍह बरे हुँवइ इसहाक लौटा अउ ओन इनारन क फुन
खनेस। उ इनार क उहइ नाउँ दिहेस जउन नाउँ ओकर पिता
दिहे रहा। 19इसहाक क नउकरन छोटी नदी क लगे एक
इनारा खनेन। उ कुआँ स पानी क एक सोता फूट पड़ा।
20तब गरार क गड़रिया लोग उ इनारा क कारण इसहाक
क नउकरन स झगड़इ लागेन। उ पचे कहेन, "इ पानी हमार
अहइ।" ऍह बरे इसहाक ओकर नाउँ एसेक राखेस। उ इ
नाउँ ऍह बरे दिहस कि उहइ जगह प उ मनइयन ओसे
झगड़ा किहे रहेन।

21तब इसहाक क नउकरन दूसर इनारा खनेन। हुआँ क
मनइयन उ इनारा बरे भी झगड़ेन। ऍह बरे इसहाक उ इनारा
क नाउँ सित्ना राखेस।

22इसहाक हुआँ स हटा अउ दूसर इनारा खनेस। उ इनारा
बरे झगड़ा करइ कउनो नाहीं आवा। ऍह बरे इसहाक उ
इनारा क नाउँ रहोबोत राखेस। इसहाक कहेस, "यहोवा हिआँ
हमरे बरे जगह दियाएस ह। हम पचे प्रगति करब अउर
बढ़ब अउ इहइ भुइँया पइ पूरी तरह सफल होइ जाब।"

23उ जगह स इसहाक बेर्सेबा क गवा। 24यहोवा उ रात
इसहाक स बोला, "मइँ तोहरे पिता इब्राहीम क परमेस्सर
अहउँ। जिन डेराअ। मइँ तोहरे संग अहउँ अउ मइँ तोहका
आसीर्बाद देब। मइँ तोहरे परिवार क महान बनाउब। मइँ
आपन सेवक इब्राहीम क कारण इ करब।" 25ऍह बरे
इसहाक उ जगह यहोवा क आराधना बरे एक वेदी बनाएस।
इसहाक हुआँ पड़ाव डालेस अउ ओकर नउकर लोग एक
इनारा खनेन।

26अबीमेलेक गरार स इसहाक क लखइ आवा। अबीमेलेक
आपन संग सलाहकार अहुज्जत अउ सेनापति पीकोल क
लइ आवा। 27इसहाक पूछेस, "तू मोका लखइ काहे आया
ह? तू एकरे पहिले मोरे संग दोस्ती नाहीं राखत रह्या। तू
मोका आपन देस तजि देइ क बेबस किहा।"

28उ पचे जवाब दिहन, "अब हम पचे जानित ह कि
यहोवा तोहार संग अहइ। इ बरे हम चाहित ह कि हम पचे
तोहरे संग एक समझौता करी। हम चाहित ह कि तू हमका
एक बचन द्या। 29हम पचे तोहका चोट नाहीं पहोंचावा, अब
तू पचन क इ बचन देइ चाही कि तू हम लोगन क चोट
नाहीं पहोंचउब्या। हम पचे तोहका पठवा ह। मुला हम पचे
तोहका सान्ति स पठवा ह। अब इ बात साफ अहइ कि
यहोवा तोहका आसीर्बाद दिहेस ह।"

30ऍह बरे इसहाक ओनका दावत दिहस। सबहिं खाएन
अउ पिएन। 31दूसर दिन भिन्सारे हर एक मनई बचन दिहस
अउ किरिया खाएस। तब इसहाक ओनका सान्ति स बिदा
किहस अउ उ पचे कुसल स ओकरे निचके स चला आएन।

32उ दिना इसहाक क नउकर आएन अउ उ पचे आपन
खना इनारा क बारे मँ बताएन। नउकरन कहेन, "हम पचे उ

इनारा स पानी पिआ ह।" 33ऍह बरे इसहाक ओकर नाउँ सिबा रखेस अउ उ सहर अबहिं भी बेर्सेबा कहवावत ह।

### एसाव क मेहररुअन

34जब एसाव चालीस बरिस क भवा उ हित्ती मेहररुअन स बियाह किहस। एक बेरी क बिटिया यहूदीत रही। दूसर एलोन क बिटिया बासमत रही। 35इ सबइ बियाहे स इसहाक अउ रिबका क मन दु:खी भवा।

### उत्तराधिकार क झगड़ा

27 जब इसहाक बुढ़ाइ वा तउ ओकर अँखियन नीक नाहीं रहिन। इसहाक साफ-साफ नाहीं लखि सकत रहा। एक दिन उ आपन बड़का पूत एसाव क बोलाएस। इसहाक कहेस, "बेटवा!"

एसाव जवाब दिहस, "हाँ, पिताजी!"

2इसहाक कहेस, "लखा, मइँ बुढाइ गवा अहउँ। होइ सकत ह कि मइँ हाली ही मरि जाउँ। 3अब तू आपन तीरन अउ धनुख लइके, मोरे खातिर सिकार प जा। मोरे खाइ बरे एक ठु जनावर मारि लिआवा। 4मोर मनचाहा खइया क बनावा। ओका मोरे लगे लिआवा, अउर मइँ एका खाब। तब मइँ मरइ स पहिले असीसब।" 5ऍह बरे एसाव सिकार करइ गवा।

### याकूब इसहाक स छल-कपट किहस

रिबका उ सबइ बात सुनि लिहे रही, जउन इसहाक आपन पूत एसाव स कहेस। 6रिबका आपन पूत याकूब स कहेस, "सुना, मइँ तोहरे बाप क, तोहरे भाई स बतियात सुनेउँ ह। 7तोहार पिता कहेस, 'मोरे खाइ बरे एक जनावर मारा। मोरे बरे भोजन बनावा, अउ मइँ ओका खाब। तब मइँ मरइ क पहिले तोहका आसीर्बाद देबा' 8ऍह बरे पूत सुना। मइँ जउन कहति अहउँ, करा। 9आपन बोकरियन क बीच जा अउ दुइ नई बोकरी लिआवा। मइँ ओनका वइसा बनाउब जइसा तोहरे पिता क सोहाइ। 10तबइ तू उ भोजन आपन पिता क लगे लइ जाब्या अउ उ मरइ क पहिले तोहका ही आसीर्बाद देइ।"

11मुला याकूब आपन महतारी रिबका स कहेस, "मुला मोर भाई रोंवादार अहइ अउ मइँ ओकरी जगह रोवांदार नाहीं अहउँ। 12जदि मोर बाप मोका छुअत हीं, तउ जान लेइहीं कि मइँ एसाव नाहीं अहउँ। तब उ पचे मोका आसीर्बाद नाहीं देइहीं। उ पचे मोका सरापिहीं काहेकि मइँ ओनके संग छल-कपट करइ क जतन किहेउँ ह।"

13यह पइ रिबका ओसे कहेस, "जदि कउनो परेसानी होइ तउ मइँ आपन दोख मान लेब। जउन मइँ कहति हउँ करा। जा, मोरे बरे बोकरियन लिआवा।"

14याकूब ऍह बरे बाहेर गवा अउ उ दुइ बोकरियन क धरेस अउ आपन महतारी क लगे लइ आवा। ओकर महतारी इसहाक क पसंद क अनुसार विसेख तरीका स पकाएस। 15तब रिबका उ पोसाक क उठाएस जउन ओकर बड़का पूत एसाव पहिरब पसंद करत रहा। रिबका आपन छोटका पूत याकूब क ओढ़ना पहिराइ दिहस। 16रिबका बोकरियन क चाम क लिहस अउ याकूब क हाथे अउर गला प बाँध दिहस। 17तब रिबका आपन पकावा भोजन उठाएस अउ ओका याकूब क दिहस।

18याकूब पिता क लगे गवा अउ बोला, "पिता जी।"

अउर ओकर पिता पूछेस, "हाँ पूत, तू कउन अहा?"

19याकूब आपन पिता स कहेस, "मइँ आप क बड़का बेटवा एसाव अहउँ। आप जउन कहेन ह, मइँ कर दिहेउँ ह। अब आप बइठइँ अउ ओन जनावरन क खाइँ जेनकइ सिकार मइँ आप क बरे किहेउँ ह। तब आप मोका आसीर्बाद दइ सकत हीं।"

20मुला इसहाक आपन पूत स कहेस, "तू ऍतनी हाली सिकार कइके जनावरन क कइसे मार्‌या ह?"

याकूब जवाब दिहस, "काहेकि आप क परमेस्सर यहोवा मोका हाली ही जनावरन क दियाइ दिहस।"

21तब इसहाक याकूब स कहेस, "मोर पूत मोरे लगे आवा जेहसे मइँ तोहका छुइ सकउँ। जदि मइँ तोहका छुइ सकउँ तउ मइँ इ जान जाब कि तू असलियत मँ मोर पूत एसाव अहा।"

22याकूब आपन बाप इसहाक क लगे गवा। इसहाक ओका छुएस अउ कहेस, "तोहार आवाज याकूब जइसी अहइ। मुला तोहार बाँहन एसाव क रोंवादार बाहन क नाईं अहइँ।" 23इसहाक इ नाहीं जान पावा कि इ याकूब अहइ काहेकि ओकर बाँह एसाव क बाँह क नाईं रोंवादार रहिन। ऍह बरे इसहाक याकूब क असीसेस।

24इसहाक कहेस, "का सचमुच तू मोर पूत एसाव अहा?"

याकूब जवाब दिहस, "हाँ, मइँ अहउँ।"

### याकूब बरे आसीर्बाद

25तब इसहाक कहेस, "भोजन लिआवा। मइँ एका खाब अउ तोहका असीर्बाद देब।" ऍह बरे याकूब ओका भोजन दिहस अउ उ खाएस। याकूब ओका दाखरस दिहस, अउर उ ओका पिएस।

26तब इसहाक ओसे कहेस, "पूत, मोरे निचके आवा अउ मोका चूमा।" 27ऍह बरे याकूब आपन बाप क लगे गवा अउ ओका चूमेस। इसहाक एसाव क ओढ़ना क गन्ध पाएस अउ ओका असीसेस।

इसहाक कहेस, "अहा, मोर पूत क सुगन्ध यहोवा स बरदान पाइ गए खेतन क सुगन्धि क नाईं बाटइ।

28यहोवा तोहका बहोत बर्खा देइ। जेसे तोहका बहोत फसिल अउ दाखरस मिलइ।

29सब लोग तोहार सेवा करइँ। रास्ट्र तोहरे समन्वा निहुरइ। तू आपन भाई लोगन क ऊपर राज्ज करब्या। तोहरी महतारी क पूत तोहरे समन्वा निहुरिहीं अउ तोहार हुकुम मनिहीं।

हर एक मनई जउन तोहका सरापी, सराप पाइ

अउ हर एक मनई जउन तोहका आसीर्बाद देइ, आसीर्बाद पाइ।"

### एसाव क "आसीर्बाद"

30इसहाक याकूब क आसीर्बाद देब पूरा किहेस। तब जइसेन ही याकूब आपन बाप इसहाक क निचके स गवा,

वइसेन ही एसाव सिकार कइके भीतर आवा। 31एसाव आपन पिता क मनचाहा भोजन बनाएस। एसाव ऍका आपन पिता क निचके लिआवा। उ आपन पिता स कहेस, "पिता जी, उठईँ अउ उ भोजने क खाईँ जउन आपका पूत आप क बरे मारेस ह। तब आप मोका आसीर्बाद दइ सकत हीं।"

32मुला इसहाक ओसे कहेस, "तू कउन अहा?"

उ जवाब दिहस, "मईँ आप क पहिलौठी पूत एसाव अहउँ।"

33तब इसहाक बहोतइ परेसान होइ गवा अउ बोला, "तब तोहरे आवइ स पहिले उ कउन रहा? जउन भोजन बनाएस अउ मोरे संग लावा। मईँ उ सब खाएउँ अउ ओका आसीर्बाद दिहेउँ। अब आपन आसीर्बाद क लउटावइ क टेम निकरि गवा अहइ।"

34एसाव आपन पिता क बात सुनेस। उ बहोतइ गुस्साइ गवा अउ करुआइ गवा। उ चिचियान। उ आपन बाप स कहेस, "पिताजी, तब मोका भी आसीर्बाद देईँ।"

35इसहाक कहेस, "तोहार भाई मोका धोखा दिहेस। उ आवा अउ तोहार आसीर्बाद लइके गवा।"

36एसाव कहेस, "ओकर नाउँ ही याकूब अहइ। इ नाउँ ओकरे बरे ठीक ही अहइ। ओकर इ नाउँ बिल्कुल ठीक ही रखा गवा अहइ। उ फुरइ चालबाज अहइ। उ मोका दुइ दाईं धोखा दिहेस। उ पहिलउठी होइ क मोरे अधिकार क लइ ही चुका बाटइ अउर अब उ मोरे हींसा क आसीर्बाद क भी लइ लिहस।" तब एसाव कहेस, "का आप मोरे बरे कउनो आसीर्बाद बचाइके रख्या ह?"

37इसहाक जवाब दिहस, "नाहीं, अब बहोत देर होइ गइ। मईँ याकूब क तोहरे ऊपर राज्ज करइ क अधिकार दइ दिहेउँ ह। मईँ इ भी कहि दिहेउँ ह कि सब भाई ओकर सेवक होइहीं। मईँ ओका बहोत जियादा अन्न अउ दाखरस क आसीर्बाद दिहेउँ ह। पूत तोहका देइ क कछू नाहीं बचा अहइ।"

38मुला एसाव आपन पिता स माँगत रहा। "पिता जी, का आप क लगे एक भी आसीर्बाद नाहीं बाटइ? पिताजी, मोका भी असीसा।" अइसेन एसाव रोवइ लाग।

39तब इसहाक ओसे कहेस,

"तू अच्छी भुईँया प नाहीं रहब्या। तोहरे लगे बहोत जियादा अन्न नाहीं होइ।

40तोहका जिअइ बरे संघर्स करइ क होइ अउर तू आपन भाई क दास होब्या। मुला तू अजादी बरे लड़ब्या, अउ ओकरे राज्ज स अजाद होइ जाब्या।"

41एकरे पाछे इ आसीर्बाद क कारण जउन ओकर पिता दिए रहे एसाव याकूब स घिना करत रहा। एसाव मन ही मन सोचेस, "मोर बाप हाली ही मरि जाइ अउ मईँ ओकर दुःख मनाउब। मुला ओकरे पाछे मईँ याकूब क मारि डाउब।"

42जब रिबका याकूब क मारइ बरे एसाव क जोजना क सुनेस। तउ उ याकूब क बोलाएस अउर कहेस, "सुना, तोहार भाई एसाव तोहका मारि डावइ बरे जोजना बनावत ह। 43ऍह बरे पूत जउन मईँ कहति हउँ, करा। मोर भाई लाबान हारान मेँ रहत ह। ओकरे पास जा अउ लुकान रहा। 44ओकरे लगे तनिक टेम तलक रहा जब तलक तोहरे भाई क किरोध नाहीं उतरत। 45तनिक समइ पाछे तोहार भाई भूलि जाइ कि तू ओनके संग का किहा? तब मईँ तोहका लउटावइ बरे एक ठु नउकर क पठउब। एक ही दिन दुइनउँ पूतन क मईँ खोइ देइ नाहीं चाहित।"

46तब रिबका इसहाक स कहेस, "तोहरा पूत एसाव हित्ती मेहारुअन स बियाह कइ लिहस ह। मईँ इ मेहररुअन स तंग भए गवा अहउँ काहेकि इ सबइ हमरे परिवार क लोगन मेँ स नाहीं अहईँ। अगर याकूब भी इ मेहररुअन मेँ स कउनो क संग बियाह करत ह तउ मईँ मरि जाइ चाहबिउँ।"

### याकूब मेहारु क खोज करत ह

28 इसहाक याकूब क बोलाएस अउ ओका आसीर्बाद दिहस। तब इसहाक ओका हुकुम दिहस। इसहाक कहेस, "तू कनानी मेहारु स बियाह नाहीं कइ सकत्या। 2ऍह बरे इ ठउर क तजा अउ पद्दन-अराम क जा। आपन नाना बतूएल क घराना मेँ जा। हुआँ तोहार मामा लाबान रहत ह। ओकरी कउनो एक बिटिया स बियाह करा। 3मईँ पराथना करत हउँ कि सब स सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ अउ तोहका बहोत स पूत देइ। मइ पराथना करत हउँ कि तू एक बड़का रास्ट्र क पिता बना। 4मईँ पराथना करत हउँ कि जउने तरह परमेस्सर इब्राहीम क बरदान दिहे रहा उहइ तरह उ तोहका भी आसीर्बाद देइ। मईँ पराथना करत हउँ कि परमेस्सर तोहका इब्राहीम क आसीर्बाद देइ, मईँ पराथना करत हउँ कि तू जहाँ भी रहा उ धरती तोहार कब्जा मेँ होइ। इ उहइ धरती अहइ जउन परमेस्सर इब्राहीम क दिहे रहा।"

5इ तरह इसहाक याकूब क पद्दन-अराम क पहँटा क पठएस। याकूब आपन मामा लाबान क लगे गवा। अरामी बतूएल लाबान अउ रिबका क पिता रहा अउ रिबका याकूब अउ एसाव क महतारी रही।

6एसाव क पता चला कि ओकर बाप इसहाक याकूब क आसीर्बाद दिहेस ह अउ याकूब क पद्दन-अराम मेँ एक ठु मेहारु क खोज बरे पठएस ह। एसाव क इ भी पता लाग कि इसहाक याकूब क आदेस दिहेस ह कि उ कनानी मेहारु स बियाह न करइ। 7एसाव इ समझेस कि याकूब आपन महतारी बाप क हुकुम मानेस अउ उ पद्दन-अराम क चला गवा। 8एसाव एहसे इ समझेस कि ओकर बाप इ नाहीं चाहत कि ओकर पूत लोग कनानी मेहररुअन स बियाह करईँ। 9एसाव क दुइ मेहररुअन पहिले स ही रहिन। मुला उ इस्माएल क बिटिया महलत स बियाह किहस। इस्माएल इब्राहीम क पूत रहा। महलत नबायोत क बहिन रही।

### बेतेल - परमेस्सर क घर

10याकूब बेर्सेबा क तजि दिहस अउ उ हारान क चला गवा। 11याकूब क जात्रा करत समइ मेँ सूरज बूड़ गवा रहा। ऍह बरे याकूब रात बितावइ बरे एक जगह ठहर जाइ बरे गवा। याकूब उ जगह एक ठु चट्टान लखेस सोवइ बरे आपन मूँड़ धरेस। 12याकूब सपन देखेस। उ लखेस कि एक सिड्ढी भुईँया स सरगे तलक पहोंची अहइ। 13याकूब

सरगदूतन क सिड्ढी प चढ़त उतरत लखेस अउ यहोवा क
सिड्ढी क लगे खड़ा निहारेस। यहोवा कहेस, “मइँ तोहरे
पितामह इब्राहीम क परमेस्सर यहोवा अहउँ। मइँ इसहाक क
परमेस्सर अहउँ। मइँ तोहका उ भुइँया देब जेह प तू अब
सोवत अहा। मइँ इ भुइँया तोहका अउ तोहरे संतानन क
देब। 14तोहार संतानन ओतना ही होइहीं जेतना भुइँया प माटी
क कण बाटेन। उ पचे पूरब, पच्छिम, उत्तर अउ दक्खिन
चारिहूँ कइँती फइलिहीं। धरती क सबहिं परिवार तोहरे
संतानन क कारण बरदान पइहीं।

15“मइँ तोहरे संग अहउँ अउर मइँ तोहार रच्छा करब।
जहाँ भी जाब्या अउ मइँ इ भुइँया प तोहका लउटाइ
लिआउब। मइँ तोहका तब तलक नाहीं तजि देब जब तलक
मइँ उ नाहीं कइ लेब जउन मइँ करइ क बचन दिहेउँ ह।”

16तब याकूब आपन नीदं स उठा अउ बोला, “मइँ जानत
हउँ कि यहोवा इ जगह प अहइ। मुला हिआँ जब तलक
मइँ सोएउँ नाहीं रहे उ मइँ नाहीं जानत रहेउँ कि उ हिआँ
अहइ।”

17याकूब डेरान। उ कहेस, “इ बहोत महिमा क जगह
अहइ। इ तउ परमेस्सर क भवन अहइ। इ तउ सरग क
दुआर अहइ।”

18याकूब दूसर दिन बहोत भिन्सारे उठा। याकूब उ सिला
क उठाएस अउ ओका किनारे स ठाड़ कइ दिहस। तब उ
यह पइ तेल चढ़ाएस। इ तरह उ ऍका परमेस्सर बरे एक
स्मृति पाथर बनाएस। 19उ जगह क नाउँ लूज रहा मुला
याकूब ओका बेतेल नाम दिहस।

20तब याकूब एक बचन दिहस। उ कहेस, “जदि परमेस्सर
मोरे संग रही अउ अगर परमेस्सर, जहाँ भी मइँ जात अहउँ,
हुआँ मोर रच्छा करी। अगर परमेस्सर मोका खाइ क भोजन
अउ पहिरइ क ओढ़ना देइ। 21अगर मइँ आपन पिता क
लगे सान्ति स लउटब, जदि परमेस्सर इ सबहिं चिजियन
करी, तउ यहोवा मोर परमेस्सर होइ। 22इ जगह, जहाँ मइँ इ
पाथर स्मृति पाथर क रुप मँ खड़ा किहेउँ ह, परमेस्सर क
पवित्र ठउर होइ, अउ परमेस्सर जउन कछू मोका देइ
ओकर दसवाँ हीसां मइँ तोहका देब।”

## याकूब राहेल स मिलत ह

29 तब याकूब आपन जात्रा जारी रखेस। उ पूरब क
देस मँ गवा। 2याकूब निगाह किहेस, उ मइदान मँ
एक इनारा लखेस। हुआँ इनारा क नगिचे भेड़ी क तीन झुण्ड
पड़ी रहिन। इहइ एक इनारा रहा जहाँ इ सबइ भेड़िन पानी
पिअत रहिन। हुआँ एक बड़ी सिला स इनारा क मुँह मूँदा
रहा। 3जब सबहिं भेड़िन हुआँ बटुर जात रहिन तउ गड़रिया
चट्टान क इनारा क मुँहे प स हटावत रहेन। तब सबहिं
भेड़िन ओकर जल पी सकत रहिन। जब भेड़िन पी चुकत
रहिन तब गड़रिया सिला क फुन अपनी जगह प रख देत
रहेन।

4याकूब हुआँ गड़रिया स कहेन, “भाईयन, आप लोग
कहाँ क अहइँ?”

उ पचे जवाब दिहन, “हम पचे हारान क अही।”

5तब याकूब कहेस, “का आप लोग नाहोर क पूत लाबान
क जानत हीं?” गड़रियन जवाब दिहेन, “हम पचे ओका
जानित ह।”

6तब याकूब पूछेस, “उ कुसल स तउ अहइ?”

उ पचे कहेन, “उ सबइ ठीक अहइँ। सब कछू बहोत
नीक अहइ। लखा, उ ओकर बिटिया राहेल आपन भेड़िन क
संग आवति अहइ।”

7याकूब कहेस, “लखा, अबहिं दिन अहइ अउ सूरज
बूड़इ मँ अबहिं, काफी देर बाटइ। रात बरे जनावरन क
बटोरइ क अबहिं टेम नाहीं बा। ऍह बरे ओनका पानी द्या
अउ ओनका मइदान मँ लौटि जाइ द्या।”

8मुला उ गड़ेरियन कहेन, “हम पचे इ सबइ तब तलक
नाहीं कइ सकित जब तलक सबहिं झुण्ड नाहीं बटुरि
जातिन। तब हम पचे सिला क इनारा स हटाउब अउ सब
भेड़िन पानी पीइहीं।”

9याकूब जब गड़रिया लोगन स बात करत रहा तब राहेल
आपन बाप क भेड़िन क संग आइ। (राहेल क काम भेड़िन
क देख रेख करब रहा।) 10राहेल लाबान क बिटिया रही।
लाबान, रिबका क भाई रहा, जउन याकूब क महतारी रही।
जब याकूब राहेल क लखेस तउ जाइके सिला क हटाएस
अउ भेड़िन क पानी पियाएस। 11तब याकूब राहेल क चूमेस
अउ भोंकारा मारिके रोएस। 12याकूब बताएस कि मइँ तोहरे
बाप क खानदान स अहउँ। उ राहेल क बताएस कि मइँ
रिबका क पूत अहउँ। ऍह बरे राहेल घर क पराइ गइ अउ
आपन बाप स कहेस।

13लाबान आपन बहिन क पूत याकूब क बारे मँ खबरिया
सुनेस। ऍह बरे लाबान ओसे भेटंइ परान। लाबान ओसे गले
मिला, ओका चूमेस अउ ओका आपन घरे लइ आवा।
याकूब जउन कछू भवा रहा, ओका लाबान क बताएस।

14तब लाबान कहेस, “बहोत अच्छी बात अहइ तू हमरे
खानदाने स अहा।” ऍह बरे याकूब लाबान क संग एक
महीना तलक रहा।

## लाबान याकूब क धोखा देत ह

15एक दिन लाबान याकूब स कहेस, “इ ठीक नाहीं अहइ
कि तू हमरे हिआँ बे पगारे क काम करतइ रहा। तू नातेदार
अहा, नउकर नाहीं। मइँ तोहका का पगार देउँ?”

16लाबान क दुइ बिटिया रहिन। बड़की लिआ रही अउ
लहुरी राहेल।

17राहेल सुन्नर रही अउ लिआ क आँखियन कमज़ोर अउ
धुँधरी रहिन। 18याकूब राहेल स पिरेम करत रहा। याकूब
लाबान स कहेस, “जदि तू मोका आपन बिटिया राहेल क
संग बियाह करइ द्या तउ मइँ तोहरे हिआँ सात बरिस तलक
काम कइ सकत हउँ।”

19लाबान कहेस, “इ ओकरे बरे नीक होइ कि कउनो
दूसर क बजाय उ तोहसे बियाह करइ। ऍह बरे मोरे संग
ठहरा।”

20ऍह बरे याकूब ठहरा अउ सात बरिस तलक लाबान बरे
काम करत रहा। लेकिन इ समइ ओका बहोत कम लगा
काहेकि उ राहेल स पिरेम करत रहा। 21सात बरिस क पाछे
उ लाबान स कहेस, “मोका राखेल क द्या जेहसे मइँ

बियाह करउँ। तोहरे हिआँ मोरे काम करइ क टेम पूर होइ गवा।"

22ऍँह बरे लाबान उ जगह क सब लोग्न क एक भोज दिहस। 23उहइ राति लाबान आपन बिटिया लिआ क याकूब क लग्गे लावा। याकूब अउ लिआ अपुस मँ तन क संबंध जोड़ेन। 24(लाबान अपन बिटिया बरे, दासी क रुप मँ आपन नउकरानी जिल्पा क दिहस।) 25भिन्सारे याकूब जानेस कि उ लिआ क संग सोवा रहा। याकूब लाबान स कहेस, "तू मोका धोखा दिहा ह। मइँ तोहरे बरे कठिन मेहनत ऍँह बरे किहेउँ कि मइँ राहेल स बियाह कइ सकउँ। तू मोका धोखा काहे दिहा ह?"

26लाबान कहेस, "हम पच्चे आपन देस मँ लहुरी बिटिया क जेठ बिटिया स पहिले बियाह नाहीं करइ देइत। 27मुला बियाह क रस्म क पूरा हफता तलक मनावत रहा अउ मइँ राहेल क भी तोहका बियाह बरे देब। मुला तोहका सात बरिस तलक मोर सेवा करइ क पड़ी।"

28ऍँह बरे याकूब इहइ किहस अउ हफ्ता क बिताएस। तब लाबान आपन बिटिया राहेल क भी ओका आपन मेहरारु क रुप मँ दिहस। 29(लाबान आपन बिटिया राहेल क दासिनी क रुप मँ आपन नउकरानी बिल्हा क दिहस।) 30ऍँह बरे याकूब राहेल क संग भी तने क सम्बंध किहस अउ याकूब राहेल क लिआ स जियादा पियार किहस। याकूब लाबान बरे अउर सात बरिस तलक काम किहस।

### याकूब क परिवार बाढ़त ह

31यहोवा लखेस कि याकूब लिआ स जियादा राहेल क पिआर करत ह। ऍँह बरे यहोवा लिआ क इ जोग्ग बनाएस कि उ बच्चन क जन्म दइ सकइ। मुला राहेल क कउनो लरिका नाहीं भवा।

32लिआ एक पूत क जन्म दिहस। उ ओकर नाउँ रूबेन राखेस। लिआ ओकर नाउँ ऍँह बरे राखेस काहेकि उ कहेस, "यहोवा मोरे कष्टन क लखत ह। मोर पति मोका पिआर नाहीं करत, ऍँह बरे होइ सकत ह कि मोर भतार अब मोसे पिआर करइ"।

33लिआ फिन ग्रभधारण किहस अउ उ दूसर पूत क जन्म दिहस। उ इ पूत क नाउँ सिमोन रखेस। लिआ कहेस, "यहोवा सुनेस कि मोका पिआर नाहीं मिलत, ऍँह बरे उ मोका इ पूत दिहस।"

34लिआ फुन ग्रभधारण किहस अउ एक ठु अउर पूत क जन्मेस। उ पूत क नाउँ लेवी धरेस। लिआ कहेस, "अब फुरइ मोर भतार मोका पिआर करी। मइँ ओका तीन पूत दिएउँ ह।" 35तब लिआ एक अउर पूत क जन्मेस। उ इ लरिका क नाउँ यहूदा धरेस। लिआ ओका इ नाउँ दिहस काहेकि उ कहेस, "अब मइँ यहोवा क स्तुति करब"। तब लिआ क बच्चा होब बन्द होइ गवा।

30 राहेल लखेस कि उ याकूब बरे कउनो बच्चा क जन्म नाहीं देति अहइ। राहेल आपन बहिनी लिआ स जलन करइ लाग्ग। ऍँह बरे राहेल याकूब स कहेस, "मोका बच्चा द्या, वरना मइँ मरि जाब!"

2याकूब राहेल प किरोध किहस। उ कहेस, "मइँ परमेस्सर नाहीं अहउँ। उ परमेस्सर ही बाटइ जउन तोहका बच्चन क जन्मइ स रोक दिहस ह।" 3तब राहेल कहेस, "तू मोर दासी बिल्हा क लइ सकत ह। ओकरे संग सोआ अउ उ मोरे बरे बच्चा क जन्मी। तब मइँ ओकरे जरिये महतारी बनब।"

4इ तरह राहेल आपन भतार याकूब बरे बिल्हा क दिहस। याकूब बिल्हा क संग तने क संबंध किहस। 5बिल्हा ग्रभ धारण किहस अउ याकूब बरे एक पूत क जन्मेस।

6राहेल कहेस, "परमेस्सर मोर पराथना सुनि लिहेस ह। उ मोका एक पूत देइ क ठान लिहस ह।" ऍँह बरे राहेल इ पूत क नाउँ दान राखेस।

7बिल्हा दुसरी दाईं ग्रभ धारण किहस अउ उ याकूब क दूसर पूत दिहस। 8राहेल कहेस, "मइँ आपन बहिनी क संग कठोर संघर्स किहेउँ अउर मइँ जीत ग्एउँ ह।" ऍँह बरे उ इ पूत क नाउँ नप्ताली धरेउँ ह।

9लिआ सोचेस कि उ अउर जियादा बच्चन क जन्म नाहीं दइ सकित। ऍँह बरे उ आपन दासी जिल्पा क याकूब बरे दिहस। 10तब जिल्पा एक पूत क जन्म दिहस। 11लिआ कहेस, "मोर भाग्य बाटइ। अब मेहररुअन मोका भाग्यवती कइहीं।" ऍँह बरे उ पूत क नाउँ ग्राद राखेस। 12जिल्पा दूसर पूत क जन्मेस। 13लिआ कहेस, "मइँ बहोतइ खुस अहउँ। मेहरारू मोका "खुस" नाउँ स पुकारब्या।" ऍँह बरे उ लरिका क नाउँ आसेर धरेस।

14ग्गोहूँ कटनी क समइ रूबेन खेतन मँ ग्वा अउ कछू दूदाफल* न क लखेस। रूबेन इ दूदाफलन क आपन महतारी लिआ क लग्गे लिआवा। मुला राहेल लिआ स कहेस, "कृपा कइके आपन पूत क दूदाफलन मँ स कछू मोका दइ द्या।"

15लिआ जवाब दिहस, "तू तउ मोरे भतार क पहिले ही लइ लिहे ह। अब तू मोरे पूत क दूदाफलन क भी लइ लेइ चाहत अहा।"

मुला राहेल जवाब दिहस, "अग्गर तू आपन पूत क दूदाफल मोका देब्या तू आज रात याकूब क संग सोइ सकित ह।"

16उ रात याकूब खेते स लउटा। लिआ ओका लखेस अउ उ ओसे मिलइ ग्इ। उ कहेस, "आज राति तू मोरे संग सोउब्या। मइँ आपन पूत क दूदाफलन क तोहरे दाम क रुप मँ दिहेउँ ह।" ऍँह बरे याकूब उ रात लिआ क संग सोवा।

17तब परमेस्सर लिआ क फुन ग्रभधारण करइ दिहस। उ पाँचवें पूत क जन्म दिहस। 18लिआ कहेस, "परमेस्सर मोका इ बात क ईनाम दिहेस ह कि मइँ आपन दासी क आपन भतार क दिहेउँ ह।" ऍँह बरे लिआ आपन पूत क नाउँ इस्साकार धरेस। 19लिआ फुन ग्रभधारण किहस अउ उ छठवें पूत क जन्म दिहस। 20लिआ कहेस, "परमेस्सर मोका एक ठु सुन्नर भेंट दिहस ह। अब सचमुच ही याकूब

---

**दूदाफल (मैनडरेक्स)** इ इब्रानी सब्द क अरथ अहइ पिरेम क पौधा। उ समइ मँ लोग्न क धारना रही कि मेहररुअन क ग्भ होवइ मँ इ सहायता करत ह।

मोका अपनाई, काहेकि मइँ ओका छः लरिका दिहेउँ ह।" ऍह बरे लिआ पूत क नाउँ जबूलून धरेस।

21एकरे पाछे लिआ एक बिटिया क जन्म दिहस। उ बिटिया क नाउँ दीना राखेस।

22तब परमेस्सर राहेल क पराथना सुनेस। परमेस्सर राहेल बरे बच्चा पइदा करब संभव बनाएस। 23राहेल गरभ धारण किहेस अउ एक पूत क जन्म दिहस। 24राहेल कहेस, "परमेस्सर मोर लाज खतम कइ दिहस ह अउ मोका एक पूत दिहस ह।" ऍह बरे राहेल आपन पूत क नाउ यूसुफ राखेस। अउर उ कहेस, "परमेस्सर मोका एक अउर पूत देइ।"

### याकूब क धन दोलत बढ़त ह

25यूसुफ क जन्म क पाछे याकूब लाबान स कहेस, "अब मोका आपन घर लौटइ द्या। 26मोका मोर मेहररुअन अउ बच्चा द्या। मइँ चौदह बरिस तलक तोहरे बरे काम कइके ओनका कमावा ह। तू जानत ह कि मइँ तोहार नीक सेवा किहेउँ ह।"

27लाबान ओसे कहेस, "मोका कछू कहइ द्या। मइँ महसूस करत हउँ कि यहोवा तोहरे कारण मोहे प कृपा किहेस ह। 28बतावा कि तोहका मइँ का देउँ अउर मइँ उहइ तोहका देब।"

29याकूब जवाब दिहस, "तू जानत अहा कि मइँ तोहरे बरे कठिन मेहनत किहेउँ ह। तोहर भेड़िन क झुण्ड बाढ़िन ह अउर जब तलक मइँ ओनकइ देख भाल किहेउँ ह, ठीक रहिन ह। 30जब मइँ आवा रहेउँ, तोहरे लगे तनिक रहिन। अब तोहरे लगे बहोत जियादा अहइँ। हर दाईं जब मइँ तोहरे बरे कछू किहेउँ ह यहोवा तोहे प कृपा किहस ह। अब मोरे बरे समइ आइ ग अहइ कि मइँ आपन बरे काम करउँ, इ मोरे बरे आपन घर बनावइ क टेम अहइ।"

31लाबान पूछेस, "तब मइँ तोहका का देउँ?"

याकूब जवाब दिहस, "मइँ नाहीं चाहत कि तू मोका कछू द्या। मइँ सिरिफ चाहत हउँ कि तू जउन मइँ काम किहेउँ ह ओकर दाम चुकाइ द्या। सिरिफ इहइ एक काम करा। मइ लउटाउब अउर तोहरी भेड़िन क देखरेख करब। 32मोका आपन सबहिं भेड़िन क झुण्ड क बीच स जाइ द्या अउ दागवाली या धारीदार हर एक भेड़ी क बच्चा अउ करिया बोकरी क बच्चा क मोका लइ लेइ द्या। मोका हर एक दागवाली या धारीवाली मादा बोकरी क लइ लेइ द्या। इहइ मोर पगार होइ। 33भविस्स मँ तू असानी स लखि लेब्या कि मइँ ईमानदार अहउँ। तू मोर भेड़ी क झुण्ड लखइ आइ सकत ह। जदि कउनो बोकरी दागदार नाहीं होइ या कउनो भेड़ी करिया नाहीं होइ तउ तू जान लेब्या कि मइँ ओका चोराएउँ ह।"

34लाबान जवाब दिहस, "मइँ ऍका अंगीकार करत अहउँ। हम तोहका जउन कछू तू मँगब्या देब।"

35मुला उ दिन लाबान दागीदार बोकरन क छुपाइ दिहस अउ लाबान सबहिं दागीदार या धारीदार बोकरियन क छुपाइ दिहस। लाबान सब करिया भेड़िन क छुपाइ दिहस। लाबान आपन बेटहनन क इ सबइ भेड़िन क देखरेख करइ कहेस। 36ऍह बरे पूत लोग सबहिं दागीदार जनावरन क लिहन अउ उ पचे दुसरे ठउर प चला गाएन। उ पचे तीन दिना तलक जात्रा किहन। याकूब रुक गवा अउ बचे भए जनावरन क देखरेख करइ लगेन। मुला ओहमाँ कउनो जनावर दागदार या करिया नाहीं रहा।

37ऍह बरे याकूब चिनार, बादाम अउ अर्मोन बिरवन क हरियर डारिन क काटेस। उ ओकर छाल इ तरह उतारेस कि सबइ डार उज्जर धारीदार बनि गइन। 38याकूब पानी पिआवइ क जगह प डारिन क भेड़िन क झुण्ड क समन्वा धइ दिहस। जब गोरु पानी पिअइ आएन तउ उ जगह प गाभिन होइ बरे मिलेन। 39तब बोकरियन जब डारिन क समन्वा गाभिन होइ बरे मिलिन तउ जउन बच्चन पइदा भएन उ सबइ दागीदार, धारीदार या करिया भएन।

40याकूब दागीदार अउ करिया गोरुअन क भेड़ी क झुण्ड क गोरुअन स अलगाइ दिहस। तउ इ तरह, याकूब आपन गोरुअन क लाबान क जनावरन स अलग किहस। उ आपन भेड़िन क लाबान क भेड़िन क लगे नाहीं भटकइ दिहस। 41जब कबहुँ गोरुअन क खरका मँ हिट्ठ पुट्ठ जनावर गाभिन होइ बरे मिलत रहेन तब याकूब ओकरी अँखिन क समन्वा डारिन क रख देत रहा, ओन डारिन क निचके ही इ सबइ जनावरन धनाइ बरे मिलत रहेन। 42मुला जब कमजोर जनावर धनाइ बरे मिलत रहेन, तउ याकूब हुआ डार नाहीं धरत रहा। इ तरह मरटुट जनावरन स पइदा भएन बच्चन लाबान क रहेन। हिट्ट पुट्ठ गोरुअन स पइदा भए बच्चन याकूब क रहेन। 43इ तरह याकूब बहोत धनी होइ गवा। ओकरे लगे बहोत स रेवड़, बहोत स नउकर लोग, ऊँट अउ गदहन रहेन।

### बिदा होइ के टेम याकूब परात ह

31 एक दिन याकूब लाबान क पूतन क बतियात सुनेस। उ पचे कहेन, "हम पचन क बाप क सब कछू याकूब लइ लिहे अहइ। याकूब धनी होइ गवा अहइ, अउर इ सारा धन उ हमरे पिता स लिहेस ह।" 2याकूब इ देखेस कि लाबान पहिले क तरह पिरेम भाव नाहीं रखत ह। 3यहोवा याकूब स कहेस, "तू आपन पुरखन क देस क लउटि जा जहाँ तू पइदा भए रह्या। मइँ तोहरे संग रहब।"

4ऍह बरे याकूब राहेल अउ लिआ स उ मइदान मँ मिलइ बरे कहेस जहाँ उ बोकरियन अउ भेड़िन क खरका रखत रहा। 5उ ओन स कहेस, "मइँ लखेउँ ह कि तोहार बाप मोसे गुस्सान अहइँ। ओन क मोरे बरे उ पहिले जइसा पिरेम-भाव अब नाहीं रहा। मुला मोर बाप क परमेस्सर मोर संग रहब। 6तू दुइनउँ जानत ह कि मइँ तू लोगन क पिता बरे ओतनी करीं मेहनत किहेउँ, जेतना कइ सकत रहेउँ। 7मुला तू लोगन क बाप मोका धोखा दिहस। तोहार बाप मोर पगार दस दाईं बदलि दिहस। मुला इ पूरे टेम मँ परमेस्सर लाबान क सब धोखा स मोका बचाएस ह।

8"एक दाईं लाबान कहेस, 'तू दागवाली सबहिं बोकरियन क रख सकत ह। इ तोहार पगार होइ।' जब स उ इ कहे

रहा तब स सबहिं जनावरन दागवाली बच्चन क जन्मेन। इ तरह उ सबइ मोर रहेन। मुला लाबान तब कहेस, 'मइँ दागवाली बोकरियन क राखब। तू सारी दागवाली बोकरियन क लइ सकत ह। इहइ तोहार पगार होइ।' ओकरे इ तरह कहइ क पाछे सबहिं गोरुअन धारीदार जनावरन क जन्म दिहेन। 9इ तरह परमेस्सर जनावरन क तू पचन क पिता स लइ लिहस ह अउ मोका दइ दिहस ह।

10"जउन समइ जनावर गाभिन होइ क बरे मिलत रहेन मइँ एक सपन देखेउँ। मइँ देखेउँ कि सिरिफ नर जनावरन जउन गाभिन करइ बरे मिलत रहेन धारीदार अउ चितकबरा रहेन। 11सपन मँ परमेस्सर क सरगदूत मोसे बातन किहस। सरगदूत कहेस, 'याकूब।' "मइँ जवाब दिहेउँ 'हँ!'

12"सरगदूत कहेस, 'लखा, सिरिफ दागदार अउ धरिदार बोकरियन भी गाभिन होइ बरे मिलत रहिन। मइँ अइसा करत अहउँ। मइँ उ सब बुरा लखेउँ ह जउन लाबान तोहरे बरे करत ह। मइँ इ ऍह बरे करत हउँ कि बोकरियन क सबहिं नई बच्चन तोहार होइ जइहीं। 13मइँ उहइ परमेस्सर अहउँ जउन तोहार लग्गे बेतेल मँ आइ रहा। उ जगह तू एक वेदी बनाए रह्या अउर जइतून क तेल स ओका नहवाए रह्या अउ उ जगह तू मोसे एक प्रण किहे रहा। अब, उठा अउ उ जगहिया तजि द्या अउ वापिस आपन जन्म भूमि क लौटि जा।'"

14-15राहेल अउ लिआ याकूब क जवाब दिहेन, "हम पचन क पिता क लग्गे मरइ प हम सबन क देइ क कछू नाहीं अहइ। उ हम पचन क संग अजनबी जइसा बेउहार किहस ह। उ हम पचन क तोहार लग्गे बेच दिहस अउ उ सारा धन खरच कइ दिहस जउन हम पचन क होतेन। 16परमेस्सर इ सब धन हमरे पिता स लइ लिहस ह अउ इ हमार अउ हमार सनतानन क अहइ। ऍह बरे तू उहइ करा जउन परमेस्सर करइ बरे कहेस ह!"

17ऍह बरे याकूब जात्रा क तइयारी किहस। उ आपन मेहररुअन अउ पूतन क ऊँटे प बइठाएस। 18तब उ पचे कनान कइँती लउटइ लाग्गेन जहाँ ओकर बाप रहत रहा। जनावरन क भी सब झुण्ड, जउन याकूब क रहेन, ओनके अगवा चलत रहेन। उ उ सबइ चिजियन क संग लइ जात रहा जउन उ पद्दन अराम मँ रहत भए पाए रहा।

19इ टेम लाबान आपन भेड़िन क ऊन काटइ गवा रहा। जब उ बाहेर गवा तब राहेल ओकरे घरे मँ घुसी अउ आपन बाप क घरे क देवतन क चोराइ लइ गइ।

20याकूब अरामी लाबान क धोखा दिहस। उ लाबान क इ नाहीं बताएस कि उ हुआँ स जात अहइ। 21याकूब आपन परिवार अउ आपन सबहिं चीजन क लिहस अउ हाली स चला गवा। उ पचे फरात नदी क पार किहन अउ गिलाद क पहाड़ी देस क ओर जात्रा किहन।

22तीन दिना पाछे लाबान क पता लाग कि याकूब पराइ गवा। 23ऍह बरे लाबान आपन मनइयन क बटोरेस अउ याकूब क पाछा सुरु किहस। सात दिन पाछे याकूब क गिलाद पहाड़े क लग्गे पाएस। 24उ रात परमेस्सर लाबान क समन्वा सपन मँ परगट भवा। परमेस्सर कहेस, "होसियार रहा कि तू याकूब क कछू भी अच्छा या बुरा जिन कहा।"

## चोराए भए देवतन क खोज

25दूसर दिन भिन्सारे लाबान याकूब क जाइ धरेस। याकूब आपन तम्बू पहाड़े प लगाए रहा। ऍह बरे लाबान अउ ओकर मनइयन आपन तम्बू गिलाद पहाड़े प लगाएन।

26लाबान याकूब स कहेस, "तू मोका धोखा काहे दिहा? तू मोर बिटियन क अइसे काहे लइ जात अहा माना कि उ सबइ जुद्ध मँ धरी गइ होइँ? 27मोसे बगैर कहे तू काहे परान्या? जदि तू कहे होत्या तउ मइँ तोहका भोज देतेउँ। ओहमाँ बाजा क संग नाचब अउ गाउब होत। 28तू मोका आपन नातियन क चूमइ तलक नाहीं दिहा अउ न ही बिटियन क बिदा कहइ दिहा। तू इ कइके भारी बेवकूफी किहा। 29तोहका फुरइ चोट पहोंचावइ क सक्ती मोहमाँ बाटइ। मुला पाछे क राति मँ तोहरे बाप क परमेस्सर मोरे सपन मँ आवा। उ मोका चिताउनी दिहस कि मइँ कउनो तरह तोहका चोट न पहोंचावउँ। 30मइ जानत अहउँ कि तू आपन घरे लउटइ चाहत बाट्या। इहइ कारण अहइ कि तू हुआँ स चल पड़्या ह। मुला तू मोरे घरे स देवतन क काहे चोरॉया ह?"

31याकूब जवाब दिहस, "मइँ तोहसे बिना कहे भए चल पड़या, काहेकि मइँ ससान रहेउँ। मइँ सोचेउँ कि तू आपन बिटियन क मोसे लइ लेब्या। 32मुला मइँ तोहरे देवतन क नाहीं चोराएउँ। जदि तू हिआँ मोरे लग्गे कउनो मनई क, जउन तोहरे देवतन क चोरॉए अहइ, पावा, तउ उ मारि दीन्ह जाइ। तोहरे लोग ही मोर गवाह होइहीं। तू आपन कउनो भी चीज क हेर सकत ह। जउन कछू भी तोहार होइ, लइ ल्या।" (याकूब क इ पता नाहीं रहा कि राहेल लाबान क घरे क देवतन क चोराएस ह।)

33ऍह बरे लाबान याकूब क सिबिर मँ गवा अउ ओहमाँ हेरेस। उ याकूब क तम्बू मँ हेरेस अउ लिआ क तम्बू मँ भी हेरेस। तब उ तम्बू मँ हेरेस जेहमाँ दुइनउँ दासिन ठहरी रहिन। मुला उ ओकरे घरे मँ देवतन क नाहीं पाएस। तब लाबान राहेल क तम्बू मँ गवा। 34राहेल ऊँट क काठी मँ देवतन क छुपाइ राखे रही अउ उ ओनही प बइठी रही। लाबान पूरा तम्बू मँ हेरेस उ देवतन क न हेरि सका।

35अउ राहेल आपन पिता स कहेस, "पिता जी, मोह पइ जिन कोहाआ। मइँ आपक समन्वा ठाड़ होइ मँ समर्थ नाहीं अहउँ। इ टेम मोर मासिक धरम चलत बाटइ।" ऍह बरे लाबान पूरा सिबिर मँ हेरेस, मुला ओका हुआँ स देवतन क नाहीं पाइ सका।

36तब याकूब बहोतइ कोहान। याकूब कहेस, "मइँ का बुरा किहेउँ ह? मइँ कउन सा नेम तोड़ेउँ ह? मोर पाछा करइ अउ मोका रोक देइ क अधिकार तोहका कइसे अहइ? 37मोर जउन कछू अहइ ओहमाँ तू हेरि लिहा ह। तू अइसी कउनो चीज पाया जउन तोहार अहइ। जदि तू कउनो चीज पाया ह तउ मोका देखॉवा। ओका हिअँइ धरा जेसे हमार संगी लखि सकइँ। हमरे संगियन क तय करइ द्या कि हम दुइनउँ मँ कउन ठीक अहइ। 38मइँ तोहरे बरे बीस बरिस तलक काम किहेउँ ह। इ पूरा समइ मँ बच्चा जनमत समइ कउनो भी नान्ह भेड़ी अउ बोकरी क नाहीं मरी अउर न ही मइँ कउनो मेमना तोहरे झुण्ड मँ स खाएउँ। 39जदि कबहुँ

जंगली जनावरन कउनो भेड़ी क मारेन मइँ फउरन ओकर दाम खुद दइ दिहेउँ। मइँ कबहुँ मुर्दा जनावर क तोहरे लगे लइके इ नाहीं कहेउँ कि एहमाँ मोर दोख नाहीं। मुला रात-दिन मोका लूटा गवा। 40दिन मँ सूरज मोर सक्ती छोरत रहा अउ रात क जाड़ा मोरी अँखियन क नीद चोराइ लेत रहा। 41मइँ बीस बरिस तलक तोहरे बरे एक दास क तरह काम किहेउँ। पहिले क चौदह बरिस मइँ तोहरी दुइ बिटियन क बियाहइ बरे काम किहेउँ। तउ पाछे क छः बरिस मइँ तोहरे जनावरन क पावइ बरे काम किहेउँ अउ इ बीच तू मोर पगार दस दाईं बदल्या। 42मुला मोरे पुरखन क परमेस्सर इब्राहीम क परमेस्सर अउ इसहाक क भय मोरे संग रहा। जदि परमेस्सर मोरे संग नाहीं होत तउ तू मोका खाली हाथ पठइ देत्या। मुला परमेस्सर मोर दुःखे क लखेस। परमेस्सर मोरे किए काम क लखेस अउ पिछली रात परमेस्सर प्रमाण दइ दिहस कि मइँ नीक अहउँ।"

### याकूब अउ लाबान क मेल

43लाबान याकूब स कहेस, "इ सबइ लरिकियन मोर बिटिहनियन अहइँ। ओनकइ बच्चन मोर बाटेन। इ सबइ जनावरन मोर अहइँ। जउन कछू भी तू हिआँ लखत अहा, मोर अहइ। मुला मइँ आपन बिटियन अउ ओनके बच्चन क रखइ बरे कछू नाहीं कइ सकत। 44ऍह बरे मइँ तोहसे एक करार करइ चाहत अहउँ। हम पचे पाथर क ढेर लगाउब जउन इ बताइ कि हम पचे सन्धि कइ चुका अहइ।"

45ऍह बरे याकूब एक बड़की चट्टान हेरेस अउ ओका इ पता देइ बरे हुआँ राखेस कि उ सन्धि किहेस ह। 46उ आपन मनइयन क अउर जियादा चट्टानन क हेरइ अउ चट्टानें क ढेर लगावइ क कहेस। तब उ पचे चट्टानन क लगे भोजन किहन। 47लाबान उ जगह क नाउँ यज्र सहादूथ राखेस। मुला याकूब उ जगह क नाउँ जिलियाद धरेस।

48लाबान याकूब स कहेस, "इ चट्टानन क ढेर हम दुइनउँ क हमार करार क सुमिरावइ मँ मदद करी।" इ कारण अहइ कि याकूब उ जगह क नाउँ गिलयाद कहेस।

49तब लाबान कहेस, "यहोवा हम पचन क एक दूसर स अलग होइ क गवाह रहइ।" एह बरे उ जगह क नाँउ मिजपा भी होगा।

50तब लाबान कहेस, "अगर तू मोर बिटियन क चोट पहोंचउब्या तउ याद राखा, परमेस्सर तोहका दण्ड देइ। अगर तू दूसर मेहरारु स बियाह करब्या तउ याद राखा, परमेस्सर तोहका लखत बाटइ। 51हिआँ इ सबइ चट्टानन अहइँ, जउन हमरे बीच मँ धरी अहइँ अउ इ खास चट्टान अहइँ जउन बतइहीं कि हम सन्धि कीन्ह ह। 52चट्टानन क ढेर अउ इ खास चट्टान हमका सन्धि क सुमिरन करावइ मँ मदद करी तू मोहसे लड़इ बरे इ चट्टानन स आगे मोर कइँती कबहुँ न अउब्या। 53जदि हम पचे इ सन्धि क तोड़ देइ तउ इब्राहीम क परमेस्सर, नाहोर क परमेस्सर अउ ओनके पुरखन क परमेस्सर हम पचन क निआव करी।"

याकूब क पिता इसहाक परमेस्सर क "भय" नाउँ स गोहराएस। ऍह बरे याकूब वाचा बरे उ नाउँ क प्रयोग किहस। 54तब याकूब एक जनावर क मारेस अउ पहाड़े पइ बलि क रुप मँ ऍका भेंट चढ़ाएस अउ उ आपन मनइयन क भोज मँ सामिल होइ बरे बोलाएस। भोजन करे क पाछे उ पचे पहाड़े प राति काटेन। 55दूसर दिन भिन्सारे लाबान आपन नातियन क चूमेस अउ बिटियन क बिदा किहस। उ ओनका असीसेस अउ घर लउटि गवा।

### एसाव क संग फुन मेल

32 याकूब भी उ जगह तजेस। जब उ जात्रा करत रहा। उ परमेस्सर क सरगदूत क लखेस। 2जब याकूब ओनका लखेस तउ कहेस, "इ परमेस्सर क पड़ाव अहइ।" ऍह बरे याकूब उ जगह क नाउँ महनैम धरेस।

3याकूब क भाई एसाव सेईर नाउँ क पहँटा मँ रहत रहा। इ एदोम क पहाड़ी पहँटा रहा। याकूब एसाव क लगे दूत पठएस। 4याकूब दूत स कहेस, "मोर सुआमी एसाव क इ खबर दया, 'तोहार नउकर याकूब कहत ह, मइँ इ सबइ बरिस मँ लाबान क संग रहेउँ ह। 5मोरे लगे गोरु, गदहन, झुण्ड अउ बहोत स नउकरन अउ मेहरारु नउकरन अहइँ। मइँ एनका तोहरे लगे पठवत अहउँ अउ चाहत अहउँ कि तू हमका अंगीकार करा।'"

6दूत याकूब क लगे लउटा अउ बोला, "हम तोहरे भाई एसाव क लगे गए। उ तोहसे भेंटइ आवत अहइ। ओकरे संग चार सौ अउजार धारी वीर अहइँ।"

7उ संदेसा याकूब क डेराइ दिहस। उ आपन सबहिं संगियन क दुइ दले मँ अलगाइ दिहस। उ आपन सबहिं भेड़िन क खरका, गोरुअन क झुण्ड अउ ऊँटन क दुइ हींसा मँ बाँटेस। 8याकूब सोचेस, "अगर एसाव आइके एक हींसा क नास करत ह तउ दूसर हींसा पराइ सकत ह अउ बचि सकत ह।"

9याकूब कहेस, "हे मोरे पुरखा इब्राहीम क परमेस्सर। हे मोरे पिता इसहाक क परमेस्सर। यहोवा, तू मोका आपन देस मँ लउटइ अउ आपन परिवारे मँ आवइ बरे कह्या। तू कह्या कि तू मोर भलाई करिब्या। 10तू मोहे प बहोत दयालु रह्या ह। तू मोरे बरे बहोत नीक चीज किह्या ह। पहिली दाईं मइँ जरिदन नदी क लगे जात्रा कीन्ह, मोरे लगे टहरइ क कुबरी क अलावा कछू भी नाहीं रहा। मुला मोरे लगे अब ऍतनी चीजन बाटिन कि मइँ ओनका पूरा दुइ दलन मँ बाँटि सकउँ। 11तोहसे पराथना करत अहउँ कि कृपा कइके मोका मोरे भाई एसाव स बचावा। मइँ ओसे ससान अहउँ। ऍह बरे कि उ आइ अउ सबहिं क, हिआँ तलक कि बच्चन क संग महतरियन क भी जान स मारि डाइ। 12हे यहोवा, तू मोसे कह्या, 'मइँ तोहार भलाई करब। मइँ तोहरे परिवार क बढ़ाउब अउ तोहरे संताने क समुद्र क बालू क कणान क तरह बाढ़इ देब। उ सबइ ऍतना बेसी होइहीं कि गना नाहीं जाइ सकिहीं।"'

13याकूब रात क उ जगह ठहरा। याकूब कछू चीजन एसाव क भेंट देइ बरे तइयार किहस। 14याकूब दुइ सौ बोकरियन, बीस ठु बोकरन, दुइ सौ भेड़िन अउ बीस भेड़ा लिहस। 15याकूब तीस ठु ऊँट अउ ओनकइ बच्चन, चालीस ठु गइयन अउ दस ठु बर्धन, बीस ठु मादा गदहन अउ दस नर गदहन क लिहस। 16याकूब जनावरन क हर झुण्ड

नउकरन क दिहस। तब याकूब नउकरन स कहेस, "सब जनावरन क हर झुण्ड क अलग कइ ल्या। मोरे अगवा - अगवा चला अउ हर झुण्ड क बीच कछू दूरी राखा।" 17याकूब ओनका हुकुम दिहस। जनावरन क पहिले झुण्ड वाला नउकर स याकूब कहेस, "मोर भाई एसाव जब तोहरे लगे आवइ अउ तोहसे पूछइ, 'इ केकर जनावर अहईं? तू कहाँ जात अहा? तू केकर नउकर अहा?' 18तब तू जवाब दिहा, 'इ सबइ जनावरन आप क सेवक याकूब क अहईं। याकूब एनका आपन सुआमी एसाव क भेंट क रुप मँ पठएस ह, अउ याकूब भी हम लोगन क पाछे आवत अहइ।'"

19याकूब क दूसर नउकर, तीसरा नउकर, अउर सबहिं दूसर नउकरन क इहइ बात करइ क हुकुम दिहस। उ कहेस, "जब तू पचे एसाव स भेट्या तउ इहइ एक बात कहब्या। 20तू पचे कहब्या, 'इ आप क भेंट अहइ, अउर आप क सेवक याकूब भी लोगन क पाछे आवत अहइ।'"

याकूब सोचेस, "जदि मईं भेंट क संग इ मनइयन क आगे पठवत हउँ तउ इ होइ सकत ह कि एसाव मोका छिमा कइ देइ अउ मोका अंगीकार कइ लेइ।" 21ऍह बरे याकूब एसाव क भेंट पठएस। मुला याकूब उ रात आपन पड़ाव मँ ही ठहरा।

22पाछे उहइ रात याकूब उठा अउ उ जगह क तजि दिहस। याकूब आपन दुइनउँ मेहररुअन, आपन दुइनउँ दासिन अउ आपन ग्यारहु पूतन क साथ लिहस। घाटे प जाइेक याकूब यब्बोक नदी क पार किहस। 23याकूब आपन परिवार क नदी क उ पार पठएस। तब याकूब आपन सबहिं चिजियन क नदी क ओह पार पठइ दिहस।

### परमेस्सर स मल्ल जुद्ध

24याकूब नदी क पार करइवाला आखिर मनई रहा। मुला पार करइ स पहिले जब तक उ अकेला ही रहा, एक ठु मनई आवा अउ ओसे कुस्ती लड़इ लाग। उ मनई ओसे तब तलक कुस्ती लड़ेस जब तलक सूरज न निकरा। 25मनई लखेस कि उ याकूब क हराइ नाहीं सकत। ऍह बरे उ याकूब क गोड़ क ओकरे कूल्हा क जोड़ प छुएस। उ टेम याकूब क कूल्हा क जोड़ आपन जगह स हट गवा।

26तब उ मनई याकूब स कहेस, "मोका छोड़ द्या। सूरज ऊपर चढ़त बाटइ।"

मुला याकूब कहेस, "मईं तोहका न छोड़ब। मोका तोहका असीर्बाद देइ क होइ।"

27अउर उ मनई ओसे कहेस, "तोहार का नाउँ अहइ?"

अउर याकूब कहेस, "मोर नाउँ याकूब बाटइ।"

28तब मनई कहेस, "तोहार नाउँ याकूब नाहीं रही। अब तोहार नाउँ इस्त्राएल होइ। मईं तोहका इ नाउँ ऍह बरे देत हउँ कि तू परमेस्सर क संग अउ मनइयन क संग जुद्ध किहा ह अउ तू हरावा नाहीं जाइ सक्या।"

29तब याकूब ओसे पूछेस, "कृपा कइके मोका आपन नाउँ बतावईं।"

मुला उ मनई कहेस, "तू मोर नाउँ काहे पूछत अहा?" उ टेम उ मनई याकूब क असीसेस।

30ऍह बरे याकूब उ जगह क नाउँ पनीएल राखेस। याकूब कहेस, "इ जगह मईं परमेस्सर क साच्छात दरसन किहेउँ ह। किन्तु मोर जिन्नगी बच गइ।" 31जइसे ही उ पनीएल स गुजरा, सूरज निकरि आवा। याकूब आपन गोड़े क कारण लँगड़ाइ के चलत रहा। 32ऍह बरे आजु भी इस्त्राएल क लोग पुट्ठा क मांस पेसी क नाहीं खातेन काहेकि इहइ मांस पेसी प याकूब क चोट लागि रही।

### याकूब आपन बहादुरी देखावत ह

33 याकूब निगाह उठाएस अउ एसाव क आवत लखेस। एसाव आवत रहा अउ ओकरे संग चार सौ मनई रहेन। याकूब आपन परिवार क चार टोली मँ बाटेस। लिआ अउ ओकर बच्चन एक दल मँ रहेन, राहेल अउ यूसुफ एक दले मँ रहेन, दासी अउ ओकर लरिकन दुइ दले मँ रहेन। 2याकूब दासियन अउ ओनके बच्चन क अगवा राखेस। ओकरे पाछे ओनके पाछे लिआ अउ ओकरे बच्चन क राखेस अउर याकूब राहेल अउ यूसुफ क सब क आखिर मँ राखेस।

3याकूब एसाव की ओर बढ़ा। ऍह बरे उ पहिला मनई रहा जेकरे संग एसाव मिलेस। अपने भाई कईँती बढ़त टेम प याकूब सात दाईं भुइँया प निहुरिके पैलगी किहेस।

4जब एसाव याकूब क लखेस, उ ओसे भेटंइ दौड़ गवा। एसाव याकूब क आपन बाँही मँ भरि लिहस अउ छाती स चिपकाएस तब एसाव ओकर गरदन स चिपकाएस अउ ओकर चुम्बन लिहस। अउ दुइनउँ आनन्द स रोइ पड़ेन। 5एसाव निगाह उठाएस अउ मेहररुअन अउ बच्चन क लखेस। उ कहेस, "तोहरे संग इ सबइ कउन लोग अहईं?" याकूब जवाब दिहस, "इ सबइ उ बच्चन अहईं जेका परमेस्सर मोका दिहे अहइ। परमेस्सर मोहे प दयालु रहा ह।"

6तब दुइनउँ दासियन आपन बच्चन क संग एसाव क लगे गएन। उ पचे ओका निहुरिके पैलगी किहन। 7तब लेआ आपन बच्चन क संग एसाव क समन्वा गइन अउ उ पैलगी किहस अउर तब राहेल अउ यूसुफ एसाव क समन्वा गएन अउ उ पचे भी पैलगी किहन।

8एसाव कहेस, "मईं जउन सब मनइयन क हिऑं आवत समइ देखेउँ उ सबइ कउन रहेन? अउ उ सबइ गोरुअन काहे बरे रहेन?"

याकूब जवाब दिहस, "उ सबइ तोहका मोर भेंट अहईं जेहसे तू मोका अंगीकार कइ सका।"

9मुला एसाव कहेस, "भाई, तोहका मोहे बरे कउनो भेंट नाहीं देइ चाही काहेकि मोरे लगे सब कछू इफरात बाटइ।"

10याकूब कहेस, "नाहीं! मईं तोहसे बिनती करत अहउँ। जदि तू फुरे मोका अपनावत ह तउ कृपा कइके जउन भेंट देत अहउँ तू अपनावा। मईं तोहका दूसरी दाईं लखि के बहोत खुस अहउँ। इ तउ परमेस्सर क लखइ जइसा बाटइ। मईं इ लखिके बहोत खुस अहउँ कि तू मोका अपनावत ह। 11ऍह बरे मईं बिनती करत हउँ कि जउन भेंट मईं देत अहउँ ओका भी अंगीकार करा। परमेस्सर मोरे ऊपर बहोतइ कृपालु रहा ह। मोरे लगे आपन जरुरत स बेसी अहइ।" इ

तरह याकूब एसाव स भेंट अंगीकार करइ के बिनती किहेस। ऍह बरे एसाव भेंट अपनाइ लिहस।

12तब एसाव कहेस, "अब तू आपन जात्रा जारी किहे रहि सकत ह। मइँ तोहरे संग चलब।"

13मुला याकूब ओसे कहेस, "तू इ जानत ह कि मोरे बच्चन अबहिं दुर्बल बाटेन अउर मोका आपन झुण्ड अउ ओनके बच्चन क खास देख-रेख करइ चाही। अगर मइँ ओनका बहोत दूर एक दिन मँ चलइ बरे मजबूर करत हउँ तउ सबहिं गोरु मरि जइहीं। 14ऍह बरे तू आगे चला अउ मइँ रसे रसे तोहरे पाछे आउब। मइँ गोरुअन अउ दूसर जनावरन क रच्छा बरे धीमे बढ़ब अउ मइँ बहोतइ रसे-रसे ऍह बरे चलब कि मोर गदेलन बहोत जियादा थक न जाइँ। मइँ सेइर मँ तोहसे मिलब।"

15ऍह बरे एसाव कहेस, "तब मइँ आपन कछू संगियन क तोहरी मदद बरे छोड़ देब।"

मुला याकूब कहेस, "इ तोहार बिसेस दाया बाटइ।" मुला अइसा करइ क कउनो जरुरत नाहीं बा।"

16ऍह बरे उ दिन एसाव सेईर क वापसी जात्रा प चल पड़ा। 17मुला याकूब सुक्कोत क गवा। हुआँ उ आपन बरे एक ठु घर बनाएस अउर आपन गोरुअन बरे एक नान्ह नान्ह गोसालन क बनाएस। इहइ कारण इ जगह क नाउँ सुक्कोत राखेस।

18याकूब सुरच्छा क साथ आपना जात्रा पद्दन-अराम स सुरू कई क कनान पहँटा मँ सकेम सहर तलक समाप्त किहेस। याकूब सहर क निचके मइदान मँ डेरा डाएस। 19याकूब उ भुइँया क सकेम क बाप हमोर क परिवारे स बेसहेस। याकूब चाँदी क एक सौ सिक्का दिहस। 20याकूब परिवार क आराधना बरे हुआँ एक ठु वेदी बनाएस। याकूब जगह क नाउँ "एले, इस्राएल क परमेस्सर" राखेस।

### दीना क संग कुकर्म

34 दीना लिआ अउ याकूब क बिटिया रही। एक दिन दीना उ पहँटा क मेहररुअन क लखइ बाहेर गइ। 2उ पहँटा क राजा हमोर क पूत सकेम दीना क निहारेस। उ ओका धइ लिहस अउ आपन संग तने क सम्बंध राखइ बरे ओका बेबस किहस। 3तउ सकेम याकूब क बेटी दीना स पिरेम करइ लाग। ऍह बरे उ ओकर दिल जीतइ क कोसिस किहेस। 4सकेम आपन बाप स कहेस, "कृपा कइके इ लउँडिया क मोका दिआवा जेहसे मइँ एकरे संग बियाह कइ सकउँ।"

5याकूब इ जान लिहेस कि सकेम ओकरी बिटिया दीना क संग बहोत बुरा कर्म किहस ह। मुला याकूब क सबहिं पूत आपन गोरुअन क संग मइदान मँ गएन। ऍह बरे उ सबइ जब तलक नाहीं आएन, याकूब कछू नाहीं किहस। 6उ टेम सकेम क बाप हमोर याकूब क संग बात करइ गवा। 7खेतन मँ याकूब क पूतन जउन कछू भवा रहा, ओकर खबर सुनेन। जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे बहोत कोहाइ गएन। उ पचे पगलाइ स गएन काहेकि सकेम याकूब क बिटिया क बलात्कार कइ के इस्राएल क बदनाम किहस। सकेम बहोतइ घिनौनी बात किहे रहा। ऍह बरे सबहिं भाई लोग खेतन स घर लउटेन।

8मुला हमोर भाइयन स बात किहेस। उ कहेस, "मोर पूत सकेम दीना स बहोत पिरेम करत ह। मेहरबानी कइके ओका एकरे संग बियाह करइ द्या। 9इ बियाह इ बात क प्रमाण होइ कि हम पचे खास सन्धि कीन्ह ह। तब हमार लोग तू पचन क मेहररुअन स अउ तोहार लोग हम पचन क मेहररुअन क संग बियाह कइ सकत हीं। 10तू लोग हमरे संग एक पहँटा मँ रहि सकित ह। तू भुइँया क सुआमी बनब्या अउर हिआँ बइपार करइ बरे अजाद होब्या।"

11सकेम याकूब अउ दीना क भाइयन स भी बात किहस। सकेम कहेस, "कृपा कइके मोका अंगीकार करा अउ मइँ जउन किहेउँ ओकरे बरे छिमा करा। 12मइँ तोहका जउन कछू उपहार तू चाहत ह देब, अगर तू मोका सिरिफ दीना क संग बियाह करइ द्या।" मोका जउन कछू आप लोग करइ क कइहीं करब, मुला दीना क बियाह मोर संग होइ द्या।"

13याकूब क बेटहनन सकेम अउ ओकरे बाप स झूठ बोलइ क ठान लिहन। भाइयन अबहुँ भी पागल होत रहेन काहेकि सकेम ओनकइ बहिन दीना क संग अइसा घिनौना बेउहार किहे रहेन। 14ऍह बरे भाइयन ओसे कहेन, "हम लोग तोहका आपन बहिन क संग बियाह नाहीं करइ देब काहेकि तोहार खतना अबहिं नाहीं भवा अहइ। हमरी बहिनी क तोहसे बियाह करब ठीक न होइ। 15मुला हम पचे तोहका ओकरे संग बियाह करइ देब अगर तू इहइ एक काम करा कि तोहरे सहर क हर मनई क खतना हम पचन क तरह होइ जाइ। 16तब तोहरे मनई हमरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं अउर हमार मनई तोहरी अउरतन स बियाह कइ सकत हीं। तब हम पचे एक ही लोग बन जाब। 17जदि तू खतना कराउब नाहीं कबूल करब्या तउ हम लोग दीना क लइ जाब।"

18इ सन्धि हमोर अउ सकेम क बहोत खुस किहस। 19दीना क भाइयन जउन कछू कहेन ओका करइ मँ सकेम बहोत खुस भवा।

### बदला

सकेम परिवार क सबसे जियादा मर्जादी मनई रहा। 20हमोर अउ सकेम अपने सहर क सभाघर क गएन। उ पचे सहर क लोगन स बातन किहन अउ कहेन 21"इस्राएल क इ सबइ लोग हमार मीत होवा चाहत हीं। हम लोगन क पास हम सबहिं लोगन बरे संतुट्ठ भुइँया अहइ। एह बरे उ लोगन क हम लोगन क भुइँया रहइ द्या अउर एहमाँ बइपार करइ द्या। हम पचे ऍनकी मेहररुअन क संग बियाह करइ क अजाद अही अउ हम लोग आपन मेहरारुअन ओनका बियाहे बरे देइ मँ खुस अही। 22मुला एक बात अहइ जेका करइ बरे सबहिं क सन्धि करइ क होइ। ताकि उ पचे हम लोगन क बीच रही सका अउर हम पचे एक ही लोगन होइ सकब। हमार सबइ लोग भी उपचन्क क नाईं खतना करावइ बरे राजी हो जाब। 23जदि हम अइसा करब तउ ओनके गोरुअन अउ जनावरन स हम धनी होइ

जाब। एँह बरे हम लोग ओनके संग इ सन्धि करी अउर उ
पचे हिआँ हम लोगन क संग रइहीं।" 24सभाघरे प जउन
लोगन इ बात सुनेन उ पचे हमोर अउ सकेम क संग राजी
होइ गएन अउ उ टेम हर एक मनई क खतना कइ दीन्ह
गवा।

25तीन दिना पाछे, खतना कइ दीन्ह गए मनइयन क
अबहिं जख्म रहेन। याकूब क दुइ पूत सिमोन अउ लेवी
जानत रहेन कि टेम लोग कमजोर होइहीं, एँह बरे उ नगर
क गएन अउर उ पचे सबहिं मनइयन क मारि डाएन। 26दीना
क भाई सिमोन अउ लेवी हमोर अउ ओकरे पूत सकेम क
मारि डाएस। उ पचे दीना क सकेम क घरे स बहियाइ दिहेन
अउ उ पचे चला गएन। 27याकूब क दूसर पूतन सहर मँ
गएन अउ उ पचे हुआँ जउन कछू रहा, लूटि लिहन। सकेम
जउन कछू ओनकइ बहिनी क संग किहे रहा, ओसे उ
सबइ तब तलक कोहान रहेन। 28एँह बरे भाइयन ओनकइ
सबहिं जनावरन लइ लिहेन। उ पचे ओनकइ गदहन अउ
सहर अउ खेतन मँ दूसर जउन कछू रहा, सब स लइ
लिहन। 29भाइयन ओन सबन क सब कछू लइ लिहन।
भाइयन ओनकइ मेहररुअन अउ बच्चन तलक क लइ
लिहन।

30मुला याकूब सिमोन अउ लेवी स कहेस, "तू पच मोर
बरे मुसीबत खड़ी कइ दिहा ह। अउ इ प्रदेस क बसइयन क
मन मँ घिना पइदा कराया ह। सबहिं कनानी अउ परिज्जी
लोग हमरे खिलाफ होइ जइहीं। हिआँ हम बहोत तनिक
अही। अगर इ पहँटा क लोग हम पचन क खिलाफ लड़इ
खातिर बटुरि जइहीं तउ हम पचन बर्बाद होइ जाब। अउ
हमरे संग हमार सबहिं लोग नस्ट होइ जाइहीं। अउर मइँ
अउ मोरे घरे क सबहिं लोगन बर्बाद होइ जाइहीं।"

31मुला भाइयन जवाब दिहन, "कम हम पचे ओंन
मनइयन क आपन बहिनी क संग पतुरिया जइसा बेउहार
करइ देइ? नाहीं हमरी बहिनी क संग वइसा बेउहार करइ
वाला लोग बुरा रहेन।"

## याकूब बेतेल मँ

35 परमेस्सर याकूब स कहेस, "बेतेल सहर क जा,
हुआँ बस जा अउ हुवँइ "एल," परमेस्सर बरे
जउन तोहरे समन्वा परगट भवा रहा जब तू आपन भाई
एसाव स बचि के परात रह्या एक वेदी बनावा।"

2एँह बरे याकूब आपन परिवार अउ आपन सबहिं नउकरन
स कहेस, "काठ अउ धातु क बना जउन बिदेसी देवतन तू
पचन क लगे अहइँ ओनका नस्ट कइ द्या। अपने क
पवित्र करा। ओढ़ना साफ पहिरा। 3हम पचे इ जगह क तजि
देब अउ बेतेल क जाब। उ जगह मँ आपन परमेस्सर बरे
एक वेदी बनाउब। इ उहइ परमेस्सर अहइ जउन मोरे कस्ट
क समइ मोर मदद किहस अउ जहाँ कहूँ मइँ गवा उ मोरे
संग रहा।"

4एँह बरे मनइयन क लगे जउन बिदेसी देवता रहेन, ओन
सबहिं क उ पचे याकूब क दइ दिहन। उ पचे आपन काने
मँ पहिरी भइ सब बालियन क भी याकूब क दइ दिहन।
याकूब सकेम नाउँ क सहर क नगिचे एक बलूत क बृच्छ
क तरे इ सबहिं चिजियन क गाड़ दिहस।

5तउ उ पचे तजि गएन अउर परमेस्सर ओनका चरीहू
कइँती क सभी सहरन पइ भयंकर डर डाल दिएन। एँह ठू
बरे उ पचे याकूब क पूतन पाछा नाहीं किहस। 6एँह बरे
याकूब अउ ओकर लोग लूज पहोंचेन। अब लूज क बेतेल
कहत हीं। इ कनान प्रदेस मँ बाटइ। 7याकूब हुआँ एक ठु
वेदी बनाएस। याकूब उ जगह क नाउँ "एल बेतेल" राखेस।
याकूब इ नाउँ क एँह बरे चुनेस कि जब उ आपन भाई क
हिआँ स परात रहत रहा, तब पहिली दाईं परमेस्सर हिअँई
परगट भवा।

8रिबका क धाई दबोरा हिअँइ मरी रही, उ पचे बेतेल मँ
सिन्दूर क बृच्छ क खाले ओका गाड़ दिहन। उ पचे उ ठउर
क नाउँ अल्लोनबक्कूत रखेन।

## याकूब क नवा नाँउ

9जब याकूब फद्दान आराम स लउटा तब परमेस्सर फुन
ओकरे समन्वा परगट भवा। परमेस्सर याकूब क असीसेस।
10परमेस्सर याकूब स कहेस, "तोहार नाँउ याकूब अहइ। मुला
मइँ उ नाउँ क बदलब। अब तू याकूब नाहीं कहवउब्या।
तोहार नवा नाउँ इस्राएल होइ।" एँह बरे एकरे पाछे याकूब क
नाँउ इस्राएल भवा।

11परमेस्सर ओसे कहेस, "मइँ सर्वोच्च परमेस्सर अहउँ
अउ तोहका मइँ इ आसीर्बाद देत हउँ तोहरे बहोत संतान होइँ
अउर तू एक महान रास्ट्र बनी जाब्या। बहोत सारे रास्ट्र
तोहसे अइहीं अउर राजा लोग तोहसे आइहीं। 12मइँ इब्राहीम
अउ इसहाक क इ भुइँया दिहे रहेउँ। अब मइँ इ भुइँया
तोहका अउर तोहार सन्तानन क देत अहउँ।" 13तब परमेस्सर
उ जगह तजि दिहस। 14-15याकूब इ ठउरे प एक स्मृति
चट्टान खड़ी किहस। याकूब ओह चट्टान पइ दाखरस अउर
तेल क भेंट उड़ेरेस। इ एक खास ठउर रहा काहेकि
परमेस्सर हुआँ याकूब स बात किहस अउर याकूब उ ठउर
क नाउँ बेतेल राखेस।

## राहेल जन्म देत समइ मरी

16याकूब अउ ओकर दल बेतेल क तजि दिहन। एप्राता
आवइ स ठीक पहिले राहेल आपन बच्चन क जन्म देइ
लाग। 17मुला राहेल क इ जन्म स बहोत तकलीफ होइ
लाग। ओका बहोत दर्द होत रहा। राहेल क धाई ओका
लखेस अउ कहेस, "राहेल, डेराअ जिन। तू एक अउर पूत
क जन्म देति अहा।"

18पूत क जन्म देत समइ राहेल मरि गइ। मरइ क पहिले
राहेल बच्चा क नाउँ बेनोनी राखेस। मुला याकूब ओकर नाँउ
बिन्यामीन राखेस।

19एप्राता क आवइवाली सड़क प राहेल क दफनावा गवा।
(एप्राता बेतलेहेम अहइ।) 20अउर याकूब राहेल क सम्मान
मँ ओकरी कब्रे प एक ठु चट्टान धरेस। उ खास चट्टान
हुआँ आजु तलक बाटइ। 21तब इस्राएल आपन जात्रा जारी
राखेस। उ एदेर बुर्ज खम्भा क ठीक दक्खिन मँ आपन
सिबिर डाएस।

22इस्राएल हुआँ तनिक समइ ठहरा। जब उ हुआँ रहा तब
रूबेन इस्राएल क मेहरारु नउकरन बिल्हा क संग सोएस।
इस्राएल इ बारे मँ सुनेस अउ बहोत कोहाइ गवा।

### इस्राएल क परिवार

याकूब क बारह पूत रहेन।
23ओकरी मेहरारु लिआ स ओकरे छः पूत रहेनः रूबेन,
सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून।
24ओकरी मेहरारु राहेल स ओकरे दुइ पूत रहेनः यूसुफ
अउ बिन्यामीन।
25राहेल क दासी बिल्हा स ओकरे दुइ पूत रहेनः दान
अउ नप्ताली।
26अउर लिआ क दासी जिल्पा स ओकरे दुइ पूत रहेनः
गाद अउ आसेर। इ सबइ क पूत अहइँ जउन पद्दनराम मँ
पइदा भए रहेन।
27मम्रे क किर्यत-अर्बा अर्थात् हेब्रोन मँ याकूब आपन
पिता इसहाक क लगे गवा। इ उहइ जगह अहइ जहाँ
इब्राहीम अउ इसहाक रहि चुका रहेन। 28इसहाक एक सौ
अस्सी बरिस क रहा। 29इसहाक बहोत बरिस तलक जिअत
रहा। जब उ मरा, उ बहोत बुढ़वा रहा। ओकरे पूत एसाव
अउ याकूब ओका हुअँइ दफनाएन जहाँ ओकरे पिता क
दफनावा गवा रहा।

### एसाव क परिवार

36 एसाव अर्थात् एदोम क परिवार क इतिहास अहइ।
2एसाव कनान देस क मेहररुअन स बियाह किहस।
एसाव क मेहररुअन रहिनः आदा, हित्ती एलोन क बिटिया।
ओहोलीबामा हिव्वी सिबोन क नतिनी अउ अना क बिटिया।
3बासमत इस्माएल क बिटिया अउ नबायोत क बहिन। 4आदा
एसाव क एक पूत एलीपज दिहस। बासमत क रूएल नाउँ
क पूत भवा। 5ओहोलीबामा एसाव क तीन पूत दिएस यूस,
यालाम अउ कोरह इ सबइ एसाव क पूत रहेन। इ सबइ
कनान पहँटा मँ पइदा भए रहेन।
6-8याकूब अउ एसाव क परिवार अब बहोत बाढ़ि गएन
अउ अउ कनान मँ इ बड़ा परिवार क खाइ-पिअइ क जुटाइ
पाउब कठिन होइ गवा। ऍह बरे एसाव कनान तजि दिहस
अउ आपन भाई याकूब स दूर दूसर पहँटा मँ चला गवा।
एसाव आपन सबहिं चीजन क आपन संग लिआवा। कनान
मँ रहत भवा उ सबहि इ चीजन क पाए रहा। ऍह बरे एसाव
आपन संग आपन मेहररुअन, पूतन, बिटियन सबहिं नउकरन,
गोरु अउ दूसर सबहिं जनावरन क लिहस। एसाव अउ
याकूब क परिवार ऍतना बाढ़त रहेन कि ओनका एक जगह
प रहब कठिन रहा। उ भुइँया दुइनउँ परिवारे क पेट पालइ
बरे जियादा नाहीं रही। ओनके लगे बहोत जियादा गोरु रहेन।
एसाव पहाड़ी पहँटा सेईर कइँती बढ़ा। (एसाव क नाउँ एदोम
भी अहइ।)
9एसाव एदोम क मनइयन क आदि बाप रहा। सेईर क
पहाड़ी पहँटा मँ बसइयन एसाव क घराने क इ नाउँ अहइँ।
10एसाव क पूत रहेनः एलीपज, आदा अउ एसाव क पूत।
रूएल बासमत अउ एसाव क पूत।
11एलीपज क पाँच पूत रहेनः तेमान, ओमार, सपो, गाताम
अउ कनज। 12एलीपज क एक तिम्ना नाँउ क उपपत्नी भी
रही। तिम्ना अउ एलीपज अमालेक क जन्म दिहन।
13रूएल क चार पूत रहेनः नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा।
इ सबइ एसाव क मेहरारु बासपत स ओकरे पोता रहेन।
14एसाव क तीसर मेहरारु अना क बिटिया ओहोलीबामा
रही। (अना सिबोन क पूत रहा।) एसाव अउ ओहोलीबामा
क पूत रहेनः यूस, यालाम, कोरह।
15एसाव स चलइ वाला बंस इ सबइ ही बाटेन।
एसाव क पहिला पूत एलीपज रहा। एलीपज स तेमान,
ओमार, सपो, कनज, 16कोरह, गाताम, अमालेक भएन।
इ सबहिं परिवार एसाव क मेहरारु आदा स भएन।
17एसाव क पूत रूएल इ परिवारन क आदि पिता रहाः
नहत, जेरह, सम्मा, मिज्जा।
इ सबहिं परिवार एसाव क मेहरारु बासमत स भएन।
18अना क बिटिया एसाव क मेहरारु ओहोलीबामा यूस,
यालाम अउ कोरह क जन्म दिहन। इ सबइ तीनउँ आपन-आपन
घराने क बाप रहेन। 19इ सबहिं परिवार एसाव स चलेन।
20एसाव क पहिले एदोम मँ सईर नाँउ क एक ठु होरी
मनई रहत रहा। सेईर क पूत इ सबइ अहइँः लोतान,
सोबाल, सिबोन, अना 21दीसोन, एसेर, दिसान। इ सबइ पूतन
आपन परिवार क मुखिया रहेन।
22लोतान, होरी, हेमाम क बाप रहा। (तिम्ना लोतान क
बहिन रही।) 23सोबल, अल्वान, मानहत एबल सपो, ओनाम
क पिता रहा।
24सिबोन क दुइ पूत रहेनः अय्या अउर अना। (अना उ
मनई अहइ जउन आपन पिता क गदहन क देखरेख करत
समइ रेगिस्तान मँ गरम पानी क झरना हेरेस।)
25अना, दीसोन अउ ओहोलीबामा क पिता रहा।
26दीसोन क चार पूत रहेनः हेमदान, एस्बान, यित्रान,
करान।
27एसेर क तीन पूत रहेनः बिल्हान, जावान, अकान।
28दीसान क दुइ पूत रहेनः ऊस अउ अरान।
29इ होरी परिवारन क मुखियन क नाउँ अहइँ। लोतान,
सोबाल, सिबोन, अना। 30दिसोन, एसेर, दीसान। इ सबइ
मनइयन ओन परिवारन क मुखिया रहेन जउन सेईर पहँटा मँ
रहत रहेन। 31उ टेम एदोम मँ कइउ राजा रहेन। इस्राएल मँ
राजा होइ के बहोत पहिले एदोम मँ राजा रहेन।
32बोर क पूत बेला एदोम मँ राज्ज करइ वाला राजा रहा।
उ दिन्हाबा सहर प राज्ज करत रहा। 33जब बेला मरा तउ
योबाब राजा भवा। योबाब बोस्रा क जेरह क पूत रहा। 34जब
योबाब मरा, हूसाम राज्ज किहस। हूसाम तेमानी लोगन क
देस क रहा। 35जब हूसाम मरा, हदद उ पहँटा प राज्ज
किहस। हदद बदद क पूत रहा। (हदद उ मनई रहा जउन
मिद्यानी लोगन क मोआब देस मँ हराए रहा।) हदद अबीत
सहर क रहा। 36जब हदद मरा, सम्ला उ प्रदेस प राज्ज
किहस। सम्ला मस्रेक क रहा। 37जब सम्ला मरा, साऊल उ
पहँटा प राज्ज किहस। साऊल फरात नदी क किनारे रहोबोत
क रहा। 38जब साऊल मरि गवा, बाल्हानान उ देस प
हूकूमत किहस। बाल्हानान अकबोर क पूत रहा। 39जब

बाल्हानान मरा, हदर उ प्रदेस प राज्ज किहस। हदर पाऊ सहर क रहा। मत्रेद क बिटिया हदर क मेहरारु क नाउँ महेतबेल रहा। मत्रेद क बाप मेजाहब रहा।

40-43एदोमी परिवारन, तिम्ना, अल्बा, यतेत, ओहोलीबामा, एला, पीपोन, कनज, तेमान, मिबसार, मग्दीएल अउ ईराम आदि क बाप एसाव रहा। हर एक परिवार एक ठु अइसे प्रदेस मँ रहत रहा जेकर नाउँ उहइ रहा जउन ओनकइ परिवारे क नाउँ रहा।

## सपन क देखइवाला यूसुफ

37 याकूब ठहरि गवा अउ कनान पहँटा मँ रहइ लाग। इ उहइ प्रदेस अहइ जहाँ ओकर बाप आइके बसा रहा। 2याकूब क परिवार क इहइ कथा अहइ।

यूसुफ एक सत्रह बरिस क जवान रहा। ओकर पेसा भेड़ी बोकरियन क देखरेख करब रहा। यूसुफ इ काम अरथ अहइ कि बिल्हा अउ जिल्पा क पूतन क संग करत रहा। (बिल्हा अउ जिल्पा ओकरे बाप क मेहररुअन रहिन।) यूसुफ आपन बाप क आपन भाइयन क बुरी बातन बतावत रहा। 3यूसुफ उ टेम पइदा भवा जब ओकर पिता इस्राएल बहोत बुढ़वा रहा। ऍह बरे इस्राएल, यूसुफ क आपन दूसर पूतन स बेसी पिआर करत रहा। याकूब आपन पूत क एक खास कोट बनवाएस। इ कोट लम्बा अउ बहोत सुन्नर रहा। 4यूसुफ क भाइयन लखेन कि ओनकइ बाप ओनसे बेसी यूसुफ क जियादा पिआर करत ह। उ पचे इहइ कारण आपन भाई स घिना करत रहेन। उ पचे यूसुफ स अच्छी तरह बात नाहीं करत रहेन।

5एक दाईं यूसुफ एक खास सपन लखेस। पाछे यूसुफ आपन इ सपना क बारे मँ आपन भाइयन क बताएस। एकरे पाछे ओकरे भाई पहिले स भी जियादा ओसे घिना करइ लागेन।

6यूसुफ कहेस, "मइँ एक सपना देखेउँ ह। 7हम पचे सबहिं खेते मँ काम करत रहे। हम पचे गोहूँ क एक साथ बोझ बाँधत रहेन। मोर बोझा खड़ा होइ गवा अउ तू पचन क बोझ मोरे बोझे क चारिहुँ कइँती घेरि लिहस। तब तोहार सबहिं बोझ मोरे बोझे क निहुरिके प्रणाम किहस।"

8ओकर भाइयन कहेन, "का, तू सोचत ह कि ऍकर अरथ अहइ कि तू राजा बनब्या अउर हम पचन प राज्ज करब्या?" ओकर भाइयन यूसुफ स अब अउर बेसी घिना करब सुरु किहेस काहेकि उ ओकरे बारे मँ सपना देखत रहा।

9तब यूसुफ दूसर सपना देखेस। यूसुफ आपन भाइयन स इ सपना क बारे मँ बताएस। यूसुफ कहेस, "मइँ दूसर सपना लखेउँ ह। मइँ सूरज, चन्द्रमा अउ गियारह नछत्रन क आपन क प्रणाम करत लखेउँ।"

10यूसुफ आपन बाप क भी इ सपना क बारे मँ बताएस। मुला ओकर पिता ओका डाँटेस। ओकर पिता कहेस, "इ कउने तरह क सपना अहइ? का तोहका बिस्सास अहइ कि तोहार महतारी, तोहार भाई अउ हम पचे तोहका प्रणाम करिबइ?" 11यूसुफ क भाई ओहसे बराबर जलन करत रहा। मुला यूसुफ क पिता इ सबहिं बातन क बारे मँ बहोत गहराई स बिचार किहस अउ सोचेस कि ओनकइ अरथ का होई?

12एक दिन यूसुफ क भाई आपन बाप क भेड़िन क देखरेख बरे सकेम गएन। 13याकूब यूसुफ स कहेस, "सकेम जा। तोहार भाई मोर भेड़िन क साथ हुअँा अहइ।"

यूसुफ जवाब दिहस, "मइँ जाब।"

14यूसुफ क बाप कहेस, "जा अउ लखा कि तोहार भाई सुरच्छित बाटइ। लौटिके आवा अउ बतावा कि का मोर भेड़िन ठीक अहइँ?" इ तरह यूसुफ क पिता ओका हेब्रोन क घाटी स सकेम क पठएस।

15सकेम मँ यूसुफ हेराइ गवा। एक मनई ओका खेतन मँ भटकत भवा पाएस। उ मनई कहेस, "तू का हेरत अहा?"

16यूसुफ उत्तर दिहस, "मइँ आपन भाइयन क हेरत अहउँ। का तू बताइ सकत ह कि उ सबइ आपन भेड़िन क संग कहाँ अहइँ?"

17मनई जवाब दिहस, "उ पचे पहिले ही चला गवा अहइँ। मइँ ओनका कहत भवा सुनेउँ कि उ पचे दोतान क जात अहइँ।" ऍह बरे यूसुफ आपन भाइयन क पाछे गवा अउ उ ओनका दोतान मँ पाएस।

## यूसुफ गुलामी बरे बेचा गवा

18यूसुफ क भाइयन बहोत दूर स ओका आवत लखेन। उ पचे ओका मारि डावइ क कुचाल बनावइ क ठान लिहन। 19भाइयन एक दूसर स कहेन, "इ सपना लखइवाला यूसुफ आवत अहइ। 20मौका मिलत ही हम पचे ओका मारि डाइ। हम ओकरे तने क झुरान भए इरनन मँ स कउनो एक मँ लोकाइ सकित ह। हम आपन पिता स कहि सकित ह कि एक ठु जंगली जनावर ओका मारि डाएस। तब हम पचे ओका देखाउब कि ओकर सपना बेकार अहइँ।"

21मुला रूबेन यूसुफ क बचावइ चाहत रहा। रूबेन कहेस, "हम पचे ओका मारी नाहीं। 22हम लोग ओका बिना चोट किहे एक ठु इनारा मँ नाइ सकित ह।" रूबेन यूसुफ क बचावइ अउर ओकरे बाप क लगे पठवइ क जोजना बनाएस। 23यूसुफ आपन भाइयन क लगे आवा। उ पचे ओह प धावा बोल दिहन अउ ओकरे लम्बे अउ सुन्नर कोट क फाड़ डाएन। 24तब उ पचे ओका खाली झुरान इनारा मँ बहाइ दिहन।

25यूसुफ इनारा मँ ओकर भाइयन क भोजन करइ बरे बइठइ तलक रहा। तब उ पचे नजर उठाएन अउ बइपारियन क एक दल क लखेन। जउन गिलाद स मिस्र क जात्रा प रहेन। ओनकइ ऊँटन कइउ तरह क मसाला अउ धन लइ जात रहेन। 26ऍह बरे यहूदा आपन भाइयन स कहेस, "अगर हम लोग आपन भाई क मारि देब अउ ओकरी मउत क छुपाउब तउ ओहसे हमका का लाभ मिली? 27हम सबन क बेसी फायदा तब होइ जब हम ओका बइपारियन क हाथ बेचि देइ।" दूसर भाई लोग मान गएन। 28जब मिद्रयानी बइपारी लोग लगे आएन, भाई लोग यूसुफ क इनारा स बाहेर निकारेन। उ पचे बीस ठु चाँदी क टूका मँ ओका बेचि दिहन। बइपारियन ओका मिस्र लइ गएन।

29इ पूरा टेम रूबेन भाइयन क संग हुआँ नाहीं रहा। उ
नाहीं जानत रहा कि उ पचे यूसुफ क बेचि दिहे रहेन। जब
रूबेन इनारा प लौटिके आवा तउ उ लखेस कि यूसुफ हुआँ
नाहीं अहइ। रूबेन बहोत जियादा दु:खी भवा। उ आपन
ओढ़ना क फाड़ेस। 30रूबेन भाइयन क लगे गवा अउ उ
ओनसे कहेस, "लरिका कुआँ प नाहीं अहइ। मइँ का
करउँ?" 31भाइयन एक बोकरी क मारेन अउ ओकरे खून
क युसुफ क सुन्नर कोट प डाएस। 32तब भाईयन उ कोट
क आपन पिता क देखाएन अउ कहेन, "हमका इ कोट
मिला बाटइ, का इ यूसुफ क कोट अहइ?"

33बाप कोट क लखेस अउ पहिचानेस कि इ यूसुफ क
अहइ। पिता कहेस, "हाँ, इ उहइ क बाटइ। होइ सकत ह
कि ओका कउनो जंगली जनावर मारि डाए होइ। मोरे पूत
यूसुफ क कउनो जंगली जनावर खाइ गवा।" 34याकूब
आपन ओढ़ना फाड़ि डाऐस अउर सोक क ओढ़ना पहिर
लिहेस। याकूब लम्बे समइ तलक आपन बेटवा क दु:ख
अउ सोक मँ पड़ा रहा। 35याकूब क सबइ बेटवन, बिटियन
ओका धीरे बँधावइ क जतन किहन। मुला याकूब कबहुँ धीरे
न धरि सका। याकूब कहेस, "मइँ मरइ क दिन तलक
आपन पूत यूसुफ क दु:ख मँ डूबा रहब।" अउर याकूब
आपन पूत क दु:ख परगट करना जारी रखा।

36ओनें मिद्यानी बइपारियन जउन यूसुफ क बेसहे रहेन,
पाछे ओका मिस्त्र मँ बेचि दिहन। उ पचे फिरौन क
अंगरच्छकन क सेनापति पोतीपर क हाथ ओका बेचेन।

### यहूदा अउ तामार

38 ओनही दिनन मँ यहूदा आपन भाइयन क तजि
दिहस अउ हीरा नाउँ क मनई क संग रहइ चला
गवा। हीरा अदुल्लाम सहर क रहा। 2यहूदा एक कनानी
मेहरारु स हुआँ मिला अउ ओसे बियाह कइ लिहस। मेहरारु
क बाप क नाउँ सूआ रहा। 3कनानी मेहरारु एक पूत क
जन्म दिहस। उ पचे ओकर नाउँ एर धरेन। 4पाछे दूसर पूत
क जन्म दिहस। उ पचे लरिका का नाउँ ओनान धरेन। 5पाछे
ओका दूसर पूत सेला नाउँ क भवा। यहूदा तीसर बच्चा क
जन्म क टेम कजीब मँ रहत रहा।

6यहूदा आपन पहिले पूत एर बरे बहू क रुप मँ एक ठु
मेहरारु क चुनेस। मेहरारु क नाउँ तामार रहा। 7मुला एर
बहोत सी बुरी बातन क किहेस। यहोवा ओसे खुस नाहीं
रहा। ऍह बरे यहोवा ओका मारि डाएस। 8तब यहूदा एर क
भाई ओनान स कहेस, "जा अउर मरे भाई क मेहरारु क
संग सोआ।*। तू ओकरे भतार क नाईं बना। अगर लरिका
होइहीं तउ उ पचे तोहरे भाई एर क होइहीं।"

9ओनान जानत रहा कि जोड़ा स पइदा भए लरिकन
ओकर नाहीं होइहीं। ओनान तामार क संग तने क सम्बंध
किहस। मुला उ ओका आपन गरभ धारण करइ नाहीं
दिहस। 10एहसे यहोवा कोहाइ गवा। ऍह बरे यहोवा ओनान
क भी मारि डाएस।

11तब यहूदा आपन पतोहू तामार स कहेस, "आपन बाप
क घरे लौटि जा। हुअँइ रहा अउर तब तलक बियाह जिन
करा जब तलक मोर लहुरा पूत सेला बाढ़ न जाइ।" यहूदा
क डर रहा कि सेला भी आपन भाइयन क तरह मारि डावा
जाइ। तामार आपन बाप क घर लौटि गइ।

12पाछे सुआ क बिटिया यहूदा क मेहरारु मरि गइ। यहूदा
आपन दु:ख क टेम क पाछे अदुल्लाम क आपन मीत हीरा
क संग तिम्ना गवा। यहूदा आपन भेड़ी क ऊन कतरइ
तिम्ना गवा।

13तामार क इ मालूम भवा कि ओकर ससुर यहूदा आपन
भेड़िन क ऊन कतरइ तिम्ना क जात अहइ।

14तामार हमेसा अइसे ओढ़ना पहिरत रही जेहसे मालूम
होइ कि इ रँड़ अहइ। ऍह बरे उ कछू दूसर ओढ़ना पहिरेस
अउ मुँह क पर्दा मँ ढाँकि लिहस। तब उ तिम्ना सहर क
लगे एनैम क जाइवाली सड़क क किनारे बइठि गइ। तामार
जानत रही कि यहूदा क लहुरा बेटवा अब बाढ़ि ग अहइ।
मुला यहूदा ओसे ओकरे बियाहे क कउनो योजना नाहीं
बनावत अहइ।

15यहूदा उहइ सड़क स जात्रा किहस। उ ओका लखेस,
मुला बिचारेस कि उ पतुरिया अहइ। (ओकरे मुँह पतुरिया क
तरह ढका भवा रहा।) 16ऍह बरे यहूदा ओकरे लगे गवा
अउ बोला, "मोका आपन संग तने क सम्बंध करइ द्या।"
(यहूदा नाहीं जानत रहा कि उ ओकर पतोहू तामार अहइ।)

तामार बोली, "तू मोका केतना देब्या?"

17यहूदा जवाब दिहस, "मइँ आपन भेड़ी क झुण्ड स
तोहका एक नई बोकरी पठउब।"

उ जवाब दिहस, "मइँ एका अंगीकार करत अहउँ मुला
पहिले तू मोका कछू रखइ क द्या जब तलक तू बोकरी
नाहीं पठउत्या।"

18यहूदा पूछेस, "मइँ बोकरी पठउब एकरे सबूत बरे मोसे
का लेइ चहुबिउ?"

तामार जवाब दिहस, "मोका तोहार मोहर अउर धागा द्या
अउ मोका आपन टहरइ क कुबरी द्या।" यहूदा इ सबइ
चीजन ओका दिहस। तब यहूदा अउ तामार तने क सम्बंध,
किहन अउ तामार गोड़े स भारी होइ गइ। 19तामार घरे गइ
अउ मुँह क ढाँपइ वाला पर्दा क हटाएस। तब उ फुन आपन
क रँड़ बतावइ वाला खास ओढ़ना क पहिरेस।

20पाछे यहूदा आपन मीत हीरा क पतुरिया क बोकरी देइ
एनैम पठएस जेका उ जबान दिहे रहा। यहूदा हीरा स खास
मोहर अउ टहरइ क कुबरी भी ओसे लेइ बरे कहेस। मुला
हीरा ओका न पाइ सका।

21हीरा एनैम सहर क कछू लोगन स पूछेस, "सड़क क
किनारे जउन पतुरिया रही, उ कहाँ बाटइ?" मनइयन जवाब
दिहन, "हिअँ कबहुँ कउनो पतुरिया नाहीं रही।"

22तउ यहूदा क मीत यहूदा क लगे लौटि गवा अउ ओसे
कहेस, "मइँ उ मेहरारु क पता नाहीं लगाइ सकेउँ। जउन
मनइयन उ जगह बसत अहइँ उ पचे मोका बताएन कि हुआँ
कबहुँ कउनो पतुरिया नाहीं रही।" 23ऍह बरे यहूदा कहेस,

---

**जा ... सोआ** इस्राएल मँ इ रिवाज रहा कि जदि कउनो मनई
बे सन्ताने क मरि जात रहा तउ उ रँड़ क भाइयन मँ स कउनो
एक ओका बइठाइ लेत रहा। अगर कउनो लरिका पइदा होत रहा
तउ उ मरे मनई क लरिका समझा जात रहा।

"ओका उ सबइ चीजन राखइ दया। मइँ नाहीं चाहत कि लोग हम पचन प हँसउआ करइँ। मइँ ओका बोकरी देइ चाहेउँ, मुला हम ओकर पता नाहीं लगाइ सके। इहइ बहोत अहइ।"

### तामार लड़कोर होइवाली अहइ

24लगभग तीन महीना पाछे कउनो यहूदा स कहेस, "तोहार पतोहू तामार एक पतुरिया क नाईं पाप किहे अहइ अउ अब उ गरभ धारण किहे अहइ।"

तब यहूदा कहेस, "ओका बाहेर निकारा अउ ओका जराइ के मार डावा।"

25ओकर आदमी तामार क मारइ गएन। मुला तामार आपन ससुर क लगे सँदेसा पठएस। तामार कहेस, "जउन मनई मोका गरभधारण कराएस ह उहइ क इ सबइ चीजन अहइँ। इ सबइ चीजन क लखा। उ सबइ केकर अहइँ? केकर इ खास मोहर अउ इ धागा अउर इ टहरइ क कुबरी अहइ?"

26यहूदा ओन सबहिं चीजन क पहिचानेस अउ कहेस, "इ ठीक कहत बाटइ। मइँ गल्ती किहेउँ। मइँ आप क बचन क अनुसार आपन बेटवा सेला क ऍका नाहीं दिहेउ" अउ यहूदा ओकरे संग फुन नाहीं सोवा।

27तामार क लरिका जन्मइ क टेम आवा अउ उ पचे लखेन कि उ जुड़ौधा बच्चन क जन्मी। 28जउन टेम उ जन्मत रही एक लरिका बाहेर हाथ निकारेस। धाई हाथे प लाल धागा बाँधेस अउ कहेस, "इ बच्चा पहिले पइदा भवा।" 29मुला उ बच्चा आपन हाथ वापिस भितरे हींच लिहस। तब दूसर बच्चा पहिले पइदा भवा। तब दाई कहेस, "लखा तू कैसे निकरइ आएस।" ऍह बरे उ पचे ओकर नाउँ पेरेस राखेन। 30ऍकरे पाछे दूसर बच्चा पइदा भवा। इ उहइ बच्चा रहा जेकरे हाथे प लाल धागा रहा। उ पचे ओकर नाउँ जेरह राखेन।

### यूसुफ क मिस्र क पोतिपर क बेचा गवा

39 बइपारी लोग जउन यूसुफ क बेसहे रहेन उ ओका मिस्र लइ गएन। उ पचे फिरौन क अंगरच्छक क नायक पोतीपर क हाथ ओका बेच दिहन। 2मुला यहोवा यूसुफ क मदद किहस। यूसुफ एक सफल मनई बन गवा। यूसुफ आपन मिस्र क मालिक पोतीपर क घरे मँ रहा।

3पोतीघर लखेस कि यहोवा यूसुफ क संग अहइ। पोतीपर इ भी लखेस कि यहोवा जउन कछू करत ह, ओहमा ओका सफल बनवइ मँ सहायक बाटइ। 4ऍह बरे पोतीपर यूसुफ क पाइके बहोत खुस रहा। पोतीपर ओका आपन बरे काम करइ अउ घर क सासन मँ मदद करइ बरे राखेस। पोतीपर क आपन हर एक चीज क यूसुफ अफसर रहा। 5जब यूसुफ घरे क अफसर बनइ दीन्ह गवा तब यहोवा उ घर अउ पोतीपर क हर एक चीज क असीसेस। यहोवा इ यूसुफ क कारण किहेस अउ यहोवा पोतीपर क खेतन मँ उगइवाली हर चीज क असीसेस। 6ऍह बरे पोतीपर घर क हर चीज क जिम्मेदारी यूसुफ क दिहस। पोतीपर कउनो चीज क चिन्ता नाहीं करत रहा। उ जउन खइया क खात रहा सिरिफ ओकर ओका फिकिर रही।

### यूसुफ पोतीपर क मेहरारु क अस्वीकार करत ह

यूसुफ बहोत सुन्नर अउ रुपवान रहा। 7कुछ टेम पाछे यूसुफ क मालिक क मेहरारु यूसुफ स पिरेम करइ लाग। एक दिन उ ओसे कहेस, "मोरे संग सोआ।"

8मुला यूसुफ मना कइ दिहस। उ कहेस, "मोर मालिक घर क हर चीज बरे मोहे प बिस्सास करत ह। उ हिऑं क हर चीज क जिम्मेदारी मोका दिहेस ह। 9मोर मालिक आपन घर मँ मोका लगभग आपन क बराबर सम्मान दिहेस ह। मुला मोका ओकरी मेहरारु क संग नाहीं सोवइ चाही। इ गलत अहइ। इ परमेस्सर क खिलाफ पाप अहइ।"

10उ मेहरारु हर दिन यूसुफ स बात करत रही मुला यूसुफ ओकरे संग सोवइ स मना कइ दिहस। 11एक दिन यूसुफ आपन काम करइ घरे मँ गवा। उ टेम उ घरे मँ अकेल्ला मनई रहा। 12ओकरे मालिक क मेहरारु ओकर कोट धइ लिहस अउ ओसे कहेस, "आवा अउ मोरे संग सोवा।" मुला यूसुफ घरे स पराइ गवा अउ उ आपन कोट ओकरे हाथे मँ छोड़ दिहस।

13मेहरारु लखेस कि यूसुफ आपन कोट ओकरे हाथे मँ छोड़ दिहे अहइ अउ उ जउन कछू भवा ओकरे बारे मँ झूठ बोलइ क ठान लिहस। उ बाहेर दौड़ी। 14अउर उ घरे क उ मनइयन क गोहराएस। उ कहेस, "लखा, इ हिब्रू दास हम पचन क मजाक करइ हिऑं आवा रहा। उ भितरे आवा अउ मोरे संग सोवइ क कोसिस किहस। मुला मइँ जोर स नरियाइ पड़ी। 15मोर नरियाब ओका ससाइ दिहस अउ उ पराइ गवा। मुला उ आपन कोट मोरे लगे छोड़ गवा।" 16ऍह बरे उ यूसुफ क मालिक आपन भतारे क घर लौटइ क समइ तलक ओकरे कोट क आपन लगे राखेस। 17अउर उ आपन भतार क कहानी सुनाएस। उ कहेस, "जउन हिब्रू दास क तू हिऑं लिआया उ मोह प हमला करइ क कोसिस किहस। 18मुला जब उ मोरे लगे आवा तउ मइँ चिचियाई। उ पराइ गवा, मुला आपन कोट छोड़ गवा।"

### यूसुफ कारगार मँ

19यूसुफ क मालिक जउन ओकरी मेहरारु स कहेस, ओका सुनेस अउ उ बहोत रिसियाइ गवा। 20हुऑं एक जेल रही जेहमौं राजा क दुस्मन रखा जात रहेन। ऍह बरे पोतीपर यूसुफ क उहइ जेल मँ धाँध दिहस अउ यूसुफ हुऑं पड़ा रहा। 21मुला यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा ओह पइ कृपा करत रहा। 22कछू टेम पाछे जेल क रच्छक क मुखिया यूसुफ स सोनेह करइ लाग। रच्छकन क मुखिया सबहिं कैदियन क अफसर यूसुफ क बनाएस। यूसुफ ओनकइ मुखिया रहा, मुला काम उहइ करत रहा जउन उ पचे करत रहेन। 23रच्छकन क मुखिया जेल क सबहिं चीजन क बरे यूसुफ प पतियात रहा। इ ऍह बरे भवा कि यहोवा यूसुफ क संग रहा। यहोवा यूसुफ क, उ जउन कछू करत रहा, सुफल होइ मँ मदद करत रहा।

### यूसुफ दुइ सपना क अरथ बतावत ह

40 पाछे फिरौन क दुइ नउकरन ओकर संग कछू गलत किहेन। इ नउकरन मँ स एक ठु रोटी पोवइया अउ दूसर दाखरस देइ क सेवा करत रहा। 2फिरौन आपन रोटी पोवइया अउ सरब देइवाला नउकर पर रिसियाइ गवा। 3ऍह बरे फिरौन उहइ जेल मँ ओनका पठएस जेहमाँ यूसुफ रहा। फिरौन क अंगरच्छक लोगन क नायक पोतीपर उ जेल क अफसर रहा। 4नायक दुइनउँ कैदियन क यूसुफ क देखरेख मँ राखेस। दुइनउँ कछू टेम तलक जेल मँ रहेन। 5एक रात दुइनउँ कैदियन सपना देखेन। दुइनउँ कैदी मिस्र क राजा क रोटी पोवइया अउ दाखरस देइवाला नउकर रहेन। हर एक कैदी क आपन-आपन सपना रहेन अउ हर एक सपना क अलग अलग अरथ रहा। 6यूसुफ दूसर भिन्सारे ओनकइ लगे गवा। यूसुफ लखेस कि दुइनउँ मनई परेसान रहेन। 7यूसुफ पूछेस, "आजु तू पचे ऍतना परेसान काहे देखाइ पड़त ह?"

8दुइनउँ मनई जवाब दिहन, "पिछली रात हम पचे सपना देखा, मुला हम लोग नाहीं बूझित कि सपना क का अरथ अहइ? कउनो मनई अइसा नाहीं अहइ कि जउन सपना क अरथ बतावइ या हम पचन क साफ साफ बतावइ।"

यूसुफ ओनसे कहेस, "सिरिफ परमेस्सर ही अइसा अहइ जउन सपना क बूझत अउ अरथ बतावत ह। ऍह बरे मइँ निवेदन करत हउँ कि आपन सपना मोका बतावा।"

### दाखरस देइवाला नउकर क सपना

9ऍह बरे दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क आपन सपना बताएस। नउकर कहेस, "मइँ सपना मँ अंगूरे क लता देखेउँ। 10उ अंगूरे क लता क तीन ठु डारियन रहिन। मइँ डारियन मँ फूल आवत अउ ओनकइ अंगूर बनत लखेउँ। 11मइँ फिरौन क पिआला लिए रहेउँ। ऍह बरे मइँ अगूंरन क लिहेउँ अउ पिआला मँ रस निचोड़ेउँ। तब मइँ पिआला फिरौन क दिहेउँ।"

12तब यूसुफ कहेस, "मइँ तोहका सपन क अरथ बताउब। तीन ठु डारियन क अरथ तीन दिन अहइ। 13तीन दिन बीतइ क पहिले फिरौन तोहका छिमा करी अउ तोहका तोहरे कामे प लौटे प देइ। तू फिरौन क बरे उहइ काम करब्या अउर जउन पहिले करत रह्या। 14मुला जब तू अजाद होइ जाब्या तउ मोका सुमिर्‌या। मोर मदद किह्या। फिरौन स मोरे बारे मँ कह्या जेहसे मइँ इ जेल स बाहेर होइ सकउँ। 15मोका हिब्रू लोगन क देस स लावा गवा रहा। मइँ हियाँ कउनो अपराध भी नाहीं किहेउँ ह। ऍह बरे मोका जेल मँ न होइ चाही।"

### रोटी पोवइया क सपना

16रोटी बनावइ वाला लखेस कि दूसर नउकर क सपना अच्छा रहा। ऍह बरे रोटी पोवइया यूसुफ स कहेस, "मइँ भी सपना देखेउँ। मइँ देखेउँ कि मोरे मूँड़े प तीन ठु रोटी क टोकरी बाटइ। 17सब त ऊपर क टोकरी मँ हर किसिम क पका भवा भोजन रहेन। इ भोजन राजा बरे रहा। मुला खइया क चिरइयन चुगत रहिन।"

18यूसुफ जवाब दिहस, "मइँ तोहका बताउब कि सपना क का अरथ अहइ? तीन टोकरी क अरथ तीन दिन बाटइ। 19तीन दिन बीतइ स पहिले राजा तोहका इ जेलि स बाहेर निकारी। तब राजा तोहार मूँड़ काटि डाइ। उ तोहरे तने क एक ठु खम्भा स लटकाइ अउ चिरइयन तोहरे तने क खइहीं।"

### यूसुफ क भुलाइ दीन्ह गवा

20तीन दिना पाछे फिरौन क जन्म दिन रहा। फिरौन आपन सबहिं नउकरन क दावत दिहस। दावत क टेम फिरौन दाखरस देइवाला अउ रोट पोवइया नउकरन क जेल स निकसइ दिहस। 21फिरौन दाखरस देइवाला नउकर क अजाद कइ दिहस। फिरौन ओका नउकरी प लौटाइ दिहस अउ दाखरस देइवाला नउकर फिरौन क हाथे मँ एक ठु पिआला दिहस। 22मुला फिरौन रोटी पोवइया क मार डाएस। सब बातन जइसे यूसुफ होइ बरे बताए रहा वइसेन ही भइन। 23मुला दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ क मदद करब याद नाहीं रहा। उ यूसुफ क बारे मँ फिरौन स कछू नाहीं कहेस। दाखरस देइवाला नउकर यूसुफ क बारे मँ बिसरि गवा।

### फिरौन क सपना

41 दुइ बरिस बाद फिरौन सपना लखेस। फिरौन सपने मँ लखेस कि उ नील नदी क किनारे खड़ा अहइ। 2तब फिरौन सपने मँ नदी स सात गइयन क बाहेर आवत लखेस। गइयन मोटी अउ सुन्नर रहिन। गइयन हुआँ खड़ी रहिन अउ घासे प चरत रहिन। 3तब सात दूसर गइयन नदी स बाहेर आइन, अउर नदी क किनारे मोटी गइयन क निचके ठाड़ होइ गइन। मुला इ गइयन दूबर अउ देखन मँ बीमार लगत रहिन। 4इ सातउ दूबर अउर बीमार गइयन, सुन्नर मोटी सात गइयन क खाइ गइन। तब फिरौन जाग उठा।

5फिरौन फुन सोवा अउ दूसर दाईं सपना लखेस। उ सपने मँ अनाज क सात बाल एक ही पउधा प लखेस। अनाजे क बालन मोटी अउ अच्छी रहिन। 6तब उ उहइ अनाज क पाछे सात अनाजे क बालन क जमी लखेस। अनाजे क इ बालन पातर अउ गरम हवा स नस्ट होइ गइ रहिन। 7तब्बइ सात पातर बालन सात ठु मोटवार अउ बढ़िया बालन क खाइ लिहन। फिरौन पुन जागि उठा अउ उ समझेस कि इ सिरिफ सपना ही बाटइ। 8दूसर भिन्सारे फिरौन इ सपनन क बारे मँ परेसान रहा। ऍह बरे उ मिस्र क सबहिं जादूगर लोग अउ सबहिं गुनी लोगन क बोलाएस। फिरौन ओनका सपना बताएस। मुला ओन लोगन मँ स कउनो भी सपना क साफ या ओकर अरथ न बताइ सका।

### नउकर फिरौन क यूसुफ क बारे मँ बतावत ह

9तब दाखरस देइवाला नउकर क यूसुफ याद आवा। नउकर फिरौन स कहेस, "मोरे संग जउन कछू भवा रहा उ मोका याद आवत अहइ। 10आप मोह प अउ रोटी पोवइया प कोहान रहेन अउ आप हम दुइनउँ क जेलि मँ धाँध दिहे

रहेन। 11जेल मँ एक ही रात हम दुइनउँ सपना देखेन। हर एक सपना अलग अरथ रखत रहा। 12एक ठु हिब्रू नउजवान हम पचन क संग जेल मँ रहा। उ अंगरच्छकन क नायक क नउकर रहा। हम पचन आपन आपन सपना ओका बतावा, अउ उ सपना क अरथ हम लोगन क बुझाएस। उ हर सपना क अरथ हम पचन क समझाएस। 13जउन अरथ उ बताएस उ सबइ ठीक निकरेन। उ बताएस कि मइँ अजाद होब अउ आपन काम मँ वापस लउट आउब। अउर इहइ भवा उ कहेस कि रोटी पोवइया क मार कइ टाँग दीन्हा जाइहीं। अउ उहइ भवा।"

### यूसुफ सपन क अरथ बतावइ बरे बोलावा गवा

14ऍह बरे फिरौन यूसुफ क जेल स बोलाएस। रच्छक हाली स यूसुफ क जेल स बाहेर लिआएन। यूसुफ हजामत बनावइके अउर कपड़े बदल के फिरौन क समन्वा खड़ा भवा। 15तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "मइँ एक सपना लखेउँ ह। मुला कउनो अइसा नाहीं अहइ जउन सपना क अरथ मोका समझाइ सकइ। मइँ सुनेउँ ह कि जब कउनो सपना क बारे मँ तोहसे कहत ह कि तब तू सपन क अरथ अउ ओनका फरियाइ सकत ह।"

16यूसुफ जवाब दिहस, "मोर आपन बुद्धि नाहीं अहइ कि मइँ सपनन क बूझ सकउँ। सिरिफ परमेस्सर ही अहइ जउन अइसी सक्ती राखत ह अउर फिरौन बरे परमेस्सर ही इ करी।"

17तब फिरौन कहेस, "अपने आप क, मइँ नील नदी क किनारे ठाड़ लखेउँ। 18मइँ सात गइयन क नदी स बाहर आवत लखेउँ अउ घास चरत देखेउँ। इ गइयन मोटी अउ सुन्नर रहिन। 19तब मइँ दूसर सात गइयन क नदी स बाहेर आवत देखेउँ। इ सबइ गइयन पातर अउ भद्दी रहिन। मइँ मिस्र देस मँ जेतनी गइयन देखेउँ ह ओनमाँ स उ सबइ सब स जियादा बुरी रहिन। 20अउ ऍन भद्दी अउर पातर गइयन पहिली सुन्नर सात गइयन क खाइ डाएन। 21मुला सातउ गइयन क खाए क पाछे भी उ पचे पातर अउ भद्दी रहिन। तू ओनका लखा तउ नाहीं जान सक्त्या कि उ पचे दूसर सात गइयन क खाया ह। उ पचे ओतनी ही भद्दी अउ पातर देखाइ पड़त रहिन जेतना सुरु मँ रहिन। तब मइँ जाग गवा।

22"तब मइँ आपन दूसर सपना मँ अनाज क सात बालन एक ही पउधा प उग्गी भइ देखेउँ। इ सबइ अनाज क बालन अच्छी अउ दानन स भरी भइ रहिन। 23तब ओनके पाछे सात दूसर बालन उग्गिन। मुला इ सबइ सात बालन पातर, भद्दी अउ गरम हवा स नस्ट भइ रहिन। 24तब सात पातर बालन सात अच्छी बालन क खाइ डाएन।

"मइँ इ सपना क आपन जादूगर लोगन क बताएउँ मुला कउनो सपने क अरथ मोका नाहीं समझाएस। एकर अरथ का अहइ?"

### यूसुफ सपना क अरथ बतावत ह

25तब यूसुफ फिरौन स कहेस, "इ दुइनउँ सपना एक ही अरथ रखत हीं। परमेस्सर तोहका बतावत ह कि उ हाली का करइ क जात अहइ। 26सात अच्छी गइयन अउ सात अच्छी अनाजे क बालन सात बरिस अहइँ-दुइनउँ सपना एक ही अहइँ। 27सात दूबर अउ भद्दी गइयन अउ सात बुरी अनाजे क बालन देस मँ भुखमरी क सात बरिस अहइँ। इ सबइ सात बरिस, बढ़िया सात बरिस क पाछे अइहीं। 28परमेस्सर आप क इ देखाइ दिहस ह कि हाली ही का होइवाला अहइ। इ वइसा ही होइ जइसा मइँ कहेउँ ह। 29आप क सात बरिस मिस्र मँ अच्छी पइदावार अउ भोजन इफरात होइहीं। 30मुला इ सात बरिस क पाछे पूरे देस मँ भुखमरी क सात बरिस अइहीं। जउन समूचइ मिस्र मँ पइदा भ अहइ ओका लोग बिसरि जइहीं। इ अकाल देस क बर्बाद कइ देइ। 31काहेकि अकाल ऍतना भयानक होइ कि लोग प्रयाप्त खइया खाइ का होत ह इ बिसरि जाइहीं।

32"हे फिरौन, आपन एक ही बारे मँ दुइ सपना लखे रहेन। इ इ बात क देखावइ बरे भवा कि परमेस्सर फुरइ ही अइसा होइ देइ अउर इ बताएस ह कि परमेस्सर ऍका हाली ही होइ देइ। 33ऍह बरे हे फिरौन आप एक अइसा मनई चुनइँ जउन बहोत चुस्त अउ बुध्दिमान होइ। आप ओका मिस्र देस क निगराँकार बनावइँ। 34तब आपन दूसर मनई क जनता स भोजन बटोरइ बरे चुनइँ। लोगन क सात अच्छे बरिस मँ जेतॅना अनाज पइदा करइँ, ओकर पाँचवाँ हींसा ओनका देइ चाही। 35ओनका हुकुम देइँ कि जउन अच्छे बरिस आवइँ ओहमाँ भोजन बटोरइँ। उ सहरन मँ भोजन क जमा करइँ। तब उ पचे भोजन क रच्छा उ टेम तलक करिहीं जब ओनकइ जरुरत होइ। 36उ भोजन मिस्र देस मँ आवइवाली भुखमरी क सात बरिस मँ मदद करी। तब मिस्र मँ सात बरिस मँ लोग भोजन क कमी स मरिहीं नाहीं।"

37फिरौन क इ नीक बिचार मालूम भवा। एहसे सबहिं अफसर राजी रहेन। 38फिरौन आपन अफसरन स पूछेस, "का तू लोगन मँ स कउनो इ काम क करइ बरे यूसुफ स अच्छा मनई हेरि सकत ह? परमेस्सर क आतिमा इ मनई क फुरइ बुध्दिमान बनाइ दिहस ह।" 39फिरौन यूसुफ स कहेस, "परमेस्सर इ सबहिं चीजन क तोहका देखॅाएस ह। ऍह बरे तू ही सबन त जियादा बुध्दिमान अहा। 40ऍह बरे मइँ तोहका आपन महल क निगराँ अधिकारी बनउब। जनता तोहरे हुकुम क मानी। सिरिफ मइँ राजा ही तोहसे बड़वार रहब।"

41एक खास जलसा अउ नुमाइस रही जेहमाँ फिरौन यूसुफ क नवाब बनाएस। तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "मइँ अब तोहका पूरे देस क राजा बनावत अहउँ।" 42तब फिरौन आपन सरकारी मोहरवाली अंगूठी यूसुफ क दिहस अउ यूसुफ क एक सुन्नर रेसमी ओढ़ना पहिरइ क दिहस। फिरौन यूसुफ क गले मँ एक ठु सोना क हार डाएस। 43फिरौन दूसर रथे प यूसुफ क सवार होइ क कहेस। ओकरे रथे क अगवा खास रच्छक चलत रहेन। उ पचे लोगन स कहत रहेन, "हे मनइयो, यूसुफ क निहुरिके पैलगी करा।"

इ तरह यूसुफ पूरे मिस्र क राजपाल बना। 44फिरौन ओसे कहेस, "मइँ सम्राट फिरौन अहउँ। ऍह बरे मइँ जउन करइ चाहब, करब। मुला मिस्र मँ कउनो दूसर मनई हाथ गोड़ नाहीं हिलाइ सकत ह जब तलक तू ओसे न कहा।"

45फिरौन ओका दूसर नाउँ सपन तपानेह दिहस। फिरौन आसनत नाउँ क मेहरारु जउन ओन क पुजारी पोती पर क बिटिया रही, यूसुफ क मेहरारु क रुप मँ दिहस। इ तरह यूसुफ समूचइ मिस्र देस क राज्जपाल होइ गवा।

46यूसुफ उ टेम तीस बरिस क रहा जब उ मिस्र क सम्राट क सेवा करइ लाग। यूसुफ पूरा मिस्र देस मँ जात्रा किहस। 47अच्छे सात बरिसन मँ देसे मँ पइदावार बहोतइ ढेर क भइ 48अउर यूसुफ मिस्र मँ सात बरिस खइया क चीजन क बचाएस। यूसुफ खइया क सहरन मँ बटोरेस। यूसुफ सहर क चारिहुँ कइँती क खेतन मँ पइदा भवा अनाजे क हर सहर मँ बटोरेस। 49यूसुफ बहोत अनाज बटोरेस। इ समुद्दर क बालू क नाईं रहा। उ ऍतना अनाज बटोरेस कि ओकर वजन क भी न कूत कीन्ह जाइ सकइ।

50यूसुफ क मेहरारु आसनत ओन क याजक पोतीपरा क बिटिया रही। भुखमरी क पहिले बरिस क आवइ स पहिले यूसुफ अउ आसनत क दुइ पूत भएन। 51पहिले पूत क नाउँ मनस्से धरा गवा। यूसुफ ओकर इ नाउँ राखेस काहेकि उ बताएस, "मोका जेतना सारे कस्ट भएन अउ घरे क हर बात परमेस्सर मोसे बिसराइ दिहस।" 52यूसुफ दूसर पूत क नाउँ एप्रैम रखेस। यूसुफ ओकर नाउँ इ राखेस काहेकि उ बताएस, "मोका बहोतइ दु:ख मिला, मुला परमेस्सर मोका हर एक चीज मँ सफलता दिहेस।"

### भुखमरी क समइ सुरु होत ह

53सात बरिस तलक लोगन क लगे खाइ बरे उ सब कछू भोजन रहा जेनकइ ओनका जरुरत रही अउर जउन चिजियन ओनका जरुरी रहिन उ सबइ सबहिं जमत रहिन। 54मुला सात बरिस बाद भुखमरी क दिन सुरु भएन। इ ठीक वइसा ही भवा जइसा यूसुफ कहे रहा। उ पहाँटा क कउनो भी देस मँ अन्न पइदा न भवा। मनइयन क लगे खाइ क कछू न रहा। मुला मिस्र मँ खाइ बरे इफरात रहा, काहेकि यूसुफ अनाज बटोरे रहा। 55भुखमरी क टेम सुरु भवा अउ मनइयन भोजन बरे फिरौन क समन्वा रोवइ लागेन। फिरौन मिस्र क मनइयन स कहेस, "यूसुफ स पूछा। उहइ करा जउन उ कहइ क कहत ह।"

56ऍह बरे जब देस मँ सब ठउरे प भुखमरी रही, यूसुफ अनाजे क गोदाम स मनइयन क अन्न बाँटेस। यूसुफ बटोरा भवा अन्न क मिस्र क लोगन क बेचेस। मिस्र मँ बहोत भयंकर अकाल रहा। 57मिस्र क चारिहुँ कइँती क देसन क लोग अनाज बेसहइ मिस्र आएन। उ पचे यूसुफ क लगे आएन काहेकि हुआँ संसार क उ हींसा मँ सब ठउरे प भुखमरी रही।

### सपना फुरइ भवा

42 इ समइ याकूब क प्रदेस मँ भुखमरी रही। मुला याकूब क इ पता लाग कि मिस्र मँ अनाज अहइ। ऍह बरे याकूब आपन बेटवन स कहेस, "हम लोग हिआँ हाथ प हाथ धरे काहे बइठा अहइ? 2मइँ सुनेउँ ह कि मिस्र मँ खरीदइ क अनाज बाटइ। ऍह बरे हम पचे हुआँ चली अउ हुआँ स आपन खाइ क बरे अनाज बेसही, तब हम लोग जिअत रहब, मरब नाहीं।"

3ऍह बरे यूसुफ क भाइयन मँ स दस अन्न खरीदइ बरे मिस्र गएन। 4याकूब बिन्यामीन क नाहीं पठएस। (बिन्यामीन यूसुफ क एक ही सगा भाई रहा।) याकूब एह बरे डरा भवा रहा कि बिन्यामीन पइ कउनो तरह क खतरा आवइ सकत ह।

5कनान मँ भुखमरी क समइ बहोत खौफनाक रहा। ऍह बरे कनान क बहोत स लोग अन्न बेसहइ मिस्र गएन। ओनहीं लोगन क संग मँ इस्त्राएल क पूतन भी रहेन।

6इ टेम यूसुफ मिस्र क राज्जपाल रहा। सिरिफ यूसुफ ही रहा जउन मिस्र आवइ वालन लोगन क अन्न बेचइ क हुकुम देत रहा। यूसुफ क भाई ओकरे लगे आएन अउ उ पचे ओकर निहुरिके पैलगी किहेन। 7यूसुफ आपन भाइयन क लखेस अउ उ ओनका पहिचान लिहेस कि उ पचे कौन अहइँ। मुला यूसुफ ओनसे इ तरह बात करत रहा जइसे उ ओनका पहिचानत नाही। उ ओनके संग कड़ाई स बात किहस। उ कहेस, "तू लोग कहाँ स आया ह?"

भाइयन जवाब दिहन, "हम कनान देस स आए अहइँ। हम पचे अनाज बेसहइ आवा अही।"

8यूसुफ ने पहिचान लिहेस कि उ पचे ओकर भाई अहइँ। मुला उ पचे नाहीं जानत रहेन कि उ कउन अहइ? 9यूसुफ ओँन सपनन क याद किहेस जेनका उ आपन भाइयन क बारे मँ लखे रहा।

### यूसुफ आपन भाइयन क जासूस कहत ह

युसुफ आपन भाइयन स कहेस, "तू पचे अनाज बेसहइ नाहीं आया ह। तू लोग जासूस अहा। तू लोग इ पता लगावइ आया ह कि हम कहाँ कमजोर अही?"

10मुला भाइयन ओसे कहेन, "नाहीं। महोदय! हम तउ आपक सेवक क रुप मँ आइ अही। हम पचे सिरिफ अनाज बेसहइ आइ अही। 11हम सबहिं लोग भाई अही, हम पचन क एक ही पिता अहइ। हम लोग ईमानदार अही। हम लोग सिरिफ अनाज बेसहइ आइ अही।"

12तब यूसुफ ओनसे कहेस, "नाहीं! तू लोग इ पता लगावइ आया ह कि हम पचे कहाँ कमजोर अही?"

13भाइयन कहेन, "नाहीं! हम सबहिं भाई भाई अही। हमरे परिवारे मँ बारह भाई अहइँ। हम सब क एक ही पिता अहइ। हम लोगन क सब स लहुरा भाई अबहुँ भी हमरे पिता क संग घरे प बाटइ अउ दूसर भाई बहोत समइ पहिले मरि गवा। हम लोग आप क समन्वा सेवक क नाईं अही। हम लोग कनान देस क अही।"

14मुला यूसुफ कहेस, "नाहीं! मोका पता अहइ कि मइँ ठीक अहउँ। तू भेदिया अहा। 15मुला मइँ तू लोगन क इ साबित करइ क मौका देब कि तू लोग फुरइ कहत बाट्या। तू लोग इ जगह तब तलक नाहीं तजि सकत्या जब तलक तू पचन क लहुरा भाई हिआँ नाहीं आवत। 16ऍह बरे तू लोगन मँ स एक ठु लउटइ अउ आपन लहुरे भाई क हिआँ लइ आवइ। उ समइ तलक दूसर हिआँ कैद मँ रइहीं। हम देखब कि का तू लोग फुरइ बोलत अहा। मुला मोका

बिस्सास अहइ कि तू पचे जासूस अहा।" 17तब यूसुफ ओन सब क तीन दिना बरे जेल मँ नाईं दिहस।

### सिमोन बन्धक क रुप मँ रखा गवा

18तीन दिन बाद यूसुफ ओनसे कहेस, "मइँ परमेस्सर क भय मानत हउँ। ऍह बरे मइँ तू लोगन क इ सिद्ध करइ क एक मौका देब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा। तू लोग इ काम करा अउर मइँ तू लोगन क जिअइ देब। 19अगर तू लोग ईमानदार मनई अहा तउ आपन भाइयन मँ स एक क जेल मँ रहइ द्या। दूसर भाइयन जाइ सकत हीं अउ आपन लोगन बरे अनाज लइ जाइ सकत हीं। 20तब यदि तू आपन सब स लहुरा भाई क लइके हिअँा मोरे लगे आवा। इ तरह मइँ पतियाब कि तू लोग फुरइ बोलत अहा।"

भाइयन इ बात क मान लिहन। 21उ पचे आपुस मँ बतियानेन "हम पचन क सजा दीन्ह गइ ह। काहेकि हम पचे आपन सब स लहुरा भाई क संग बुरा किहे अही। हम पचे ओकरे मुसीबत क निहारा जेहमाँ उ रहा। उ आपन रच्छा बरे हम पचन स बिनती किहस। मुला हम सबइ ओकर एकहु न सुना। ऍह बरे हम पचे दु:खन मँ अही।"

22तब रूबेन ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे कहेउँ रहा कि उ लरिका क कछू भी बुरा जिन करा। मुला तू पचे मोरउ एक न सुन्या। ऍह बरे अब हम ओकरी मउत बरे सजा पावत अही।"

23यूसुफ आपन भाइयन स बात करइ एक ठु दु भासिया स काम लेत रहा। ऍह बरे भाइयन नहीं जान पाया कि यूसुफ ओनकइ भाखा जानत बाटइ। मुला उ पचे जउन कछू कहत रहेन ओका यूसुफ सुनत अउ समझत रहा। 24ओनकइ बातन स यूसुफ बहोत दु:खी भवा। ऍह बरे यूसुफ ओनसे अलग हटि गवा अउ रोइ पड़ा। तनिक देर मँ यूसुफ ओनके लगे लउटा। यूसुफ उ भाइयन मँ स सिमौन क धरेस अउ ओका बाँधेस जब कि दूसर भाई लखत रहेन। 25यूसुफ कछू सेवकन क ओनकइ बोरा मँ अनाज भरइ क कहेस। भाइयन इ अनाजे क दाम यूसुफ क दिहन। मुला यूसुफ उ धने क नाहीं लेइ क फइसला किहस। उ उ धने क ओनकई अनाज क बोरन मँ धरइ बरे सेवकन क हुकम दिहस। तब यूसुफ ओनका उ सबइ चीजन क दिहस, जेनकइ जरुरत ओनकइ घरे तलक लउटइ वाली जात्रा मँ होइ सकत रही।

26ऍह बरे भाइयन अनाजे क आपन गदहन प लादेन अउ हुअँा स निकरि पड़ेन। 27उ सबइ सबहिं भाइयन राति क ठहरेन अउ भाइयन मँ स एक कछू अनाजे बरे आपन बोरा खोलेस अउ उ आपन धन बोरा मँ पाएस। 28उ दूसर भाइयन स कहेस, "लखा, जउन दाम मइँ अनाजे बरे चुकाएउँ ह, उ हिअँा अहइ। कउनो मोरे बोरा मँ इ धन लौटाइ दिहे अहइ!" उ सबइ सबहिं भाई बहोत जियादा डेराइ गएन। उ पचे आपुस मँ बतियानेन, "परमेस्सर हम पचन क संग का करत अहइ?"

### भाइयन याकूब क सूचना दिहेन

29उ सबइ भाई कनान देस मँ आपन पिता याकूब क लगे गएन। उ पचे जउन कछू भवा आपन पिता क बताएन। 30उ पचे कहेन, "उ देस क राज्पाल हम लोगन स बहोत रुखा होइके बोला। उ सोचेस कि हम पचे जासूस अही। 31मुला हम लोग कहेन कि हम पचे ईमानदार अही। अउर हम पचे जासूस नाहीं अही। 32हम पचे ओका बतावा कि हम लोग बारह भाई अही। अउर हम लोगन क सब स लहुरा भाई अब भी कनान देस मँ हमार बाप क संग बाटइ। अउर हमार दूसर भाई मरि गवा ह।"

33"तब देस क राज्पाल हम लोगन स इ कहेस, 'इहइ सिद्ध करइ बरे कि तू ईमानदार अहा इ रस्ता अहइ: आपन भाइयन मँ स एक क हमरे लगे हिअँा छोड़ि द्या। आपन अनाज लइके आपन आपन परिवारन क लगे लउटि जा। 34आपन सब स लहुरा भाइ क हमरे लगे लिआवा। तब मइँ समझब कि तू लोग ईमानदार अहा या तू लोग जासूस अहा। जदि तू पचे फुरइ बोलत अहा तउ मइँ तोहरे भाई क तोहका दइ देब। अउर तू लोग हमार देस स अनाज खरीदइ बरे आजाद होइ जाब्या।'"

35तब सब भाई आपन बोरन स अनाज लेइ गएन अउ हर एक भाई आपन धने क थइली आपन अनाजे क बोरा मँ पाएस। भाइयन अउर ओनकइ पिता धन क लखेन, अउर उ सबइ बहोत डरि गएन।

36याकूब ओनसे कहेस, "का तू लोग चाहत ह कि मइँ आपन सबहिं पूतन स हथवा धोइ बइठउँ। यूसुफ मरि गवा, सिमोन भी चलि गवा अउ तू लोग बिन्यामीन क भी मोसे दूरि लइ जावा चाहत ह!"

37तब रूबेन आपन पिता स कहेस, "पिता जी आप मोरे दुइनउँ पूतन क मारि डाया जदि मइँ बिन्यामीन क आप क लगे न लउटावउँ। मोहे प बिस्सास करा। मइँ आप क लगे बिन्यामीन क लउटाइ लिआउब।"

38मुला याकूब कहेस, "मइँ बिन्यामीन क तू लोगन क संग नाहीं जाइ देब। ओकर भाई अउर महतारी मरि गवा अहइँ अउर मोर मेहरारु राहेल क उहइ अकेल्ला पूत बचा बाटइ। मिस्र तक क जात्रा मँ जदि ओकरे संग कछू भवा तउ उ होनी मोका मारि डाइ। तू लोग मोका एक दु:ख स भवा अउ बूढ़ा मनाई क कब्र मँ पठउब्या।"

### याकूब बिन्यामीन क मिस्र जाइ क आग्या दिहस

43 उ देस मँ अकाल बहोत भयंकर रहा। 2मनइयन उ सारा अन्न खाइ गएन जउन उ पचे उ सबइ मिस्र स लिआइ रहेन। जब अनाज खतम होइ गवा, याकूब आपन बेटवन स कहेस, "फुन मिस्र जा। हम लोगन क खाइ बरे कछू अउर अनाज बेसहा।"

3मुला यहूदा याकूब स कहेस, "उ देस क राजा हम लोगन क चिताउनी दिहस ह। उ कहेस ह, 'जदि तू लोग आपन भाई क मोरे लगे वापिस नाहीं लउब्या तउ मइँ तू लोगन स बात करइ स मना भी कइ देब।' 4जदि तू हम लोगन क संग बिन्यामीन क पठउब्या तउ हम पचे जाब अउ अनाज खरीदब। 5अन्यथा, हम लोग नाहीं जाब। उ मनई चिताउनी दिहस कि हम लोग बिन्यामीन के बिना वापस न आइ।"

6इस्राएल कहेस, "तू लोग उ मनई स काहे कह्या, कि
तोहार दूसर भाई भी अहइ। तू पचे मोरे संग अइसी बुरी बात
काहे किह्या?"
7भाइयन जवाब दिहन, "उ राज्जपाल हुसियारी स हम पचन
स प्रस्न पूछेस। उ हम लोगन अउ हम लोगन क परिवार
क बारे मँ जानइ चाहत रहा। उ हम लोगन स पूछेस, 'का
तू पचन क पिता अबहिं जिअत अहइ? का तू लोगन क
दूसर भाई घरे प बाटइ?' हम लोग सिरिफ ओकरे प्रस्न क
जवाब दीन्ह। हम लोग नाहीं जानत रहे कि उ हमरे दूसर
भाई क आपन लगे लइ आवइ क कही।"
8तब यहूदा आपन पिता इस्राएल स कहेस, "बिन्यामीन क
मोरे संग पठवा। मइँ ओकर देखभाल करब। हम पचे मिस्र
जरुर जाब अउ भोजन लिआउब। अगर हम पचे नाहीं जाई
तउ हम सबहीं लोग आपन गदेलन क संग मरि जाबइ।
9मइँ बिस्सास दियावत अहउँ कि उ सुरच्छित रही। मइँ एकर
जिम्मेदार रहब। जदि मइँ ओका तोहरे लगे लउटाइके न
लिआवउँ तउ तू सदा बरे मोका दोखी ठहराइ सकत ह।
10जदि तू हमका पहिले जाइ दिहे होत्या तउ भोजन बरे हम
लोग दुइ जात्रा अबहिं तलक कर चुके होतेन।"
11तब ओनके पिता इस्राएल कहेस, "अगर इ फुरइ सही
अहइ तउ बिन्यामीन क आपन संग लइ जा। मुला राज्जपाल
बरे कछू भेंट लइ जा। ओन चीजन मँ स कछू लइ जा
जउन हम पचे आपन देस मँ बटोरि सका अही। ओकरे बरे
कछू सहद, पिस्ता, बादाम, गोदं अउ लोहबान लइ जा। 12इ
टेम, पहिले स दुई गुना धन भी लइ ल्या उ धन क भी लइ
ल्या जउन पिछली दाईं दिहे क पाछे लउटाइ दीन्ह गवा रहा।
होइ सकत ह कि राज्जपाल स गलती भइ ह। 13बिन्यामीन
क संग ल्या अउ उ मनई क लगे लइ जा। 14मइँ पराथना
करत हउँ कि सर्वसक्तिमान परमेस्सर तू पचन क उ टेम
मदद करी जब तू उ राज्जपाल क समन्वा ठाड़ होब्या। मइँ
इ पराथना भी करत हउँ कि उ बिन्यामीन अउ सिमोन क
भी सुरच्छित आवइ देइ। अगर नाहीं तउ मइँ आपन पूतन स
वंचित होइ जाब।"
15ऍह बरे भाइयन राजा क देइ बरे भेंट लिहन अउ उ
पचे जेतॅना धन पहिले लिहे रहेन ओकर दुइ गुना आपन साथ
लिहन। बिन्यामीन भाइयन क संग मिस्र गवा।

### भाइयन क यूसुफ क घर निमंत्रण मिलत ह

16मिस्र मँ यूसुफ ओनके संग बिन्यामीन क लखेस।
यूसुफ आपन सेवक स कहेस: "ओन मनइयन क मोरे घरे
लिआवा। एक ठु जनावर मारा अउ पकावा। उ सबइ मनई
क आजु दुपहरिया मोरे संग भोजन करइ द्या।" 17नउकर क
जइसा कहा गवा रहा वइसा किहस। उ ओन मनइयन क
यूसुफ क घर लइ गवा।
18भाई लोग ससान रहेन जब उ सबइ यूसुफ क घर
गएन। उ पचे कहेन, "हम पचे हिआँ उ धन बरे लिआवा ग
अही जउन पिछली दाईं हम लोगन क बोरन मँ रखि दीन्ह
ग रहा। उ पचे ऍका हम लोगन क बिरुद्ध प्रयोग करिहीं।
तब उ पचे हम पचन क गदहन क लइ लेइहीं अउ हम
लोगन क गुलाम बनइहीं।"
19ऍह बरे यूसुफ क घरे क देख रेख करइवाला नउकर
क लगे सबहिं भाई गएन। 20उ पचे कहेन, "महोदय हम
सपथ लइके कहत हउँ कि पिछली दाईं हम लोग हिआँ
भोजन खरीदइ बरे आए रहेन। 21-22घर लउटत समइ हम
पचे आपन बोरन क खाली कीन्ह अउ हर एक बोरा मँ
आपन धन पावा। हम पचे नाहीं जानत रहेन कि ओनमाँ धन
कइसे पहोंचा। मुला हम उ धन आप क लउटावइ बरे साथ
लाए अहइँ अउ इ समइ हम लोग जउन अनाज बेसहइ
चाहित ह ओकरे बरे धन लाए अही"
23नउकर जवाब दिहस, "डेराअ जिन, मोहे प पतिआ।
तोहरे पिता क परमेस्सर तू लोगन क धन क तोहरे बोरवन
मँ भेंट क रुप मँ धरे होइ। मोका सुमिरन अहइ कि तू
लोगन पिछली दाईं अनाज क दाम मोका दइ दिहे रह्या।"
तब नउकर सिमौन क जेल स बाहेर लिआवा। 24नउकर
ओन लोगन क यूसुफ क घरे लइ गवा। उ ओनका पानी
दिहस अउ उ पचे आपन गोड़ पखारेन। उ ओनके गदहन
क खाइ बरे चारा दिहस।
25भाइयन सुनेन कि यूसुफ क संग खइया क खइहीं। ऍह
बरे ओकर भाई आपन भेंट तइयार करइ मँ उ पचे दुपहर
तलक लगा रहेन।
26यूसुफ आपन घर गवा अउ भाइयन ओका भेंट दिहन
जउन उ पचे आपन संग लइ आए रहेन। तब उ पचे धरती
प निहुरिके पैलगी किहन।
27यूसुफ ओनकइ कुसल पूछेस। यूसुफ कहेस, "तू पचन
क बुढ़वा पिता जेकरे बारे मँ तू लोगन क बताया, ठीक तउ
अहइ? का उ अब तलक जिअत अहइ?"
28भाइयन जवाब दिहेन, "हम पचन क बाप नीक अहइँ।
उ सबइ अब तलक जिअत अहइँ" अउर उ पचे फुन यूसुफ
क समन्वा निहुरेन।

### यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन स मिलत ह

29तब यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन क लखेस। (बिन्यामीन
अउ यूसुफ क एक ही महतारी रहिन।) यूसुफ कहेस, "का
इ तू लोगन क सब स लहुरा भाई अहइ जेकरे बारे मँ तू
बताए रह्या?" तब यूसुफ बिन्यामीन स कहेस, "परमेस्सर तोह
प कृपालु होइ।"
30तब यूसुफ कमरा स बाहेर दौड़ि गवा। आपन भाइ
बिन्यामीन क सहानुभूति मँ बेकाबू होइ गवा रहेन। ऍह बरे
उ रोवइ वास्ते गुप्त ठउर खोजेस। उ आपन कमरा मँ गवा
अउर हुवाँ रोवा। 31तब यूसुफ आपन मुँह धोएस अउ बाहेर
आवा। उ आपन आप पइ काबू रखेस अउर कहेस, "अब
खइया क खाइके टेम बाटइ।"
32यूसुफ अकेले एक ठु मेज प खइया खाएस। ओकर
भाइयन दूसर मेज प एक साथ भोजन किहन। मिस्र क
लोगन दूसर मेज प एक संग खाएन। ओनकइ बिस्सास रहा
कि ओनके बरे इ ठीक नाहीं कि उ पचे हिब्रू लोगन क
संग खाइँ। 33अब उ पचन्क यूसुफ क समन्वा मेज पइ
पहलोठा स लइ क सबन त छोटा क तरतीब मँ बइठा गवा
रहेन। ऍह बरे सबइ भाइयन अचरज करत भए रहेन।
34नउकर लोग यूसुफ क मेज प ओनका भोजन लइ जात

रहेन। मुला अउरन स अपेच्छा नउकर लोग बिन्यामीन क पाँच गुना बेसी दिहन। यूसुफ क संग उ सबहिं भाई तब तलक खात रहेन अउ दाखरस पिअत रहेन जब तलक उ पचे नसा मँ मस्त नाहीं होइ गएन।

### यूसुफ जाल बिछावत ह

44 तब यूसुफ आपन नउकरन क जउन कि घर क निगराँकार रहेन। हुकुम दिहेस। यूसुफ कहेस, "ओन मनइयन क बोरियन मँ ऍतना अनाज भरि द्या जेतॅना उ पचे लइ जाइ सकइँ। तउ हर एक मनइयन क पैसा ओकरे बोरा मँ उपर रख द्या। 2मुला सब स लहुरा भाई क बोरा मँ उपर ओकरे आनाज क पैसा क संग मोर चाँदी क पियाला भी रख द्या।" नउकर यूसुफ क हुकुम पूरा किहस।

3दूसरे दिन भिन्सारे सब भाई लोग आपन गदहन क संग अपने देस क वापिस पठइ दीन्ह गएन। 4जब उ पचे सहर बाहर कछू ही दूर गए रहेन तउ यूसुफ आपन नउकर क हुकुम दिहेस, "जा अउर ओन लोगन क पाछा करा। ओनका रोका अउ ओनसे कहा, 'हम लोग आपन लोगन बरे नीक रह्या! मुला आप सबन हम लोगन बरे बुरा काहे रहे? 5हमार मालिक यूसुफ इहइ पियाला स पिअत हीं। उ पचे राज क बात जानइ बरे इहइ पियाला क प्रयोग करत ह। इ पियाला क चोराइके आप लोगन काहे अपराध किहेन?'"

6ऍह बरे नउकर हुकुम क मानेस। उ सवार होइ के भाइयन तलक गवा अउ ओनका रोकेस। नउकर ओनसे उ ही बातन किहेस जउन यूसुफ ओनसे कहइ बरे कहे रहा।

7मुला भाइयन नउकर स कहेन, "राज्जपाल अइसी बातन काहे कहत हीं? हम पचे अइसा अपराध कबँहू नाहीं करब! 8लखा हम पचे उ पैसा कनान देस लउटाइके लाए रहेन जउन पहिले हम लोगन क आपन बोरन मँ मिला रहा। एह बरे हम लोगन तोहार मालिक क घरे स चाँदी या सोना नाहीं चोरावइ चाही? 9जदि आपन कउनो बोरा मँ चाँदी क उ पियाला पाइ जाइँ तउ उ मनई क मारि दीन्ह जाइ। तू ओका मार सकत ह अउर हम लोग तोहार नउकर होब।"

10नउकर कहेस, "जइसा तू कहत ह हम वइसा ही करब, मुला मइँ उ मनई क मारब नाहीं। जदि मोका चाँदी क पियाला मिली तउ उ मनई मोर नउकर होइ। दूसर भाई लोग जाइ बरे अजाद होइहीं।"

### जाल बिछावा गवा, बिन्यामीन धरा गवा

11तब सब भाई आपन आपन बोरा क हाली हाली भुइयाँ प खोलेन। 12नउकर बोरन मँ लखब सुरु किहेस। उ सब स जेठ भाई स सुरु किहस अउ सब स लहुरा भाई प खतम किहस। उ बिन्यामीन क बोरा मँ पियाला पाएस। 13सबइ भाई लोग बहोत दुःखी भएन। ऍह बरे उ पचे आपन ओढ़ना फारि डाएन। तउ आपन आपन गदहन पइ बोरन क लादेन अउर सहर क लउट पड़ेन।

14यहूदा अउ ओकर भाई यूसुफ क घर लौटि गएन। यूसुफ तब तलक हुआँ रहा। भाइयन भुइँया तलक निहुरिके प्रणाम किहेन। 15यूसुफ ओनसे कहेस, "तू पचे इ काहे किहा? का तू लोगन क पता नाहीं अहइ कि छिपी बातन क फरियावइ क मोर खास ढंग बाटइ। मोहसे बढ़िके अच्छी तरह कउनो दूसर इ नाहीं कइ सकत।"

16यहूदा कहेस, "महोदय, हम पचन क कहइ बरे कछू नाहीं अहइ। ऍका फरियावइ क कउनो दूसर तरीका नाहीं बा। इ देखावइ क कउनो तरीका नाहीं बा कि हम पचे अपराधी नाहीं अही। हम पचे अउर कछू किहे होइ जेकरे बरे परमेस्सर हमका अपराधी ठहराएस ह। एह बरे, हम सबहिं बिन्यामीन क साथ, आपका दास होब।"

17मुला यूसुफ कहेस, "मइँ तू पचन्क सबहिं क आपन दास न बनाउब। सिरिफ उहइ मनई जेकर बोरा मँ पियाला पावा गवा रहा, मोर दास होइ। तू दूसर लोग आपन पिता क लगे जाइ बरे अजाद अहइँ।"

### यहूदा बिन्यामीन क बारे मँ सिफारिस करत ह

18तब यहूदा यूसुफ क लगे गवा अउ उ कहेस, "महोदय, मेहरबानी कइके मोका खुद आपसे साफ कहि लेइ द्या। कृपा कइके मोसे नाखुस न ह्वा। मइँ जानत अहउँ कि आप खुद फिरौन जइसे अहइँ। 19जब हम लोग पहिले हिआँ आए रहे, आप पूछे रहेन कि 'का तोहार पिता या भाई अहइँ?' 20अउर हम आप क जवाब दीन्ह, 'हमरे एक ठु पिता अहइँ, उ बुढ़ान अहइँ अउ हम लोगन क एक लहुरा भाई अहइ। हमार पिता ओसे बहोत ज्यादा पियार करत हीं काहेकि ओकर जन्म ओकरे बुढ़ापे मँ भवा रहा, अउर लहुरा बेटवा क भाई मरि गवा एह बरे इ सिरिफ अकेला बचा अहइ जउन उ मेहरारु स जनमे रहा। हम पचन क पिता ओका बहोत पियार करत हीं।' 21तब आप हमसे कहे रहेन, 'उ भाई क मोरे लगे लिआवा। मइँ ओका लखइ चाहत हउँ।' 22अउ हम लोग कहे रहे, 'इ नान्ह लरिका नाहीं आइ सकत। उ आपन बाप क नाहीं तजि सकत। अगर ओकरे पिता क ओसे हाथ धोवइ पड़इ तउ ओकर पिता ऍतना दुःखी होइ कि उ मरि जाइ।' 23मुला आप हमसे कहेन, 'तू लोग आपन छोटका भइया क जरुर लिआवा, नाहीं तउ मइँ फुन तू लोगन क हाथे अनाज न बेचब।' 24ऍह बरे हम लोग आपन पिता क लगे लउटे अउ आप जउन कछू कहेन, ओनका बतावा।

25"पाछे हम पचन क पिता कहेन, 'फुन जा अउ हम लोगन बरे कछू अउर अन्न खरीदा।' 26हम लोग ओसे कहा, 'हम लोग आपन सब स लहुरा भाई क बिना नाहीं जाइ सकित। राज्जपाल कहेस ह कि उ तब तलक हम लोगन क अनाज नाहीं बेची जब तलक उ हमरे सबन त लहुरे भइया क नाहीं लखि लेत।' 27तब मोर पिता हम लोगन स कहेस, 'तू लोग जानत ह कि मोर मेहरारु राहेल मोका दुइ पूत दिहस। 28मइँ एक पूत क दूरी जाइ दिहेउँ अउ ओका जंगली जनावर मारि डाएन अउ तब स मइँ ओका नाहीं लखेउँ ह। 29अगर तू पचे मोर पूत क मोसे दूर लइ जाइ चाहत बाट्या अउ ओका कछू होइ जात ह तउ मोका ऍतना दुःख होइ कि मइँ मरि जाब।' 30ऍह बरे अब हम लोग आपन छोटका भाई क बिना घरे जाब तब हम पचन क पिता क इ निहारइ क पड़ी। उ छोटका बेटवा हमरे पिता क जिन्नगी मँ सबसे बेसी मानता रखत ह। 31जब उ

पचे लखिहीं कि छोटका बेटवा हम लोगन क संग नाहीं अहइ उ पचे मरि जइहीं अउर इ हम लोगन क दोख होइ। हम पचे आपन पिता क घोर दु:ख अउ मउत क कारण होइ जाब।

32"मइँ छोटके बेटवा क जिम्मेदारी लीन्ह ह। मइँ आपन पिता स कहेउँ, 'जदि मइँ ओका आप क लगे लउटाइके न लावउँ तउ आप सारी जिन्नगी भइ मोका दोखी ठहराइ सकत हीं।' 33ऍह बरे मइँ आप स माँगत अहउँ, अउर आप पराथना करत हउँ कि कृपा कइके छोटके लरिका क आपन भाइयन क संग लौटि जाइ देइँ अउ मइँ हिआँ रुकब अउ आप क दास होब। 34मइँ आपन पिता क लगे लौट नाहीं सकत जदि हमरे संग छोटका भाई नाहीं रही। मइँ इ बात स बहोत ससान अहउँ कि मोरे बाप क संग का घटी।"

### यूसुफ आपन क परगट करत ह कि उ कउन अहइ

45 यूसुफ आपन क अउर जियादा न संभारि सका। उ हुआँ हाजिर सबहिं लोगन क समन्वा रोइ पड़ा। यूसुफ कहेस, "हर एक स कहा कि हिआँ स हट जाइँ।" ऍह बरे सबहिं लोग चला गएन। सिरिफ ओकर भाई ही यूसुफ क संग रहि गएन। तब यूसुफ ओनका बताएस कि उ कउन अहइ। 2यूसुफ रोवत रहा, अउर फिरौन क महल क सब मिस्र क मनइयन सुनेन। 3यूसुफ आपन भाइयन स कहेस, "मइँ आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। का मोर पिता अब भी जीवित अहइँ?" मुला भाइयन ओका जवाब नाहीं दिहेन। उ पचे डेरान अउ उलझन मँ रहेन।

4ऍह बरे यूसुफ आपन भाइयन स फुन कहेस, "मोरे लगे आवा।" ऍह बरे यूसुफ भाई क निअरे गएन अउ यूसुफ ओनसे कहेस, "मइँ आप लोगन क भाई यूसुफ अहउँ। मइँ उहइ अहउँ जेका मिस्री लोगन क हाथे आप लोग गुलाम क रुप मँ बेचे रहेन। 5अब परेसान न होइँ। आप लोग आपन किहे भए पइ गुस्सा न करइँ। उ तउ मोरे बरे परमेस्सर क योजना रही कि मइँ हिआँ आवउँ। मइँ हिआँ तू लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे आवा हउँ। 6इ खौफनाक भुखमरी क समइ दुइ बरिस ही अबहिं बीता अहइ अउर अबहिं पाँच बरिस बे पौध लगावइ या उपज क अइहीं। 7ऍह बरे परमेस्सर तू लोगन स पहिले मोका हिआँ पठएस जेहसे मइँ इ देस मँ तू लोगन क बचाइ सकउँ। 8इ आप लोगन क दोख नाहीं रहा कि मइँ हिआँ पठवा गवा। इ परमेस्सर क जोजना रही। परमेस्सर मोका फिरौन बरे पिता क समान बनाएस। ताकि मइँ ओकर सारा घर अउ समूचइ मिस्र क राजपाल बनि सकउँ।"

### इस्राएल क मिस्र बरे आमन्त्रण मिला

9यूसुफ कहेस, "ऍह बरे हाली मोरे पिता क लगे जा। मोरे पिता स कहा कि ओकर पूत यूसुफ इ सँदेसा पठएस ह।"

परमेस्सर मोका समूचइ मिस्र क राजपाल बनाएस ह। मोरे लगे आवइँ। इन्तजार न करइँ। अबहिं आवइँ। 10आप मोरे निचके गोसेन प्रदेस मँ रइहीं। आप क, आप क बेटवन क, आप क सबहिं जनावरन अउ झुण्ड क सुआगत अहइ। 11भुखमरी क अगले पाँच बरिस मँ मइँ आप क देखरेख करब। इ तरह आप क अउ आप क परिवारे क जउन चीजन अहइँ ओनसे आप क हाथ धोवइ क न होइ।

12यूसुफ आपन भाइयन स बात करत रहा। उ कहेस, "अब आप लोग निस्चित रूप स लख सकत अहइँ कि इ फुरइ मइँ ही यूसुफ अहइँ अउर आप लोगन क भाई बिन्यामीन जानत ह कि इ मइँ ही आप लोगन क भाई अहउँ जउन आप लोगन स बात करत हउँ। 13ऍह बरे मोरे पिता स मोका मिस्र क जउन सम्मान प्राप्त अहइ क बारे मँ कहइँ। आप लोगन जउन हिआँ लखेन ह उ हर एक चीज क बारे मँ मोरे पिता क बतावइँ। अब हाली करा अउ मोरे पिता क लइके मोरे लगे लौटा।" 14तब यूसुफ आपन भाई बिन्यामीन क गले लगाएस अउ रोइ पड़ा अउ बिन्यामीन भी रोइ पड़ा। 15तब यूसुफ सबहिं भाइयन क चूमेस अउ ओन कइ बरे रोइ पड़ा। ऍकरे पाछे भाई ओकरे संग बतियाइ लागेन।

16फिरौन क पता लाग कि यूसुफ क भाई ओकरे पास आवा अहइँ। इ खबर फिरौन क पूरे महल मँ सँचर गइ। फिरौन अउ ओकर नउकर इ बारे मँ बहोत खुस भएन। 17ऍह बरे फिरौन यूसुफ स कहेस, "आपन भाइयन स कहा कि ओनका जेतना खइया क चाही, लइ लेइँ अउ कनान देस क लौटि जाइँ। 18आपन भाइयन स कहा कि उ पचे आपन पिता अउ आपन परिवार क लइके हिआँ मोरे लगे आवइँ। मइँ तोहका रोजी बरे मिस्र मँ बढ़िया धरती देब अउ तोहार परिवार सब स अच्छा खइया क खाइ जउन हमरे लगे हिआँ अहइ।" 19तब फिरौन कहेस, "हमरी सबन त बढ़िया गाड़ियन मँ स कछू आपन भाइयन क द्या। ओनका कनान जाइ अउ गाड़ियन मँ स आपन पिता, मेहररुअन अउ गदेलन क हिआँ आवइ द्या। 20ओनकी सबइ चिजियन क हिआँ लावइ बारे मँ चिन्ता जिन करा। हम ओनका मिस्र मँ जउन सबन त बढ़िया अहइ, देब।"

21ऍह बरे इस्राएल क पूतन इहइ किहेन। यूसुफ फिरौन क बचन क मुताबिक नीक गाड़िन क दिहस अउ यूसुफ जात्रा बरे ओनका भरपूर भोजन दिहस। 22यूसुफ हर एक भाई क एक एक जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस। मुला यूसुफ बिन्यामीन क पाँच जोड़ा सुन्नर ओढ़ना दिहस अउ यूसुफ बिन्यामीन क तीन सौ चाँदी क सिक्का भी दिहस। 23यूसुफ आपन पिता क भेंट पठएस। उ मिस्र स बहोत स बढ़िया चीजन स भरा बोरन स लदा दस ठु गदहन क पठएस अउ उ आपन पिता बरे अनाज, रोटी अउ दूसर भोजन स लदी भइ दस ठु गदहियन क ओनकी वापसी जात्रा बरे पठएस। 24तब यूसुफ आपन भाइयन क जाइ बरे कहेस। जब उ पचे जाइ क रहेन यूसुफ ओनसे कहेस, "सोझइ घरेजा अउ रस्ता मँ जिन लड़या।"

25इ तरह भाइयन मिस्र क तजेन अउ कनान देस मँ आपन पिता क लगे गएन, 26भाइयन ओनसे कहेन, "पिता जी यूसुफ अबहिं जिअत अहइ अउ उ पूरा मिस्र देस क राजा अहइ।"

ओनकइ पिता असमंजस मँ पड़ि गवा। उ ओन पइ नाहीं पतियान। 27मुला यूसुफ जउन बातन क कहे रहा, भाइयन हर एक बात आपन पिता स कहेन। तब याकूब ओन गाड़ियन क लखेस जेनका यूसुफ मिस्र क वापसी जात्रा बरे पठए रहा। तब याकूब भाव बिभोर होइ गवा अउ बहो बहोतइ खुस भवा। 28इस्राएल कहेस, "अब मोका बिस्सास अहइ कि मोर पूत यूसुफ अबहिं जिअत अहइ। मइँ मरइ स पहिले ओका देखइ जात अहउँ।"

### परमेस्सर इस्राएल क पतियावत ह

46 ऍह बरे इस्राएल मिस्र क आपन जात्रा सुरु किहस। पहिले इस्राएल बेर्सेबा पहोंचा। हुऑं इस्राएल आपन पिता इसहाक क परमेस्सर क आराधना अउर बलि भेंट किहस। उ बलि दिहेस। 2राति मँ परमेस्सर इस्राएल स सपना मँ बोला। परमेस्सर कहेस, "याकूब, याकूब"

अउ इस्राएल जवाब दिहेस, "मइँ हिऑं अहउँ।"

3तब परमेस्सर कहेस, "मइँ यहोवा तोहरे बाप क परमेस्सर अहउँ। मिस्र जाइ स डेराअ जिन। मिस्र मँ मइँ तोहका महान रास्ट्र बनाउब। 4मइँ तोहरे संग मिस्र चलब अउ मइँ तोहका फुन मिस्र मँ स बाहेर निकारि लाउब। तू मिस्र मँ मरिब्या। मुला यूसुफ तोहरे संग रही। जब तू मरब्या तउ उ खुद आपन हाथन स तोहार ऑंखी बन्द करी।"

### इस्राएल मिस्र क जात ह

5तब याकूब बेर्सेबा तजेस अउ मिस्र तलक जात्रा किहस। ओकर बेटवन, अर्थात इस्राएल क बेटवन अउ बाप, आपन मेहररुअन अउ आपन सबहिं बच्चन क मिस्र लइ गएन। उ पचे फिरौन क जरिये पठई गइन गाड़ियन मँ जात्रा किहेन। 6ओनके लगे, ओनकइ गोरु अउ कनान देस मँ ओनका आपन जउन कछू रहा, उ भी संग रहा। इ तरह इस्राएल आपन सबहिं लरिकन अउ आपन परिवारे क संग मिस्र गवा। 7ओकरे संग ओकर बेटवन अउ बिटियन अउ पोतन अउर पोतिन रहिन। ओकर सारा परिवार ओकरे संग मिस्र गवा।

### याकूब क परिवार

8इ इस्राएल क ओन पूतन अउ परिवारन क नाउँ अहइँ जउन ओकरे संग मिस्र गएन।

रूबेन याकूब क पहिला पूत रहा। 9रूबेन क पूत रहेन: हनोक, पल्लू, हेस्त्रोन अउ कर्म्मी।

10सिमोन क पूत: यमूएल, यामीन, ओहद, याकीन अउ सोहर। हुऑं साऊल भी रहा। (साऊल कनानी मेहरारु स पइदा भवा रहा।)

11लेवी क बेटवन: गोर्सोन, कहात अउ मरारी

12यहूदा क पूतन: एर, ओनान, सेला, पेरेस अउ जेरह। (एर अउ ओनान कनान मँ रहत समइ मर ग रहेन।) पेरेस क पूतन: हेस्त्रोन अउ हामूल।

13इस्साकार क पूतन: तोला, पुब्बा, योब अउ सिम्रोन।

14जबूलून क पूतन: सेरेद, एलोन अउ यहलेल।

15रूबेन, सिमोन लेवी, यहूदा, इस्साकार अउ जबूलून जउन याकूब क मेहारु लिआ क पूतन रहेन। लिआ क उ पूतन पद्दन-अराम मँ रहेन अउर ओकर संग दीना नाउँ क एक ठू बिटिया भी रही। इ परिवारे मँ तैंतीस मनई रहेन।

16गाद क पूतन: सिय्योन, हाग्गी, सूनी, एसबोन, एरी, अरोदी, अउर अरेली।

17आसेर क पूतन: यिम्ना, यिस्वा, यिस्वी, बरीआ अउ ओनकइ बहिन सेरह अउ बरीआ क पूतन: हेबेर अउ मल्कीएल रहेन।

18इ सबइ याकूब क मेहारु क दासी जिल्पा स ओकरे पूत रहेन। (जिल्पा लाबान क दुआरा ओकरे बिटिया लिआ क दीन्ह गवा रहेन।) इ परिवारे मँ सोलह मनई रहेन।

19याकूब क संग ओकर मेहारु राहेल स पइदा भवा पूत बिन्यामीन भी रहा। (यूसुफ भी राहेल स पइदा रहा, मुला उ पहिले स ही मिस्र मँ रहा।)

20मिस्र मँ यूसुफ क दुइ पूतन रहेन, मनस्से अउ एप्रैम। (यूसुफ क मेहारु ओन क याजक पोतीपेरा क बिटिया आसनत रही।)

21बिन्यामीन क पूत: बेला, बेकेर, अस्बेल, गेरा, नामान, एही, रोस, मुप्पीम, हुप्पीम अउ आर्द।

22उ पचे याकूब क मेहारु राहेल स पइदा भए ओकर दुइ पूत रहेन। इ परिवार मँ चौदह मनई रहेन। 23दान क पूत: हूसीम। 24नप्ताली क पूतन: यहसेल, गूनी, सेसेर, अउर सिल्लेम।

25उ पचे याकूब अउ बिल्हा क पूत रहेन। (बिल्हा राहेल क नउकरानी रही। जेका लाबन ओका दिहे रहेन) इ परिवारे मँ सात मनई रहेन।

26इ तरह याकूब क सन्तानन मिस्र मँ पहोंचिन। ओनमाँ छाछठ ओकर सोझ संतान रहिन। (इ गनती मँ याकूब क बेटवन क मेहररुअन सामिल नाहीं रहिन।)

27यूसुफ क भी दुइ पूत रहेन। उ पचे मिस्र मँ पइदा भ रहेन। इ तरह मिस्र मँ याकूब क परिवार मँ सत्तर मनई रहेन।

### इस्राएल मिस्र पहोंचत ह

28इस्राएल पहिले यहूदा क यूसुफ क लगे पठएस। यहूदा गोसेन प्रदेस मँ यूसुफ क लगे गवा। जब इस्राएल अउ ओकर लोग उ प्रदेस मँ गएन। 29यूसुफ क पता लाग कि ओकर पिता नगिचे आवत अहइ। ऍह बरे यूसुफ आपन रथ तइयार कराएस अउ आपन पिता इस्राएल स गोसेन मँ भेटंइ चला। जब यूसुफ आपन पिता क लखेस तब उ ओकरे गटइया स लपटि गवा अउ देर तलक रोवत रहा।

30तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, "अब मइँ सान्ति स मरि सकत हउँ। मइँ तोहार मुँह देखि लिहेउँ ह अउर मइँ जानत हउँ कि तू अबहिं जिअत अहा।"

31यूसुफ आपन भाइयन अउ आपन पिता क परिवार स कहेस, "मइँ जाब अउ फिरौन स कहब कि मोरे पिता हिऑं आइ ग अहइँ। मइँ फिरौन स कहब, 'मोर भाइयन अउ मोर पिता क परिवार कनान देस तजि दिहे अहइ अउर हिऑं मोरे लगे आइ ग अहइँ। 32इ गड़रिया क परिवार अहइ। उ पचे

हमेसा गोरु अउ खरका राखे अहइँ। उ पचे आपन सबहिं जनावर अउ ओनकइ जउन कछू आपन अहइ ओका आपन संग लइ आए अहइँ।' 33जब फिरौन आप लोगन क बोलइहीं अउ आप लोगन स पूछिहीं, 'आप लोग का काम करत हीं?' 34आप लोग ओनसे कह्या, 'हम पचे गड़रिया अही। हम सबइ पूरी जिन्नगी जनावरन क देखरेख मँ बितावा ह। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी अइसे रहेन।' तब फिरौन तू लोगन क गोसेन प्रदेस मँ रहइ क आग्या दइ देइ। मिस्त्र क लोग गड़रिया क पसन्द नाहीं करतेन, ऍह बरे बढ़िया उहइ होइ कि आप लोग गोसेन मँ ही ठहरइँ।"

### इस्राएल गोसेन मँ बसत ह

47 यूसुफ फिरौन क लगे गवा अउ उ कहेस, "मोर पिता, मोर भाई अउ ओनके सबहिं परिवार हिआँ आइ ग अहइँ। उ सबइ आपन सबइ जनावर तथा कनान मँ ओनकइ आपन जउन कछू रहा, ओकरे संग अहइ। इ टेम उ सबइ गोसेन प्रदेस मँ अहइँ।" 2यूसुफ आपन भाइयन मँ स पाँच क फिरौन क समन्वा हाजिर होइ बरे चुनेस। 3फिरौन भाइयन स पूछेस, "तू लोग का काम करत अहा?"

भाइयन फिरौन स कहेन, "महोदय, हम पचे गड़रिया अही। हम लोगन स पहिले हमार पुरखन भी गड़रिया रहेन।" 4उ पचे फिरौन स कहेन, "कनान मँ भुखमरी क इ टेम बहोत बुरा बाटइ। हम लोगन क गोरुअन क घास वाला कउनो खेत बचा नाहीं रहि गवा बाटइ। ऍह बरे हम लोग इस देस मँ बसइ आवा अही। आप से हम पचे बिनती करत अही कि आप कृपा कइके हम लोगन क गोसेन प्रदेस मँ रहइ देइँ।"

5तब फिरौन यूसुफ स कहेस, "तोहरे पिता अउ तोहार भाई तोहरे लगे आवा अहइँ। 6तू मिस्त्र मँ कउनो भी जगह ओनके रहइ बरे चुन सकत ह। आपन पिता अउ आपन भाइयन क सबसे अच्छी भुइँया द्या। ओनका गोसेन पहँटा मँ रहइ द्या अउ अगर उ सबइ कुसल गड़रिया अहउँ, तउ उ पचे मोरे जनावरन क भी देख भाल कइ सकत हीं।"

7तब यूसुफ आपन पिता याकूब क भितरे फ़िरौन क समन्वा बोलाएस। याकूब फिरौन क आसीर्बाद दिहस। 8तब फिरौन याकूब स पूछेस, "आप क उमिर का अहइ?" 9याकूब फिरौन स कहेस, "बहोत स कस्टन क संग मोर छोटी जिन्नगी रही। मइँ सिरिफ एक सौ तीस बरिस जिन्नगी बिताएउँ ह। मोर पिता अउ ओनके पुरखन मोसे बेसी उमिर तक जिअत रहेन।"

10याकूब फिरौन क आसीर्बाद दिहस। तब फिरौन स बिदा लेइके चल दिहस। 11यूसुफ फिरौन क हुकुम मानेस। उ आपन पिता अउ भाइयन क मिस्त्र मँ भुइँया दिहस। इ रामसेस सहर क निअरे मिस्त्र मँ सबसे बढ़िया भुइँया रही। 12यूसुफ आपन पिता, भाइयन अउ ओनके आपन लोगन क, जउन भोजन ओनका जरुरी रहा, दिहस।

### यूसुफ फिरौन बरे भुइँया खरीदत ह

13भुखमरी क समइ अउर भी जियादा बुरा होइ गवा। देस मँ कहीं भी भोजन न रहा। इ बुरा समइ क कारण मिस्त्र अउ कनान बहोत गरीब होइ गएन। 14देस मँ लोग जियादा स जियादा अनाज बेसहइ लागेन। यूसुफ धन बचाएस अउ ओका फिरौन क महल मँ लिआएस। 15कछू समइ पाछे मिस्त्र अउ कनान मँ लोगन क लगे पइसा नाहीं रहा। उ पचे आपन सारा धन अनाज बेसहइ मँ खर्च कइ दिहन। ऍह बरे लोग यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, "कृपा कइके हम पचन क खइया क द्या। हम पचन क धन खतम होइ ग अहइ। अगर हम लोग नाहीं खाब तउ आप क लखत लखत मरि जाब।"

16मुला यूसुफ जवाब दिहस, "आपन गोरु मोका द्या अउर मइँ तू लोगन क भोजन देब।" 17ऍह बरे लोग आपन गोरु, घोड़ा अउ दूसर सबहिं जनावरन क भोजन बेसहइ बरे प्रयोग मँ लावइ लागेन अउ उ बरिस यूसुफ ओनके गोरुअन क लिहस अउ भोजन दिहस।

18मुला दूसर बरिस लोगन क लगे जनावर नाहीं रहि गएन अउ भोजन बेसहइ बरे कछू न रहा। ऍह बरे मनई यूसुफ क लगे गएन अउ बोलेन, "आप जानत हीं कि हम लोगन क लगे धन नाहीं बचा बाटइ अउ हमार सबहिं गोरु आप क होइ गए अहइँ। ऍह बरे हम लोगन क लगे कछू नाहीं बचा अहइ। उ बचा अहइ सिरिफ, जउन आप लखत हीं, हमार तन अउ हमार भुइँया। 19आप क लखत भए ही हम फुरइ मरि जाब। मुला जदि आप मोका भोजन देत हीं तउ हम फिरौन क आपन भुइँया देब अउ ओकर गुलाम होइ जाब। हमका बिआ द्या जेनका हम बोइ सकी। तब हम लोग जिअत रहब अउ मरब नाहीं अउ भुइँया हम लोगन बरे फुन अनाज उगाई।"

20ऍह बरे यूसुफ मिस्त्र क सारी भुइँया फिरौन बरे बेसहेस। मिस्त्र क सबहिं लोगन आपन खेतन क यूसुफ क हाथ बेंचि दिहन। उ पचे इ ऍह बरे किहन काहे कि उ पचे बहोत भुखान रहेन। 21अउर सबइ लोग फिरौन क दास होइ गएन। मिस्त्र मँ सब जगह लोग फिरौन क दास रहेन। 22एक सिरिफ उहइ भुइँया यूसुफ नाहीं बेसहेस जउन याजकन क कब्जा मँ रही। याजकन क भुइँया बेंचइ क जरुरत नाहीं रही। काहेकि फिरौन ओनके काम बरे ओनका पगार देत रहा। ऍह बरे उ पचे इ धन क खाइ बरे भोजन बेसहइ मँ खरच किहन।

23यूसुफ लोगन स कहेस, "अब मइँ तू पचन क अउ तोहरी भुइँया क फिरौन बरे बेसहेउँ ह। ऍह बरे मइँ तू पचन क बिआ देब अउ तू लोग आपन खेतन मँ पौध लगाइ सकत ह। 24फसल काटइ क समइ तू लोग फसल क पाँचवाँ हींसा फिरौन क जरूर दिहा। तू पचे आपन खातिर पाँच मँ स चार हींसा रखि सकत ह। तू लोग उ बिआ क जेका भोजन अउ बोवइ बरे रखब्या ओका दुसरे बरिस प्रयोग कइ सकब्या। अब तू आपन परिवारन अउ गदेलन क खिआइ सकत ह।"

25मनइयन कहेन, "आप हम लोगन क जिन्नगी बचाइ लिहन ह।" हम लोग आप क अउ फिरौन क दास होइ मँ खुस अही।"

26ऍह बरे यूसुफ उ समइ देस मँ एक नेम बनाएस अउ उ नेम अब तलक चला आवत अहइ। नेम क मुताबिक

भुइँया स हर एक उपज क पाँचवाँ हींसा फिरौन क बाटइ। फिरौन सारी भुइँया क सुआमी अहइ। सिरिफ उहइ भुइँया ओकर नाहीं जउन याजकन क बाटइ।

### "मोका मिस्र मेँ जिन दफनाया"

27इस्राएल मिस्र मेँ रहेउँ। उ गोसेन पहँटा मेँ रहा। ओकर परिवार बाढ़ा अउ बहोत बड़वार होइ गवा। उ पचे मिस्र मेँ उ भुइँया क पाएन अउ अच्छी जिन्नगी बिताएन। 28याकूब मिस्र मेँ सत्रह बरिस रहा। इ तरह याकूब एक सौ सैंतालीस बरिस क होइ गवा। 29उ समइ आइ गवा जब इस्राएल समझ गवा कि उ हाली ही मरी, ऍह बरे उ आपन पूत यूसुफ क आपन लगे बोलाएस। उ कहेस, "अगर तू मोसे पिरेम करत ह तउ तू आपन हाथ मोरी जाँघे क तरे धइके मोका बचन द्या कि तू, जउन मइँ कहब करब्या अउ तू मोरे बरे सच्चा रहब्या। जब मइँ मरब तउ मोका मिस्र मेँ जिन दफनाया। 30उहइ जगह मोका दफनाया जउने जगह मोरे पुरखन दफनावा गए अहइँ। मोका मिस्र स बाहेर लइ जा अउ मोरे पुरखन जहाँ दफनाए गवा अहइँ उहइ जगह मोका दफनावा।"

यूसुफ जवाब दिहस, "मइँ बचन देत हउँ कि उहइ करब जउन आप कहत हीं।" 31तब याकूब कहेस, "मोसे एक प्रण करा" अउर यूसुफ ओसे प्रण किहेस कि उ ऍका पूरा करी। तब इस्राएल आपन मूँड़ी खटिया प पाछे धरेस।*

### मनस्से अउ एप्रैम क असीस

48 कछू टेम पाछे यूसुफ क पता लाग कि ओकर पिता बेराम अहइ। ऍह बरे यूसुफ आपन दुइनउँ बेटहनन मनस्से अउ एप्रैम क संग लिहस अउ आपन पिता क लगे गवा। 2जब यूसुफ पहोंचा तउ कउनो इस्राएल स कहेस, "तोहार पूत यूसुफ तोहका लखइ आवा ह।" इस्राएल बहोत दुर्बल रहा, मुला उ बहोत जतन किहेस अउ खटिया प बइठि गवा।

3तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, "कनान देस मेँ लूज क जगह प सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोका खुद दर्सन दिहस। परमेस्सर हुआँ मोका आसीर्बाद दिहस। 4परमेस्सर मोसे कहेस, 'मइँ तोहार एक बड़वार परिवार बनाउब। मइँ तोहका बहोत स बच्चन क देब अउर तू एक महान रास्ट्र बनब्या। तोहरे लोगन इ भुइँया प सदा बना रहीं।' 5अउर अब तोहार दुइ पूत बाटेन। मोरे आवइ स पहिले मिस्र देस मेँ हिआँ इ सबइ पइदा भए रहेन। तोहार दुइनउँ पूत एप्रैम अउ मनस्से मोरे आपन बेटवन क तरह होइहीं। उ पचे वइसेन होइहीं जइसे मोका रूबेन अउ सिमोन अहइँ। 6इ तरह इ दुइनउँ मोर पूत होइहीं। उ पचे मोर सबहिं चीजन मेँ हिस्सेदार होइहीं। मुला अगर तोहार दूसर पूत होइहीं तउ उ सबइ तोहार बच्चन होइहीं। मुला उ पचे भी एप्रैम अउ मनस्से क बेटवन क नाईं होइहीं। अरथ अहइ भविस्स मेँ एप्रैम अउ मनस्से क जउन कछू होइ, ओहमाँ हिस्सेदार होइहीं। 7पद्दनअराम स जात्रा करत समइ मेँ राहेल मरि गइ। इ बात मोका बहोतइ दुःखी किहस। उ कनान क भुइँया मेँ मरी। हम पचे अबहिं एप्राता कइँती जात्रा करत रहे। मइँ ओका एप्राता कइँती जाइवाली सड़क प दफनावा।" (एप्राता बेतलेहेम अहइ।)

8तब इस्राएल यूसुफ क पूतन क लखेस। इस्राएल पूछेस, "इ सबइ लरिकन कउन अहइँ?"

9यूसुफ आपन पिता स कहेस, "इ सबइ मोर बेटवन अहइँ। इ सबइ उ पचे लरिकन अहीं जेनका परमेस्सर मोका दिहस ह।"

इस्राएल कहेस, "आपन बेटवन क मोरे लगे लइ आवा। मइँ ओनका असीसब।"

10इस्राएल बुढ़वा रहा, अउर ओकर आँखिन ठीक नाहीं रहिन। ऍह बरे यूसुफ आपन बेटहनन क अपने बाप क निचके लइ गवा। इस्राएल बच्चन क चूमेस अउ गले स चिपकाएस। 11तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, "मइँ कबहुँ नाहीं सोचेउँ कि मइँ तोहार मुँह फुन लखब मुला देखा। परमेस्सर तोहका अउर तोहरे गदेलन क मोका निहारइ दिहस।"

12तब यूसुफ बच्चन क गोदी स लिहस अउ उ पचे ओकरे पिता क समन्वा पैलगी करइ क निहुरेन। 13यूसुफ एप्रैम क आपन दाहिन कइँती किहस अउ मनस्से क आपन बाईं कइँती इ तरह एप्रैम इस्राएल क बाईं कइँती रहा अउ मनस्से दाईं कइँती रहा। 14मुला इस्राएल आपन हाथ क पहला बदलिके आपन दाहिन हाथ क लहुरा लरिका एप्रैम क मूँड़े प धरेस अउ तब बाएँ हाथ क इस्राएल जेठ लरिका मनस्से क मूँड़े प राखेस। उ आपन बाएँ हाथ क मनस्से प धरेस, तउ भी मनस्से क जन्म पहिले भवा रहा। 15अउर इस्राएल यूसुफ क आसीर्बाद दिहस अउ कहेस,

"मोरे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक हमरे परमेस्सर क आराधना किहस अउ उहइ परमेस्सर मोर पूरी जिन्नगी क रास्ता क देखेंवइया रहा बाटइ।

16उहइ सरगदूत रहा जउन मोका सबहिं कस्टन स बचाएस अउर मोर पराथना अहइ कि इ सबइ लरिकन क उ असीसइ। अब इ सबइ बच्चन मोर नाम पइहीं। उ पचे हमरे पुरखा इब्राहीम अउ इसहाक क नाउँ पइहीं। मइँ पराथना करत हउँ कि उ पचे धरती प महान परिवार अउ रास्ट्र बनिहीं।"

17यूसुफ लखेस कि ओकर पिता एप्रैम क मूँड़े प दाहिना हाथ रखेस ह। इ यूसुफ क खुस न कइ सका। यूसुफ आपन पिता क हाथे क धरेस। उ ओका एप्रैम क मूँड़े स हटाइके मनस्से क मूँड़ प रखइ चाहत रहा। 18यूसुफ आपन पिता स कहेस, "आप आपन दाहिन हाथ गलत लरिका प धरे अहा। मनस्से क जन्म पहिले अहइ।"

19मुला ओकर पिता नकारेस, अउ कहेस, "पूत, मइँ जानत हउँ। मनस्से क जन्म पहिले अहइ अउर उ महान होइ। उ बहोत स लोगन क पिता भी होइ। मुला लहुरा भाई जेठ भाई स बड़ा होइ अउ लहुरे भाई क परिवार ओसे

---

**तब ... धरेस** या तब इस्राएल लाठी क सहारा लइके पराथना मेँ आपन मूँड़ि निहराएस। डंडा बरे हिब्रू सब्द "बिछउना" सब्द क तरह बाटइ अउ पराथना बरे बइपरा सब्द का अरथ "पैलगी करब" "ओलरब" होत ह।

बहोत बड़ा होइ।" 20इ तरह इस्राएल उ दिन ओनका आसीर्बाद दिहस। उ कहेस,

"इस्राएल क लोग तोहरे नाउँ क प्रयोग आसीर्बाद देइ बरे करिहीं, उ लोगन कहब्या: 'परमेस्सर तोहका एप्रैम अउ मनस्से क तरह बनावइ।'"

इ तरह इस्राएल एप्रैम क मनस्से स बड़वार बनाएस।

21तब इस्राएल यूसुफ स कहेस, "लखा मोरी मउत क टेम निचकाइ ग अहइ। मुला परमेस्सर तोहरे साथ अब भी रही। उ तोहका तोहरे पुरखन क देस तलक लउटाइ लइ जाइ। 22मइँ तोहका अइसा कछू दिहेउँ ह जउन तोहरे भाइयन क नाहीं दिहेउँ ह। मइँ तोहका उ पहाड़े क देत अहउँ जेका मइँ एमोरी लोगन स जीतेउँ ह। उ पहाड़ बरे मइँ आपन तरवार अउ आपन धनुख स जुद्ध किहेउँ रहे अउर मोर जीत भइ रही।"

### याकूब आपन पूतन क असीसत ह

49 तब याकूब आपन सबहिं बेटवन क आपन लग्गे बोलाएस। उ कहेस, "मोर सबइ बेटउनो, हिअौं मोरे लग्गे आवा। मइँ तोहका बताउब कि भविस्स मँ का होइ।

2"याकूब क पूते, एक साथे आवा अउ सुना, आपन पिता इस्राएल क सुना।"

### रूबेन

3"रूबेन, तू मोर पहिलउटी क बेटवा अहा। तू मोर पहिलउटी क बेटवा अउ मोरी सक्ती क पहिला सबूत अहा। तू मोर सबहिं बेटवन स जियादा इज्जतदार अउ बरिआर अहा।

4मुला तोहार उमंग बाढ़े का लहर क नाईं बेकाबू रहा। इसलिए तू मोर सबहिं पूतन स जियादा सम्मानित पूत अउर नाहीं रहिसकब्या। तू आपन बाप क बिछाउना पइ चढ़्या अउ ओकर पत्नियन मँ स एक क संग सोया। तू आपन पिता क बिछाउना क लज्जित किहेस ह।"

### सिमोन अउ लेवी

5"सिमोन अउ लेवी भाई अहइँ। ओनका आपन तरवारे स लड़ब पियारा अहइ।

6उ पचे छुपे रूप बुरी योजना बनाएन। मइँ ओनकइ योजना क कउनो हींसा नाहीं चाहत हउँ मइँ ओनकइ छुपी बइठकन क अनुमोदन नाहीं करब। उ पचे मनइयन क कतल किहन जब उ सबइ किरोध मँ रहेन। अउ उ पचे सिरिफ मजाक बरे जनावरन क चोट पहोंचाएन।

7ओनकइ किरोध एक सराप अहइ। इ सबइ बहोत जियादा कठोर अहइ जब उ सबइ पगलात हीं। याकूब क देस मँ ओनके परिवारन क आपन भुइँया न होइ। उ पचे पूरा इस्राएल मँ फइलि जइहीं।"

### यहूदा

8"यहूदा, तोहार भाईयन तोहार प्रसंसा करिहीं। तू आपन दुस्मनन क हरउब्या। तोहरे भाई तोहरे समन्वा निहुरिहीं।

9यहूदा उ सेर क नाई अहइ जउन कउनो जनावर क मारे होइ। हे मोर पूत, तू उ सेर क तरह अहा जउन आपना सिकार क बाद अराम करई बरे सोइ जात ह। अउर कउनो ऍतना बहादुर नाहीं कि ओका छेड़ि देइ।

10यहूदा क परिवार क मनई राजा होइहीं। ओकरे परिवार क राज-चीन्हा सीलो* क अवाई स पहिले खतम न होइ। तब अनेक लोग ओकर हुकुम मनिहीं।

11उ आपन गदहा क अंगूरे क लता स बाँधत ह। उ आपन गदहा क बच्चन क सबसे बढ़िया अंगूरे क लता मँ बाँधत ह। उ आपन ओढ़ना क धोवइ बरे सबसे बढ़िया दाखरस क बइपरत ह।

12ओकर आँखिन दाखरस पिए स ललछउँड़ रहत हीं। ओकर दँतवन दूध पिए स उज्जर अहइँ।"

### जबूलून

13"जबूलूब समुद्दर क निअरे रही। ऍकर समुद्दर क किनारा जहाजन बरे सुरच्छित रही। ऍकर पहँटा सीदोन तलक फइला होइ।"

### इस्साकर

14"इस्साकर उ गदहा क तरह अहइ जउन बहोत जियादा कठोर काम किहे अहइ। उ भारी बोझ ढोवइ क कारण पस्त पड़ा अहइ।

15उ लखी कि ओकरे आराम क जगह अच्छी अहइ। अउर इ कि ओकर भुइँया आनन्दायक ह। तब उ भारी बोझा ढोवइ क तइयार होइ। उ गुलाम क रुप मँ काम करब अंगीकार करी।"

### दान

16"दान आपन लोगन क निआव वइसे ही करब्या जइसे इस्राएल क दूसर परिवार क संग करत हीं।

17दान सड़क क किनारे सरप क तरह अहइ। उ रास्ता क लग्गे ओलरा भवा खौफनाक सरप क तरह अहइ, जउन घोड़न क गोड़न क डसत ह, अउ सवार भुइँया प भहराइ पड़त ह।

18"यहोवा, मइँ मुक्ति क जोहत अहउँ।"

### गाद

19"डाकुअन क एक ठु गिरोह गाद प हमला करी। मुला गाद ओनका मार भगाई।"

### आसेर

20"आसेर क भुइँया बहोत बढ़िया उपज देइ। ओका उहइ खइया क मिली जउन राजा लोगन बरे जोग्ग होइ।"

### नप्ताली

21"नप्ताली एक अजाद मादा हिरन क तरह अहइ जेका अजाद कीन्ह गवा ह। उ सुन्नर सब्द कहत ह।"

---

**सीलो** एक कठिन इब्रानी सब्द, सम्भवत: एक नाउँ, जेका अरथ होसकत ह, "उहइ एक जेका अधिकार मँइ अहइ।"

### यूसुफ

22"यूसुफ बहोत सुफल अहइ। यूसुफ फलन स लदी भइ
गवा क तरह अहइ। उ झरना क लगे जमी अंगूरे क गवा
क तरह बाटइ, बाड़ा क सहारे जमी अंगूरे क गवा क तरह
अहइ।
23ढेर मिला ओकरे खिलाफ भएन अउ ओसे लड़ेन।
धनुर्धारी मनइयन ओकर दुस्मन होइ गवा।
24मुला उ आपन सक्तीवाला धनुख अउ फुर्तीला बाँहें स
जुद्ध जीतेस। उ याकूब क सक्तीवाला परमेस्सर गड़रियन,
इस्राएल क चट्टान, स सक्ती पावत ह।
25अउर आपन पिता क परमेस्सर स सक्ती पावत ह।
परमेस्सर तोहका आसीर्बाद देइ। सर्वसक्तीमान परमेस्सर तोहका
आसीर्बाद देइ। उ तोहका ऊपर स आसीर्बाद देइ अउर खाले
गहिर समुद्दर स आसीर्बाद देइ। होइ सकत ह उ तोहका
छाती अउ गरभ स आसीर्बाद देइ।"
26मोरे महतारी-बाप क बहोत स बढ़िया चीजन होत रहिन।
अउर मइँ तोहार पिता बहोत जियादा आसीर्बाद पावत रहा।
अब मइँ आपन आसीर्बाद क यूसुफ पइ जमा करब जउन
पहाड़ क समान ऊँचा होइ, हाँ ओकरे सिर पइ जेका ओकरे
भाईयन स अल्गाइ दीन्ह गवा रहेन।"

### बिन्यामीन

27"बिन्यामीन एक अइसा भूखा बड़का कूकुर क समान
अहइ। जउन भिन्सारे मारत ह ओका खात ह। संझा क उ
बचा खुचा स काम चलावत ह।"
28इ सबइ इस्राएल क बारह परिवार अहइँ। अउर उहइ
चीजन अहइँ जेनका ओनके पिता ओनसे कहे रहा। उ हर
एक पूत क उ आसीर्बाद दिहस जउन ओकरे बरे ठीक रहा।
29तब इस्राएल ओनका एक हुकुम दिहस। उ कहेस, "जब
मइँ मरउँ तउ मइँ आपन लोगन क बीच रहइ चाहत हउँ।
मइँ आपन पुरखन क संग हित्ती एप्रोन क खेतन क गुफा
मँ दफनावा जाइ चाहत हउँ।
30उ गुफा मम्रे क नगिचे मकपेला क खेते मँ अहइ। इ
कनान देस मँ अहइ। इब्राहीम उ खेत क एप्रोन स ऍह बरे
बेसहेस जेहसे ओकरे लगे एक ठु कब्रिस्तान होइ सकइ।
31इब्राहीम अउ ओकर मेहरारु सारा उहइ गुफा मँ दफनावा
गए अहइँ। इसहाक अउ ओकर मेहरारु रिबका उहइ गुफा
मँ दफनाए गएन। मइँ आपन मेहरारु लिआ क उहइ गुफा मँ
दफनावा। 32उ गुफा उ खेत मँ अहइ जेका हित्ती लोगन स
बेसहा ग रहा।" 33आपन पूतन स बातन खतम करइ क पाछे
याकूब ओलर गवा, गोड़वन क आपन बिछउना प धरेस अउ
मरि गवा।

### याकूब क आखिरी किरिया करम

50 जब इस्राएल मरा, यूसुफ बहोत दुःखी भवा। उ
पिता स लपटि गवा, ओह प रोवा अउ ओका
चूमेस। 2यूसुफ आपन नउकरन क हुकुम दिहस कि उ पचे
ओकरे बाप क ल्हासे क तइयार करइँ। (इ सबइ नउकर
वैद्य रहेन।) वैद्य लोग याकूब क ल्हास गाड़इ बरे तइयार
किहन। उ पचे मिस्र क लोगन क खास तरीका स ल्हासे
क तइयार किहन। 3जब मिस्र क लोग खास तरह स ल्हास
तइयार किहन तब ओका गाड़इ क पहिले चालीस दिन
तलक जोहेन। ओकरे पाछे मिस्री लोगन दुःख क खास
समइ राखेन। इ समइ सत्तर दिन क रहा।
4सत्तर दिन पाछे दुःख क समइ खतम भवा। ऍह बरे
यूसुफ फिरौम क अफसरन स कहेस, "कृपा कइके फिरौन
स इ कहा, 5'जब मोर पिता मरत रहेन तब मइँ ओनसे एक
प्रण किहेउँ रहेउँ। मँइ प्रण किहेउँ रहे कि मइँ ओनका
कनान देस क गुफा मँ गाड़ब। इ उ गुफा बाटइ जेका उ
अपने खातिर बनाएस ह। ऍह बरे कृपा कइके मोका जाइ देइँ
अउर हुआँ पिता क गाड़इ देइँ। तब मइँ आपक लगे वापिस
लउटि आउब।'"
6फिरौन कहेस, "आपन प्रतिग्या पूरी करा। जा अउर
आपन बाप क गाड़ा।"
7ऍह बरे यूसुफ आपन पिता क गाड़इ गवा। फिरौन क
सबहिं अफसरन यूसुफ क संग गएन। फिरौन क बुजुर्गन
अउ मिस्र क बड़कवा लोग यूसुफ क संग गएन। 8यूसुफ
अउ ओकरे भाइयन क परिवार क सबहिं मनई ओकरे संग
गएन अउ ओकर पिता क परिवार क सबहिं लोग भी
यूसुफ क संग गएन। सिरिफ बच्चन अउ जनावरन गोसेन
पहँटा मँ रहि गएन। 9यूसुफ क संग जाइ बरे लोग रथन
अउ घोड़न प सवार भएन। इ बहोतइ बड़ा मनइयन क झुण्ड
रहा।
10उ पचे गोरन आताद क गएन। जउन यरदन नदी क
पूरब मँ रहा। इ ठउर प इ पचे इस्राएल क अखिरी संस्कार
किहन। इ सबइ आखिरी संस्कार सात दिन तलक होत रहा।
11कनान क बसइयन गोरन आताद मँ आखिरी संस्कार क
लखेन। उ पचे कहेन, "उ पचे मिस्र क लोग फुरइ बहोतइ
दुःख भरा संस्कार करत अहइँ।" एह बरे उ जगह क नाउँ
यरदन नदी क पार तलक अब आबेलमिस्त्रैम अहइ।
12इ तरह इस्राएल क बेटवन उहइ किहन जउन ओनके
पिता हुकुम दिहे रहेन। 13उ पचे ओकरे ल्हासे क कनान लइ
गएन अउ मकपेला क गुफा मँ ओका गाड़ेन। इ गुफा मम्रे
क निचके उ खेते मँ रही जेका इब्राहीम हित्ती एप्रोन स
खरीदा हा। इब्राहीम उ गुफा क कबरिस्तान बरे खरीदा रहा।
14यूसुफ क आपन पिता क दफनाइ क पाछे उ, ओकरे
भाईयन अउर ओकरे संग झुण्ड क हर एक मनई मिस्र क
लौट गवा।

### भाई यूसुफ स डेराएन

15याकूब क मरइ क पाछे यूसुफ क भाई चिन्ता मँ पड़ेन।
उ पचे आपन स कहेन, "होइ सकत ह जउन कछू हम
कीन्ह ह ओकरे बरे यूसुफ अब भी हमसे घिना करत ह
अउर जउन बुरा काम हम लोगन ओकर संग किहस ह
ओकर बदला लेब।" 16ऍह बरे भाइयन इ सँदेसा यूसुफ क
पठएन:

तोहार पिता मरइ क पहिले हम लोगन क हुकुम दिहे
रहा। 17उ कहेस, 'यूसुफ स कहया कि मइँ निवेदन करत
हउँ कि कृपा कइके उ अपराधे क छिमा कइ देइँ जउन

उ पचे ओकरे संग किहेन।' ऍह बरे अब हम तोहसे पराथना करित अही कि उ अपराध क छिमा कइ द्या जउ, हम कीन्ह ह। हम लोग सिरिफ तोहरे पिता क परमेस्सर क सेवक अही।

यूसुफ क भाइयन जउन कछू कहेन ओसे ओका बड़ा दु:ख भवा अउर उ रोइ पड़ा। 18यूसुफ क भाई ओकरे सामने गएन अउ ओकरे समन्वा निहुरि के पैलगी किहन। उ पचे कहेन, "हम लोग तोहार सेवक होब।"

19तब यूसुफ ओनसे कहेस, "डेराअ जिन मइँ परमेस्सर नाहीं अहउँ। 20इ फुरइ अहइ कि तू मोका नोस्कान पहुँचावइ बरे जोजना बनाए रहा, मुला परमेस्सर फुरइ अच्छी योजना बनवत रहा। परमेस्सर क योजना बहोत स लोगन क जिन्नगी बचावइ बरे मोर प्रयोग करइ क रही अउर आजु भी ओकर इहइ योजना अहइ।

21ऍह बरे डेराअ जिन। मइँ तू लोगन अउ तोहरे बच्चन क देखरेख करब।" इ तरह, यूसुफ ओनका समझाइ बुझाइ क बात किहस अउ नम्र होइके बोला।

22यूसुफ आपन पिता क परिवार क संग मिस्त्र मँ रहत रहा। यूसुफ एक सौ दस बरिस होइके मरा। 23यूसुफ क जिन्नगी मँ एप्रैम क पूतन अउ पोतन भएन अउ ओकर पूत मनस्से क एक पूत माकीर नाउँ क भवा। यूसुफ माकीर क बच्चा क लखइ बरे जिअत रहा।

### यूसुफ क मउत

24जब यूसुफ मरइ क भवा, उ आपन भाइयन स कहेस, "मोरे मरइ क टेम आइ गवा। मुला मइँ जानत हउँ कि परमेस्सर तू लोगन क रच्छा करी। उ इ देस स तू लोगन क बाहेर लइ जाइ। परमेस्सर तू लोगन क उ देस मँ लइ जाइ जेका उ इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा।"

25तब यूसुफ आपन लोगन क एक प्रण करइ क कहेस। यूसुफ कहेस, "मोसे प्रतिग्या करा कि तब मोर हड्डी आपन संग लइ जाब्या जब परमेस्सर तू लोगन क नवे देस मँ लइ जाइ।"

26यूसुफ मिस्त्र मँ मरा, जब उ एक सौ दस बरिस क रहा। वैद्य लोग ओकरी अर्थी क गाड़इ बरे तइयार भएन अउ मिस्त्र मँ ओकरी अर्थी क एक ठु ताबूत मँ धरेन।

# License Agreement for Bible Texts

***World Bible Translation Center***
***Last Updated: September 21, 2006***

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

**These Scriptures:**

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

**WBTC's web site –** World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

**Order online –** To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

**Current license agreement –** *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

**Trouble viewing this file –** If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

**Viewing Chinese or Korean PDFs –** To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html